राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 जेपी नड्डा ने लोकसभा की 160 कमजोर सीटों के लिए बनाया.....

नकली दवा बनाने वाली कंपनियों पर कार्रवाई करने विशेष दल गठित..... 12

वर्ष : 14 | अंक : 61 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 14 जुलाई, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को तीन दिवसीय दौरे पर राजस्थान में करेंगीं खाटूश्यामजी के दर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को तीन दिवसीय दौरे पर राजस्थान आ रही हैं। राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राष्ट्रपति मुर्मू स्पेशल प्लेन से गुरुवार शाम को जयपुर पहुंचेंगी। 14 जुलाई को जयपुर में विधानसभा की कार्यवाही में शामिल होने के बाद वे सीकर जिले में खाटूश्यामजी के दर्शन करेंगीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से गुरुवार शाम जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगी। एयरपोर्ट पर राज्यपाल कलराज मिश्र, राष्ट्रपति की आगवानी करेंगे। इसके बाद एयरपोर्ट से उनका सीधे राजभवन जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। रात्रि विश्राम राजभवन में ही होगा। अगले दिन 14 जुलाई को राष्ट्रपति मुर्मू विधानसभा और राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगी। इसके बाद राष्ट्रपति जयपुर से खाटूश्यामजी के लिए रवाना होंगी। खाटूश्यामजी से शाम को वापस जयपुर राजभवन लौटेंगी। रात्रि विश्राम राजभवन में होगा। अगले दिन 15 जुलाई को दोपहर

जयपुर से वापस लौटेंगी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने बताया कि 14 जुलाई को सुबह 10:50 बजे विधानसभा पहुंचने पर राष्ट्रपति की आगवानी की जाएगी। राजस्थान विधानसभा में राष्ट्रपति का सम्बोधन पहली बार हो रहा है। राष्ट्रपति के स्वागत के लिए विधानसभा भवन पर भव्य रोशनी की गई है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी स्वागत उद्बोधन देंगे। इस मौके पर राज्यपाल कलराज मिश्र, विधायक सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहेंगे। विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने बताया कि राष्ट्रपति के विधानसभा आगमन की सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। तैयारियों का रिहर्सल भी कर लिया गया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया कि राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इसके अलावा सादा कपड़ों में भी पुलिसकर्मी तैनात किए जा रहे हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए शहर में ईआरटी और क्यूआरटी के जवानों को भी तैनात किया जा रहा है। राष्ट्रपति के दौरे के लिए किए गए सुरक्षा इंतजाम के चलते एयरपोर्ट, जेएलएन मार्ग से लेकर सिविल लाइन्स तक यातायात भी डायवर्ट किया जाएगा। एयरपोर्ट से लेकर सिविल लाइन्स तक राष्ट्रपति का काफिला गुजरने वाली सड़क पर यातायात रोका जाएगा और वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से निकाला जाएगा। ऐसे में शाम के समय एयरपोर्ट, जेएलएन, रामबाग सर्किल, हाईकोर्ट सर्किल से लेकर राजभवन की तरफ यदि आपको जाना है तो वैकल्पिक रास्तों से निकलना होगा। कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया कि राजस्थान विधानसभा का सत्र 14 जुलाई से शुरू हो रहा है और पहले दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस सत्र को संबोधित करेंगी। सत्र के दौरान विधानसभा के भीतर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिसकर्मियों को डेपुटेशन पर भेजा गया है, जबकि विधानसभा के आसपास के इलाके में भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे। सत्र के दौरान विधानसभा के आसपास की सड़कों पर बैरिकेडिंग की गई हैं। इसके साथ ही अलग-अलग प्वाइंट्स पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी अभय कमांड के जरिए निगरानी की जाएगी।

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 27.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	60,355
चांदी	69,700
सेंसेक्स	65,280
निफ्टी	19,332

संक्षिप्त खबरें

हिमाचल में बाढ़ग्रस्त इलाकों से 60 हजार पर्यटकों को निकाला गया : सुक्खू

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गुरुवार को बाढ़ प्रभावित कुल्लू और लाहौल स्पीति जिलों में चलाए जा रहे राहत और बचाव कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में बाढ़ में फंसे 60 हजार पर्यटकों को निकाला गया है। मुख्यमंत्री सुक्खू पिछले तीन दिनों से कुल्लू में ही ठहरे हुए हैं। वह यहां जारी बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। राज्य में नौ और दस जुलाई को हुई तेज बारिश से अचानक आई बाढ़ के कारण अधिकांश सड़कें क्षतिग्रस्त होने से हजारों पर्यटक यहां फंस गए। इसके अलावा स्थानीय लोगों को भूस्खलन का सामना करना पड़ा। बहरहाल, राज्य में लगातार हो रही बारिश से बाढ़ग्रस्त इलाकों में पांच दिनों के बाद भी मार्ग बहाली का काम आगे नहीं बढ़ सका। वर्षा और बाढ़ जनित घटनाओं में करीब 88 लोग मारे गए और सौ लोग घायल हुए है तथा हजारो लोग बाढ़ग्रस्त इलाकों में फंसे हुए है।

फ्रांस की यात्रा से हमारी सामरिक साझेदारी को नई गति मिलेगी : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को विश्वास व्यक्त किया कि उनकी फ्रांस यात्रा से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह फ्रांस की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ विविध विषयों पर विस्तृत चर्चा को लेकर आशान्वित हैं। फ्रांस रवाना होने से पहले अपने संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ह्यह्यमैं अपने मित्र, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर 13 से 14 जुलाई तक फ्रांस के राजकीय दौरे पर रहूंगा।" उन्होंने कहा, "यह यात्रा इसलिये विशिष्ट है क्योंकि मुझे राष्ट्रपति मैक्रों के साथ फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस या बैस्टिल दिवस पर पेरिस में होने वाले समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होना है। बैस्टिल दिवस परेड में भारत की तीनों सेनाओं का दल भी हिस्सा लेगा, जबकि भारतीय वायुसेना इस अवसर पर फ्लाई-पास्ट का प्रदर्शन करेगी।" प्रधानमंत्री ने दोनों देशों की सामरिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ का उल्लेख करते हुए कहा, इस वर्ष हमारी रणनीतिक साझेदारी की वर्षगांठ है। गहरे विश्वास और संकल्प में निहित हमारे दोनों देशों के बीच रक्षा, अंतरिक्ष, असैन्य परमाणु, नीली अर्थव्यवस्था, व्यापार, निवेश, शिक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच मेल-मिलाप सहित विभिन्न क्षेत्रों में करीबी सहयोग हो रहा है।" उन्होंने कहा, "हम क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी साथ मिलकर काम कर रहे हैं।" प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं राष्ट्रपति मैक्रों से अपनी मुलाकात

और विस्तृत विषयों पर चर्चा करने को लेकर उत्सुक हूं, ताकि दीर्घकालीन और समय पर खरी उतरने वाली हमारी साझेदारी अगले 25 वर्षों के कालखंड में और आगे बढ़े।" उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 की उनकी पिछली फ्रांस यात्रा के बाद से उन्हें राष्ट्रपति मैक्रों से मिलने के अनेक अवसर मिले हैं और हाल ही में मई 2023 में जी-7 शिखर वार्ता के दौरान जापान के हिरोशिमा में भी उनसे मुलाकात हुई थी। मोदी ने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान वह फ्रांस की प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न, सीनेट के अध्यक्ष जेरार्ड लार्शल और नेशनल असेम्बली की अध्यक्ष येल ब्रॉन-पिवे सहित फ्रांस के नेतृत्व से बातचीत करने के लिये भी उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, अपनी यात्रा के दौरान, मुझे ऊजार्वान भारतीय समुदाय, दोनों देशों के दिग्गज सीईओ और फ्रांस के प्रसिद्ध महानुभावों से मिलने का अवसर मिलेगा। मुझे विश्वास है कि मेरी यात्रा से हमारी रणनीतिक साझेदारी को नई गति मिलेगी।" विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फ्रांस और यूएई की यात्रा पर रवाना हुए। उन्होंने कहा कि यात्रा के पहले चरण में प्रधानमंत्री पेरिस जायेंगे जहां वे बैस्टिल दिवस समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 13-14 जुलाई को फ्रांस की यात्रा पर रहेंगे। प्रधानमंत्री की यह यात्रा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर हो रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रपति मैक्रों, प्रधानमंत्री के सम्मान में एक राजकीय भोज की मेजबानी करेंगे तथा एक निजी रात्रि भोज भी देंगे। प्रधानमंत्री मोदी का फ्रांस के प्रधानमंत्री तथा वहां की सीनेट एवं नेशनल एसेम्बली के अध्यक्षों से मुलाकात का भी कार्यक्रम है। वह फ्रांस में भारतीय समुदाय के लोगों, भारतीय एवं फ्रांसीसी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा फ्रांस के गणमान्य लोगों से भी संवाद करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फ्रांस की यात्रा पूरी करने के बाद 15 जुलाई को अबू धाबी जायेंगे। मोदी ने कहा, ह्यह्यपेरिस के बाद मैं 15 जुलाई को अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात की राजकीय यात्रा पर जाऊंगा। मैं संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और अबू धाबी के शासक अपने मित्र शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मिलने के लिये उत्सुक हूं।" उन्होंने कहा कि दोनों देश व्यापार, निवेश, ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, विज्ञान व प्रौद्योगिकी, शिक्षा, फिन-टेक, रक्षा, सुरक्षा और लोगों के बीच गहरे मेल-मिलाप जैसे विस्तृत क्षेत्रों में सहयोग करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्यह्यपिछले वर्ष राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद और मैं दोनों देशों की भाविष्य की साझेदारी का खाका बनाने पर सहमत हुये थे, और मैं उनके साथ चर्चा करने की प्रतीक्षा में हूं कि कैसे हम अपने रिश्तों को और गहरा बना सकते हैं।" मोदी ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात इस वर्ष के अंत तक यूएनएफसीसी (कॉप-28) के पक्षकारों के 28वें सम्मेलन की मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा कि इस परिप्रेक्ष्य में वह जलवायु सम्बंधी कार्यवाही को तेज करने के बारे में वैश्विक सहयोग को मजबूत बनाने पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे, ताकि पेरिस समझौते के तहत ऊर्जा अंतरण व क्रियान्वयन को संभव बनाया जा सके। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि संयुक्त अरब अमीरात की मेरी यात्रा से हमारी समग्र रणनीतिक साझेदारी का एक नया अध्याय शुरू होगा।" विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बुधवार को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बृहस्पतिवार से शुरू होने वाली दो दिवसीय फ्रांस यात्रा काफी महत्वपूर्ण होगी और आने वाले वर्षों में दोनों देशों के सामरिक गठजोड़ के लिए 'नये मानदंड' तय करेगी। मोदी 14 जुलाई को फ्रांस में बैस्टिल दिवस समारोह में विशिष्ट अतिथि होंगे। इसमें भारतीय सेना के तीनों अंगों की एक टुकड़ी भी हिस्सा ले रही है। इस यात्रा के दौरान फ्रांस के साथ सामरिक, वैज्ञानिक, अकादमिक और आर्थिक सहयोग जैसे विविध क्षेत्रों में भविष्य के सहयोग का रास्ता तलाशने पर भी चर्चा होगी। इसमें रक्षा, अंतरिक्ष, कारोबार एवं निवेश के क्षेत्र शामिल हैं। बैस्टिल दिवस समारोह में हिस्सा लेने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की 269 सदस्यीय तीनों सेनाओं की टुकड़ी वहां पहुंच गई है। इसमें फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों के साथ भारतीय वायु सेना के कम से कम तीन राफेल लड़ाकू विमान भी हिस्सा लेंगे।

इजराइलियों समेत 50 हजार पर्यटक निकाले गए : हिमाचल सीएम

नई दिल्ली, एजेंसी

बचावकर्मियों ने हिमाचल प्रदेश में 50 हजार से अधिक पर्यटकों को निकाला है, इनमें इजरायली भी शामिल हैं और मनाली के लिए सड़क संपर्क बहाल कर दिया गया है, साथ ही कसोल और इसके आसपास में नेटवर्क बहाल करने के प्रयास चल रहे हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एक ट्वीट में जानकारी दी कि 48 घंटों में बुधवार रात 8 बजे तक हिमाचल प्रदेश में 50 हजार से अधिक पर्यटकों को बचाया गया है। उन्होंने कहा, मैं अपने प्रशासन और विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने हमारी सड़कों, बिजली, पानी की आपूर्ति और नेटवर्क कनेक्टिविटी को बहाल करने के लिए चौबीसों घंटे काम किया है। उन्होंने बताया कि मनाली में नेटवर्क कनेक्टिविटी बहाल कर दी गई है। सुक्खू ने कहा, कसोल में नेटवर्क को बहाल करने के प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर मौसम अनुमति देगा, तो गुरुवार तक कुल्लू के कसोल में नेटवर्क पूरी तरह से बहाल कर दिया जाएगा। लाहौल-स्पीति जिले में बर्फ से ढकी चंद्रताल झील में लगभग 250 पर्यटकों को निकालने पर, मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके सहयोगी जगत नेगी और संजय अवस्थी और फ्रंटलाइन कार्यकर्ता और कर्मचारी अथक परिश्रम कर रहे हैं। यहां तक कि रात में भी, शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस कम तापमान और 15,000 फीट की ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी वाली विषम परिस्थितियों में कुंजुम दर्रे पर सड़क को बहाल करने का प्रयास जारी रहा। सुक्खू ने कहा, मैं अभी सैटेलाइट फोन के जरिए उन दोनों से जुड़ा हूं। इससे पहले बुधवार शाम को, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के पायलटों ने हेलीपोर्ट की कमी के कारण पर्यटकों को निकालने के लिए चंद्रताल में उतरने से इनकार कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा, देश भर के 250 से अधिक पर्यटक चंद्रताल झील में फंसे हुए हैं। उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना मेरी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बचाव अभियान की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने और उसे क्रियान्वित करने के लिए दो मंत्रियों - नेगी और अवस्थी को नियुक्त किया है। चौबीसों घंटे बचाव अभियान की निगरानी कर रहे कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक सतवंत अटवाल ने कहा, बुधवार शाम को दोनों बचाव दल के साथ चंद्रताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि सड़क से बर्फ और अवरोधों को हटाने में लगी पहली जेसीबी मशीन चंद्रताल पहुंच गई, इससे पांच दिनों से सरकार द्वारा स्थापित बचाव शिविरों में ठहरे पर्यटकों को जल्द निकालने की उम्मीद जगी है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों और स्थानीय लोगों को चंद्रताल के आसपास स्थित बातल से भी हटा दिया गया है, जहां इस सप्ताह भारी बर्फबारी हुई थी। कार्यवाहक डीजीपी ने कहा कि छह इजराइलियों को कुल्लू के मणिकरण में पुलिस चौकी पर लाया गया है और शेष 37 इजराइली बरशैनी में सुरक्षित और स्वस्थ स्थिति में हैं। उन्होंने बताया कि इसी तरह सुदूर जिले किन्नौर के सांगला, छितकुल और रक्षम में एक विदेशी समेत 95 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अटवाल ने ट्वीट किया, आप सभी ने खाकी को गौरवान्वित किया है!

साइबर सुरक्षा हमारा साझा लक्ष्य : अमित शाह

गुरुग्राम, एजेंसी

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए दुनिया को एक मंच पर आना जरूरी है। यह हमारा साझा लक्ष्य होना चाहिए। हमें मिलकर डिजिटल दुनिया को सुरक्षित करना है। केंद्रीय गृहमंत्री शाह गुरुवार को हरियाणा के गुरुग्राम में 'एनएफटी, एआई और मेटावर्स के युग में अपराध एवं सुरक्षा' पहलुओं पर आयोजित जी-20 सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम नई तकनीक को तेजी से अपना रहे हैं। आज 840 मिलियन भारतीय इंटरनेट पर हैं। ऐसे में हमें सतर्क रहना होगा। हम डिजिटल लेनदेने में भी आगे हैं। ऐस में हमें डिजिटल दुनिया को हरहाल में सुरक्षित करना होगा। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत जमीनी स्तर पर उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने में सबसे आगे रहा है। हमारा लक्ष्य आधुनिक प्रौद्योगिकी को समाज के सभी वर्गों के लिए अधिक सुलभ और किफायती बनाना है। आज 840 मिलियन भारतीयों की ऑनलाइन उपस्थिति है और 2025 तक अन्य 400 मिलियन भारतीय डिजिटल दुनिया में प्रवेश करेंगे। नौ साल में इंटरनेट कनेक्शन 250 फीसदी बढ़ गए हैं। प्रति जीबी डेटा की कीमत 96 फीसदी कम कर दी गई है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत हमने 500 मिलियन नए बैंक खाते खोले हैं और 330 मिलियन रुपये डेबिट कार्ड वितरित किए गए हैं। भारत 90 मिलियन लेनदेन के साथ वैश्विक डिजिटल भुगतान में अग्रणी है। 300 मिलियन रुपये की राशि सीधे बैंक खातों में स्थानांतरित की गई। डिजिलॉकर लगभग 6 बिलियन दस्तावेज संग्रहित करता है। ऐसे में हमें डिजिटल दुनिया को पूर्ण सुरक्षित करना होगा। साइबर सुरक्षा को लेकर दुनिया में एक जैसे कानून बनने चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी देश या संगठन अकेले साइबर खतरों से नहीं लड़ सकता, बल्कि इससे निपटने के लिए एक संयुक्त मोर्चे की आवश्यकता है। हमारे भविष्य ने हमें "संवेदनशीलता के साथ प्रौद्योगिकी का उपयोग करने" और "सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने" की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रहने का अवसर दिया है। हालांकि, यह कार्य अकेले सरकार द्वारा नहीं संभाला जा सकता है। हमारा लक्ष्य साइबर सक्सेस वर्ल्ड बनाना है न कि साइबर फेलियर वर्ल्ड। साथ मिलकर, हम सभी के लिए 'सुरक्षित और समृद्ध डिजिटल भविष्य' सुनिश्चित करते हुए इन प्रौद्योगिकियों की क्षमता का उपयोग कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम के दौरान शाह ने देश के सात प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साइबर वालंटियर स्क्वाड को हरी झंडी दिखाई। यह स्क्वाड लोगों को साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूक करेगा। कार्यक्रम के दौरान शाह ने साइबर सुरक्षा पर आयोजित प्रदर्शनी का भी विमोचन किया।

पहले इसरो के वैज्ञानिकों ने तिरुमला में मंदिर में की पूजा-अर्चना

तिरुपति, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण से पहले बृहस्पतिवार की सुबह तिरुमला में श्री वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की। देश के महत्वाकांक्षी चंद्र मिशन के तहत चंद्रयान-3 को 14 जुलाई को श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किया जाएगा। मंदिर पहुंचे वैज्ञानिक दल में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल थे, जिनके बृहस्पतिवार सुबह मंदिर पहुंचने की तस्वीरें व वीडियो सोशल मीडिया पर आ गए। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के एक अधिकारी ने भी उनके मंदिर पहुंचने की पुष्टि की है। टीटीडी के एक अधिकारी ने कहा, ह्यह्यजी हां, इसरो का दल तिरुमला आया लेकिन हमारी जनसंपर्क शाखा ने उनके दौरे को 'कवर' नहीं किया।" उन्होंने बताया कि मंदिर के अधिकारी उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों और केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के दौरे में व्यस्त थे। अधिकारी ने बताया कि इसरो के अधिकारी आम तौर पर मंदिर में अपने दौरे को जनता की नजरों से दूर ही रखते हैं।

अदालत ने पूर्व सांसद विजय दर्डा, पूर्व कोयला सचिव एच सी गुप्ता को दोषी ठहराया

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को छत्तीसगढ़ में कोयला ब्लॉक आवंटन में अनियमितता से जुड़े मामले में सात लोगों को दोषी ठहराया। इनमें पूर्व राज्यसभा सांसद विजय दर्डा और पूर्व कोयला सचिव एच सी गुप्ता शामिल हैं। विशेष न्यायाधीश संजय बंसल ने कोयला घोटाले में दर्डा के बेटे देवेंद्र दर्डा, दो वरिष्ठ लोक सेवकों के एस क्रोफा और के सी सामरिया, मेसर्स जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड और इसके निदेशक मनोज कुमार जयासवाल को भी दोषी ठहराया। अदालत ने आरोपियों को आपराधिक साजिश (आईपीसी की धारा 120-बी के तहत दंडनीय) और धोखाधड़ी (आईपीसी की धारा 420 के तहत दंडनीय) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया। इस मामले में सजा पर 18 जुलाई को बहस होगी।

लाठीचार्ज पुलिस पिटाई में कई नेता और कार्यकर्ता घायल हो गए। जिला महामंत्री विजय सिंह की मौत.....

पटना में भाजपा कार्यकताओं पर लाठीचार्ज : बीजेपी सांसद को घेरकर पीटा, पुलिस पिटाई से पार्टी नेता की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार के खिलाफ बिहार विधानसभा मार्च कर रहे बीजेपी नेताओं और कार्यकताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस पिटाई में कई नेता और कार्यकर्ता घायल हो गए। पिटाई से जहानाबाद के जिला महामंत्री विजय सिंह की मौत हो गई। पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी ने ट्वीट करके इसकी जानकारी दी है। पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के अधीक्षक आईएस ठाकुर ने मौत की पुष्टि की है। मौत के बाद अस्पताल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। विधानसभा परिसर में नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा धरने पर बैठे गए। बीजेपी ने सीएम नीतीश कुमार का इस्तीफा मांगा है। कल राजभवन मार्च करेगी। बीजेपी नेताओं और कार्यकताओं को डाकबंगला चौराहे पर पुलिस ने रोकने की कोशिश की थी। जब वे नहीं माने तो पहले वाटर कैनन से पानी की बौछार की। आंसू गैस के गोले छोड़े। फिर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। बीजेपी कार्यकताओं ने पत्थरबाजी की। पुलिस पर मिर्ची स्प्रे से हमला किया। पुलिस ने महाराजगंज सांसद जनार्दन सिग्रीवाल को भी लाठी से पीटा और धक्का दिया। इसमें वह घायल हो गए। उनके सिर और चेहरे पर चोट आई है। प्रदर्शन में शामिल भाजपा बिहार प्रदेशाध्यक्ष सम्राट चौधरी और पुलिस के बीच धक्कामुक्की हुई। विधानसभा संयोजक डॉ. संजय मिश्रा को कुर्ता फाड़कर पीटा गया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को भी पुलिस ने नहीं छोड़ा। पुलिस ने सम्राट चौधरी समेत कई नेताओं को हिरासत में ले लिया। सभी को बस भरकर ले गई। सिर में लगी थी चोट, अस्पताल में मौत पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी ने बताया कि जहानाबाद के महामंत्री विजय कुमार सिंह को पुलिस ने बुरी तरह से पीटा। उनको नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया।

सिर में गंभीर चोट थी। उन्हें वहां से गंभीर हालत में पीएमसीएच ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। सुशील मोदी ने कहा कि हमारी महिला कार्यकताओं को भी पीटा गया। इधर, इस मामले पर पटना के एसएसपी राजीव मिश्रा ने कहा कि छज्जूबाग में विजय कुमार सिंह बेहोश मिले थे। उनके शरीर पर बाहरी चोट के निशान नहीं है। मौत की पुष्टि अभी नहीं की जा सकती है बीजेपी ने 10 लाख नौकरी का मांगा हिसाब बहार बीजेपी ने इस कार्यक्रम को लेकर एक प्रेस रिलीज भी जारी किया है। इसमें सरकार से 10 लाख लोगों को नौकरी देने का हिसाब मांगा गया है। प्रेस नोट के जरिए सरकार से सवाल किया गया है कि अभी तक कितनी नियुक्तियां हुई और कितनी प्रोसेस में है। प्रेस नोट के जरिए पूर्व डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी ने कहा कि विपक्ष सरकार से लगातार सवाल कर रहा है, लेकिन पिछले तीन दिनों से विधानसभा में सरकार जवाब नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि उल्टे सरकार नियोजित शिक्षकों से परीक्षा देने को कह रही है, जिन्हें 42 हजार रुपए मिल रहे हैं। बीजेपी नेता का कहना है कि शिक्षकों को प्रेशर डाला जा रहा है, ताकि वे लोग 28 हजार में नौकरी करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 5 लाख 70 हजार नियोजित शिक्षक हैं, जिन्हें सरकार वेतन नहीं दे रही। राज्य कर्मी का दर्जा नहीं दे रही। हम लोग सरकार से जवाब मांग रहे, लेकिन सरकार जवाब देना नहीं चाहती। टैलेंट पर सवाल मोदी ने आगे कहा कि शिक्षकों को गाली देने का काम सरकार के मंत्री कर रहे हैं। बिहार के शिक्षा मंत्री बच्चों के टैलेंट पर सवाल खड़ा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में कहीं चले जाइए बिहार के लोग पढ़ाते नजर आएंगे। आज बिहार की अस्मिता का सवाल है। बिहार को अपमानित करने का काम बिहार के नीतीश कुमार की सरकार ने किया है। सीएम इतने लाचार हो जाएंगे सोचा नहीं था राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि आपके उप मुख्यमंत्री पर आज चार्जशीट दायर हो गया है। एक तरीके से आरोप सिद्ध हो गया है, लेकिन आप बोल नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज सीएम इतने लाचार और कमजोर हो जाएंगे। यह हम लोगों ने कभी नहीं सोचा था। मोदी ने कहा कि हम लोग चाहते हैं कि सीएम अपने उप मुख्यमंत्री से इस्तीफा ले और स्वच्छता का प्रमाण दें। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता आपको माफ नहीं करेगी।

संक्षिप्त समाचार

अतिवृष्टि से दरक रहे सीढ़ीनुमा खेत, फसलों पर बढ़ा रोग लगने का खतरा

देहरादून, एजेंसी। बीते शनिवार से क्षेत्र में हो रही बारिश ने जौनसार बावर जनजातीय क्षेत्र के किसानों और बागवानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अतिवृष्टि से किसानों के सीढ़ीनुमा खेत दरक रहे हैं। ढालदार खेतों में लगाए गए बगीचों को भारी नुकसान पहुंच रहा है। बारिश के चलते बढ़ी नमी के कारण बेमौसमी सब्जियों में फफूंदी का प्रकोप बढ़ रहा है। जिससे टमाटर, शिमला मिर्च, हरि मिर्च, हरा धनिया, बींस, अदरक, अरबी की फसल चौपट हो रही है। कोटी गांव के बागवान जगतराम नौटियाल ने बताया कि उनकी सेब की फसल तैयार है, लेकिन बारिश के चलते फलों का तुड़ान नहीं हो पा रहा है। अधिक बारिश से ड्रापिंग (फल गिरना) की समस्या बढ़ गई है। यदि समय पर तुड़ाई नहीं हुई तो फसल ड्रापिंग के चलते चौपट हो जाएगी। मेहरावना गांव के बागवान बृजेश जोशी ने बताया कि किसी भी फसल के लिए अतिवृष्टि नुकसानदायक होती है। लगातार बारिश से फफूंदी का प्रकोप बढ़ रहा है। सही तापमान न मिलने की वजह से फलों का आकार भी प्रभावित हो रहा है। समोग गांव के बागवान महाबल नेगी ने बताया कि जौनसार के निचले इलाकों में आम की फसल तैयार होने वाली है। यह आम अगस्त माह के प्रथम और दूसरे सप्ताह में बाजार में आता है। जिसके चलते किसानों को इसके अच्छे दाम मिल जाते हैं, लेकिन लगातार हो रही बारिश की वजह से फल काला पड़ रहा है। पहले शीतकाल में पर्याप्त बारिश और बर्फबारी नहीं हुई अब अतिवृष्टि किसानों पर भारी पड़ रही है।

संदिग्ध हालात में बगीचे में मिला युवक का शव

देहरादून, एजेंसी। घर से टहलने निकले युवक का शव कोटाडा-बिरसनी गांव में आम के बगीचे में संदिग्ध हालात में मिला। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अरबाज (25) पुत्र शब्बीर अहमद निवासी होरावाला सेलाकुई स्थित एक कंपनी में काम करता था। बीते मंगलवार की रात को वह खाना खाने के बाद टहलने की बात कह कर घर से निकाला था। जब वह काफी देर तक नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी खोजबीन की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। बुधवार की सुबह सहसपुर थाना पुलिस को स्थानीय लोगों ने कोटाडा-बिरसानी गांव में एक बगीचे में युवक का शव पड़े होने की सूचना दी। जिस पर एसएसआई प्रमोद कुमार मय फोर्स मौके पर पहुंचे। जहां शव की पहचान परिजनों ने अरबाज के रूप में हुई। परिजनों का आरोप है कि अरबाज की हत्या हुई। उसके चेहरे पर चोट के निशान हैं। शव औंधे मुंह पड़ा था। थानाध्यक्ष सहसपुर गिरीश नेगी ने बताया कि परिजनों के अनुसार मृतक नशे का आदि था। उसके जेब से मादक पदार्थ भी बरामद हुआ है। आशंका है कि नशे की हालत में वह पेड़ की ठूंठ पर गिर गया और अधिक नशा होने के कारण वह उठ नहीं सका। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मृत्यु का कारण स्पष्ट हो पाएगा। परिजनों की ओर से तहरीर आने पर उसकी आशंकाओं को देखते हुए भी जांच कराई जाएगी।

भारी वाहन निकालने को तोड़ दिया पुल पर बना बैरिकेड

देहरादून, एजेंसी। ग्राम ढकरानी के मुख्य मार्ग पर बना शक्ति नहर का पुल किसी भी दिन बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। भारी वाहनों की आवाजाही को रोकने के लिए बनाए गए पक्के बैरिकेड को वाहन चालकों ने तोड़कर पुल से निकलने का रास्ता बना लिया है। अपनी तकनीकी आयु पूरी कर चुका पुल भारी वाहनों के संचालन के दौरान किसी भी समय भरभराकर गिर सकता है। शक्ति नहर के पुलों पर भारी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित है। आवाजाही रोकने के लिए सीमेंट से पक्के बैरिकेड बनाए गए थे। कुछ दिन पहले वाहन चालकों ने बैरिकेड के एक हिस्से को तोड़कर पुल से जाने का रास्ता बना लिया है। जिससे क्षेत्र में बड़ी दुर्घटना के घटने की आशंका प्रबल हो रही है। डाकपत्थर से लेकर ढकरानी तक शक्ति नहर पर छह पुल बने हुए हैं। जिनका निर्माण 1960 में बिजली परियोजनाओं के निर्माण के समय कराया गया था। कई तकनीकी संस्थाओं ने पुलों को भारी वाहनों की आवाजाही के लिए असुरक्षित माना है। जिसके चलते सभी पुलों के एक सिरे पर पक्के अवरोध बनाकर पुलों को इतना संकरा किया गया है जिनमें से छोटे वाहन ही निकल सकें। बतादें कि जर्जर होने के कारण नवाबगढ़ क्षेत्र में बना शक्ति नहर का पुल नंबर एक 2004 में अचानक से ढह गया था। जिसके बाद उस स्थान पर लोहे का पुल बनाया गया था।

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ नए सत्र की शुरूआत

देहरादून, एजेंसी। द इंडियन पब्लिक स्कूल के सभागार में नए सत्र की शुरूआत रंगारंग कार्यक्रमों के साथ हुई। नवागंतुक छात्र छात्राओं के सम्मान में पूर्व छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। छात्र-छात्राओं ने गणेश वंदना की प्रस्तुति देकर सभी का मनमोह लिया। पर्यावरण सरंक्षण का संदेश देते हुए नृत्य प्रस्तुत किया। समूह नृत्यों और गानों से नवागंतुक छात्र-छात्राओं का स्वागत किया। छात्रों के साथ ही शिक्षकों ने भजनों और गीतों की प्रस्तुति दी। संगीत शिक्षक पुष्कर सिंह ने सूफी गीत की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर रेणु मट्टू ने कहा कि अच्छे वातावरण और अच्छे खान पान से ही अच्छे व्यक्तित्व का निर्माण होता है। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. आरके सिन्हा ने कहा कि शुद्ध दूध, जैविक सब्जियां और परंपरागत अन्न के उपयोग से ही लंबी और स्वस्थ आयु संभव है। जिसका पूरा प्रबंध विद्यालय में हैं। उन्होंने नए छात्रों का स्वागत किया। इस मौके पर प्राचार्य मणि सीवी भी मौजूद रहे।

सुशीला तिवारी अस्पताल की दीवारों में आई सीलन

हल्द्वानी, एजेंसी।
मेडिकल कॉलेज के अधीन सुशीला तिवारी अस्पताल में सीलन और जलभराव की समस्या बनी हुई है। इसके चलते पहले ही मेडिसिन, आईसीयू और आर्थो ऑपरेशन थियेटर को बंद करना पड़ा था। अब अस्पताल के इमरजेंसी के प्लास्टर रूम समेत कैजुअल्टी, मेडिकल ऑफिसर रूम समेत दूसरी जगहों पर सीलन समेत अन्य समस्या बनी हुई है। इसके चलते मरीजों और तीमारदारों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में प्रतिदिन सैकड़ों मरीज और तीमारदार ओपीडी में पहुंचते हैं। अस्पताल में सीलन और बारिश से कई जगह पानी भर जा रहा है। इलाज कराने पहुंचे लोगों को इसके चलते अस्पताल के अंदर भी संभलकर चलना पड़ रहा है। बता दें कि मंगलवार को ऑपरेशन थियेटर को सीलन, फॉल्स सीलिंग के टूटने और पानी भरने के चलते बंद किया गया था। मेडिकल कॉलेज के

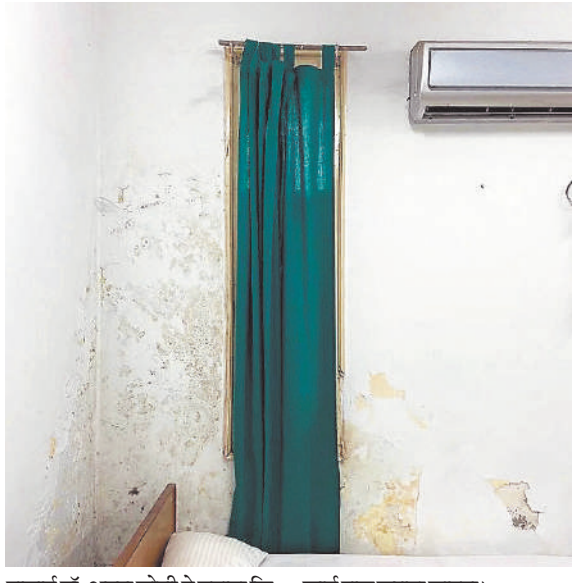

प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि तेज बारिश के चलते अस्पताल में सीलन और पानी टपकने की समस्या आई है। बारिश रुकने पर मरम्मत का कार्य शुरू कराया जाएगा।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निदेशक और मेडिकल कॉलेज ने सुशीला तिवारी अस्पताल के आईसीयू और हड्डी रोग विभाग के ऑपरेशन थिएटर को खाली कराने के बाद कार्यदायी संस्था को नोटिस भेजा है जिसमें कार्यदायी संस्था हिंदुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन की ओर से निर्माण कार्य होने से अस्पताल में हुई टूट-फूट और जल रिसाव होने से चिकित्सा कार्य प्रभावित होने की बात कही गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से कहा गया है कि कार्यदायी संस्था की ओर से बागेश्वर, रानीखेत, रामनगर, हल्द्वानी और देहरादून में निर्माण कार्य किया जा रहा है। वहीं मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा. अरुण जोशी ने बताया कि कार्यदायी संस्था की ओर से अस्पताल में आईसीयू निर्माण कार्य किया जा रहा है। निर्माण कार्य के चलते सीलन, पानी समेत अन्य दिक्कतें सामने आई है। निर्माणदायी संस्था को नोटिस दिया गया है। संबंधित संस्था मरम्मत कार्य करेगी। उल्लेखनीय है कि छत टपकने की वजह से मरीजों को परेशान हो रही थी।

पुलिस के रोकने पर कांवड़ियों ने काटा हंगामा, लैंडस्लाइड की वजह से हो रही परेशानी

उत्तरकाशी, एजेंसी।
गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग जगह-जगह अवरुद्ध होने के कारण चिन्यालीसौड़ के निकट नगुण बैरियर बुधवार की सुबह पुलिस ने ऋषिकेश से उत्तरकाशी आने वाले कांवड़ यात्रियों को रोका। देर तक रोके जाने पर कांवड़ यात्रियों ने हंगामा किया। जिसके बाद कांवड़ यात्री उत्तरकाशी की ओर रवाना हुए। परंतु उत्तरकाशी और गंगोत्री के बीच कई स्थानों पर राजमार्ग बाधित होने के कारण गंगोत्री नहीं पहुंच पाए।

लगातार हो रही वर्षा के कारण चिन्यालीसौड़ से लेकर गंगोत्री के बीच गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग कई जगह अवरुद्ध है। बीते दो दिनों के अंतराल में कांवड़ यात्री और तीर्थ यात्री भी फंसे हैं। इसी बीच गंगोत्री गंगा जल भरने के लिए ऋषिकेश हरिद्वार से बड़ी संख्या में कांवड़ यात्री उत्तरकाशी पहुंच रहे हैं। बुधवार को राजमार्ग अवरुद्ध होने के दौरान चिन्यालीसौड़ के नगुण बैरियर पर कांवड़ यात्रियों को पुलिस ने सुबह पांच बजे से रोकना शुरू किया। पुलिसकर्मियों ने कांवड़ यात्रियों से हाईवे अवरुद्ध होने की स्थिति में वापस लौटने का आग्रह किया। सुबह नौ बजे तक नगुण के पास कांवड़ यात्रियों की भारी भीड़ जमा हुई। कांवड़ यात्रियों ने गंगोत्री जाने की जिद करते हुए हंगामा काटना शुरू किया। तब पुलिस ने कांवड़ यात्रियों के वाहनों को छोड़ा। परंतु धरासू, बंदरकोट भूस्खलन जोन की बाधा को पार करते हुए कांवड़ यात्री उत्तरकाशी पहुंचे। लेकिन, उत्तरकाशी से गंगोत्री के बीच कई स्थानों पर हाईवे अवरुद्ध होने और पिछले दो दिनों से गंगोत्री क्षेत्र में कांवड़ यात्रियों के फंसे होने की सूचना के बाद अधिकांश कांवड़ यात्रियों ने उत्तरकाशी से ही गंगा जल भरा।

सोकर उठे तो हर तरफ दिखा सिर्फ पानी ही पानी

रूड़की, एजेंसी।
कस्बों और देहात में सड़कों व घरों में कई फीट पानी भर गया है। सोलानी नदी का तटबंध टूटने से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। सोलानी, गंगा और पथरी नदी उफान हैं।

बुधवार सुबह जब कस्बे के लोग सोकर उठे तो सीमली, शिवपुरी, सोसायटी रोड, गोबर्धनपुर रोड, आदर्श कॉलोनी, लोको कॉलोनी, रायसी रोड, बालावाली रोड, मेन बाजार, लक्सरी, लक्सर गांव, आंबेडकरनगर, संत कॉलोनी, कोतवाली के निकट स्थापित कॉलोनी समेत सभी स्थान पानी से लबालब भरे हए थे। हर तरफ था तो सिर्फ पानी ही पानी। इसके अलावा सोसायटी रोड, तहसील मुख्यालय, ब्लॉक मुख्यालय, पुराना अस्पताल, रोडवेज बस अड्डा पानी से ताल-तलैया बन गए। एसडीएम गोपाल राम बिनवाल व सीओ मनोज ठाकुर ने टीमों के साथ बचाव व राहत कार्य चलाया। पालिका चेयरमैन अंबरीश गर्ग व अधिशासी अधिकारी चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि पानी उतरने के बाद जिन निचले इलाकों में पानी भरा जाएगा। उसे पंपिंग सेट के माध्यम से निकलवाया जाएगा।

बाढ़ की वजह से लक्सर कस्बे से देहात तक के कई मार्गों का संपर्क कट गया है। लोग घरों में ही कैद रहे। लक्सर-भुरनी मार्ग पर पानी भरने के चलते कुआं खेड़ा, ढाढेकी, मोहम्मदपुर मथाना, भुरनी, भुरना, डोसनी व रजबपुर का संपर्क कट गया तो वहीं भिक्कमपुर क्षेत्र से जीतपुर, निहंदपुर व बाकरपुर आदि कई गांव का संपर्क कटा रहा। कस्बे के गर्ग धर्म कांटा के पास तीन फीट पानी भर जाने से रास्ता अवरुद्ध रहा।

बुधवार को मंगलौर के मोहल्ला टोली, लालबाड़ा, मलकपुरा, मलानपुरा सैनीपुरा आदि में पानी सड़क और घरों में घुस गया। लोग घरों में ही कैद हो गए। वहीं बाजारों में भी पिछले दो सप्ताह से सन्नाटा पसरा हुआ है। अधिशासी अधिकारी मोहम्मद कामिल ने बताया कि जलभराव वाले स्थानों पर वैकल्पिक व्यवस्था कर पानी निकलवाने का कार्य किया जा रहा है। बिहारीगढ़-रोशनाबाद मार्ग पर रसूलपुर के पास तेज पानी के बहाव से पुलिया से लगती हुई सड़क ध्वस्त हो गई। यह मार्ग सैकड़ों गांव का संपर्क मार्ग है।

बदरीनाथ हाईवे चार जगह बंद, जगह-जगह फंसे यात्री, यमुनोत्री मार्ग पर गिर रहे पत्थर

देहरादून, एजेंसी।
देहरादून, टिहरी, हरिद्वार, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत और ऊधमसिंह नगर जनपदों के अधिकांश स्थानों, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ के अनेक स्थानों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

बदरीनाथ हाईवे भूस्खलन के चलते आज भी छिनका, बेनाकुली, पागलनाला व कंचनगंगा में बंद है। जिसके चलते करीब सात हजार यात्री रास्ते में फंसे हैं। यहां भारी बारिश के दौरान अचानक पहाड़ी से टनों मलबा खिसक कर हाईवे पर आ गया। जिससे हाईवे के दोनों ओर से यात्रा वाहनों की लंबी लाइन लग गई।

यमुनोत्री धाम सहित यमुना घाटी में बारिश थमने का नाम नहीं ले रही। यमुनोत्री हाईवे पर आवाजाही शुरू तो हो गई, लेकिन जोखिम के साथ मलबा और बोल्डर आने का भय बना हुआ है। यहां जगह-जगह पत्थर गिर रहे हैं। लगातार बारिश से यमुना नदी सहित सहायक नदी-नाले उफान पर हैं।

अगले तीन तक उत्तराखंड में भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, बृहस्पतिवार को प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। जबकि, शुक्रवार और

शनिवार को भारी से भारी बारिश की आशंका है। इसके लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के मुताबिक, आज देहरादून, टिहरी, हरिद्वार, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत और ऊधमसिंह नगर जनपदों के अधिकांश स्थानों, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ के अनेक स्थानों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। जबकि, देहरादून, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर में कही-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इसके लिए विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है।

मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने उत्तराखंड के नेताओं संग की बैठक

देहरादून, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए उत्तराखंड कांग्रेस ने अपनी तैयारियां शुरु कर दी है। आज गुरुवार को उत्तराखंड के शीर्ष कांग्रेस नेताओं ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात की। दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय पर ये मुलाकात हुई।

उत्तराखंड कांग्रेस के दिग्गज नेता भी इस मुलाकात में शामिल थे। इस दौरान बैठक भी की गई। बैठक में भाग लेने वाले उत्तराखंड कांग्रेस नेताओं में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पीसीसी अध्यक्ष करण महरा और राज्य के एआईसीसी प्रभारी देवेंद्र यादव शामिल थे।

बैठक में एसीसी महासचिव संगठन के.के. वेणुगोपाल और सभी एसीसी सचिव भी उपस्थित थे। उत्तराखंड के नेताओं के साथ मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने बैठक की। उत्तराखंड के कांग्रेसी नेताओं के साथ इन्होंने राज्य की स्थिति पर चर्चा की और बाढ़ पीड़ितों की मदद के निर्देश दिए।

इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस हिमालयी राज्यों के पर्यावरण अनुकूल विकास के लिए प्रतिबद्ध है। पर्यावरण को ध्यान में रख कर ही कांग्रेस पहले भी काम कर रही थी।

उत्तराखंड में लाइफ लाइन पर लगा ब्रेक, आपदा से अब तक 18 की मौत, 1700 से ज्यादा रास्ते हुए बंद

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड में पिछले चार-पांच दिनों से बरस रहे बादलों ने प्रदेश की लाइफ लाइन पर ब्रेक लगा दी है। वहीं, लगातार बारिश के कारण कई क्षेत्र आपदाग्रस्त हैं। इस दौरान आपदा में विभिन्न कारणों से 18 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 18 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इन मानसून सीजन में अब तक 17 से ज्यादा सड़कें बंद हो चुकी हैं, इनमें से 1253 सड़कों को खोला जा चुका है। इसके अलावा आठ पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। पुलों और सड़कों को पूर्ववत स्थिति में लाने के लिए लोनिवि की ओर से अब तक 5642.24 लाख रुपये खर्च होने का आकलन किया गया है। आपदा प्रबंधन विभाग के राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, बुधवार को विभिन्न वजहों से कुल आठ लोगों की मौत

और 14 लोग घायल हुए हैं। गुरुवार को केदारनाथ मार्ग पर एक युवती की मौत हो गई। जबकि 15 जून से अब तक कुल 18 लोग मौत का ग्रास बन चुके हैं, 18 लोग घायल हुए हैं।

देहरादून जिले में तीन की मौत, तीन घायल हुए हैं। जबकि उत्तरकाशी में चार की मौत, 10 घायल, रुद्रप्रयाग में एक की मौत और पौड़ी में एक व्यक्ति घायल हुआ है। इसी तरह से अब तक 17 बड़े पशुओं और 289 छोटे पशुओं की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 76 घरों को आंशिक, 16 को भारी क्षति और 14 घर पूरी तरह से ध्वस्त हुए हैं।

वहीं, फिलहाल प्रदेश में 449 सड़कें बंद हैं। इस मानसून सीजन में सड़कों के बंद होने की यह पहली बड़ी संख्या है। इससे पर्वतीय क्षेत्रों की यात्रा पर निकले लोग और तीर्थयात्री जगह-जगह फंसे हुए हैं। ग्रामीण सड़कों का बुरा हाल है। सैकड़ों गांवों का संपर्क जिला मुख्यालयों से कट गया है। इधर, सरकार ने लोगों से भारी बारिश में पहाड़ों की यात्रा नहीं करने की सलाह दी है।

कृषि मंत्री जोशी ने विकास के लिए मांगा ओएनजीसी सीएसआर फंड

देहरादून, एजेंसी। कृषि एवं सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी में दिल्ली में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात की। कैबिनेट मंत्री जोशी में केंद्रीय मंत्री को उत्तराखंड के जैविक उत्पादों की किट भेंट की।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी से कहा कि ओएनजीसी समय-समय पर सीएसआर मद से जनहित के कार्यों के तहत विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं का विकास करवाता है। मसूरी विधानसभा क्षेत्र में ओएनजीसी के सीएसआर मद से कार्यों की स्वीकृति का आग्रह किया। कहा कि ब्लाक सहसपुर में प्रयोगशाला भवन के निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, के निर्माण, महात्मा योगेश्वर सरस्वती विद्या मंदिर, कुलड़ी, मसूरी में विद्यालय भवन का निर्माण होना है।

पैदल मार्ग पर पत्थर की चपेट में आकर खाई में गिरी गुजरात की महिला यात्री, मौके पर हुई मौत

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। पत्थर की चपेट में आने से इस यात्राकाल में यह तीसरी घटना है। इससे पूर्व सोनप्रयाग एक्रो पुल के समीप दो घटनाएं हो चुकी हैं। गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर छौड़ी के समीप पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से एक 20 वर्षीय युवती की गहरी खाई में गिरने से मौत हो गई। जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया, जिसे रेस्क्यू दल ने इलाज के लिए सोनप्रयाग में भर्ती किया है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पत्थर की चपेट में आने से इस यात्राकाल में यह तीसरी घटना है। इससे पूर्व सोनप्रयाग एक्रो पुल के समीप दो घटनाएं हो चुकी हैं। क्षेत्र में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण राजमार्ग सहित पैदल मार्ग पर पहाड़ियां अति संवेदनशील हो गई हैं। बीते बुधवार को देर शाम गुजरात के सूरत शहर निवासी 20 वर्षीय शाली अक्षिता व 24 वर्षीय शिवास अन्य लोगों के साथ केदारनाथ के लिए गौरीकुंड से रवाना हुए थे। जैसे ही वह छौड़ी के समीप पहुंचे। तभी छौड़ी गदेरा के समीप ऊपरी पहाड़ी से एक के बाद एक कई पत्थर भरभराकर गिरने लगे, जिसकी चपेट में आने से शाली अक्षिता रास्ते से 50 मीटर नीचे खाई में जा गिरी। जहां वह गंभीर रूप से घायल हो गई। जब तक उसका रेस्क्यू होता, वह दम तोड़ चुकी थी। जबकि शिवास को भी काफी चोटें आई हैं। एसडीआरएफ, पुलिस और डीडीआरएफ ने घायल को गौरीकुंड पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सोनप्रयाग रेफर किया गया।

नीलकंठ पहुंच रहे हैं श्रद्धालु, अब तक 25 लाख लोगों ने किया जलाभिषेक

ऋषिकेश, एजेंसी।
उत्तराखंड में खराब मौसम के बीच भी श्रद्धालुओं का यहां पहुंचना कम नहीं हो रहा है। देवभूमि में लगातार हो रही बारिश के चलते अलर्ट जारी कर दिया गया है, लेकिन फिर भी चारधाम यात्रा पर श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। सावन के इस पावन महीने में नीलकंठ महादेव मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। महादेव के पावन महीने में लगातार श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दरबार में पहुंच रहे हैं। ऋषिकेश में भी कांवड़ियों का तांता लगा हुआ है। कांवड़ मेला क्षेत्र में लगातार हो रही वर्षा के बावजूद नीलकंठ महादेव मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

गुरुवार की सुबह तक इस यात्रा काल में 25 लाख से अधिक श्रद्धालु यहां जलाभिषेक कर चुके हैं। मध्य रात्रि से सुबह आठ बजे तक 1.85 श्रद्धालुओं ने यहां जलाभिषेक किया। पैदल मार्ग और मोटर मार्ग पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पहुंची है। लोग पैदल मार्ग से लगातार शिव के दरबार में पहुंच रहे हैं और जलाभिषेक कर रहे हैं।

एसएसपी श्वेता चौबे और अन्य अधिकारी भीड़ नियंत्रण के लिए मौके पर हैं। गुरुवार की अलसुबह 2:00 से सुबह 8:00 बजे तक करीब 1.85 लाख श्रद्धालु यहां जलाभिषेक कर चुके हैं। श्रावण मास में अब तक जलाभिषेक करने वाले शिव भक्तों का आंकड़ा यहां 25.72 लाख पहुंच गया है। अभी भी श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। खराब मौसम के बाद भी लोगों की आस्था में कोई रुकावट नहीं हो रही है।

राज्यपाल ने आयुर्वेद विवि के कुलपति को पद से हटाया, प्रो. अरुण त्रिपाठी को दिया अंतरिम चार्ज

देहरादून, एजेंसी।
हाईकोर्ट ने हरिद्वार निवासी विनोद कुमार चौहान ने याचिका पर सुनवाई करते हुए बीती सात जुलाई को आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुनील कुमार जोशी को तत्काल प्रभाव से हटाने के आदेश सरकार को दिए थे।

उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह ने आयुर्वेद विवि के कुलपति डॉ. सुनील कुमार जोशी को पद से हटा दिया है। साथ ही नियमित नियुक्ति तक गुरुकुल के प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी को आयुर्वेद विवि के कुलपति का अंतरिम चार्ज दिया गया है। राजभवन ने यह कार्रवाई हाईकोर्ट के आदेश पर की है। बता दें कि हाईकोर्ट ने हरिद्वार निवासी विनोद कुमार चौहान ने याचिका पर सुनवाई करते हुए बीती सात जुलाई को आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुनील कुमार जोशी को तत्काल प्रभाव से हटाने के आदेश सरकार को दिए थे। याचिका में कहा गया था कि आयुर्वेद विवि में कुलपति पद पर डॉ. सुनील कुमार जोशी की नियुक्ति नियम विरुद्ध तरीके से की गई है। याचिका में कहा गया कि वह कुलपति पद की योग्यता नहीं रखते।

उनकी नियुक्ति यूजीसी के निर्धारित नियमों के विपरीत हुई है। याचिका में यह भी कहा गया कि उन्होंने पद पर रहते हुए कई प्रोफेसर की नियम विरुद्ध तरीके से पदोन्नति करने के साथ ही कई वित्तीय अनियमितताएं भी कीं हैं।

संक्षिप्त खबरें

आम्रपाली में भागवत का आयोजन : अंकित मक्कड़

नई दिल्ली। आम्रपाली विलेज अपार्टमेंट में 12 से 18 जुलाई तक श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। अंकित मक्कड़ ने हमें बताया की विधि विधान से कथा पाठ के बाद 19 जुलाई को हवन पूणार्हुति और भंडारा प्रसाद का आयोजन भी किया जाएगा। अंकित मक्कड़ ने आगे बताया की श्रीमद भागवत कथा पाठ का शुभारंभ 12 जुलाई बुधवार को भव्य दिव्य कलश यात्रा और शोभायात्रा निकालने के बाद किया गया। श्रीमद भागवत कथा पाठ का आयोजन हरीश मक्कड़ और उनके परिवार द्वारा किया जा रहा है। श्रीमद भागवत कथा का समय दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे का रखा गया है। अंकित ने आगे बताया की श्रीमद भागवत कथा के इस दिव्य आयोजन से आस पास के क्षेत्र में एक बहुत ही सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा और मैं भगवान से यही प्रार्थना करता हूं की भगवान हमें इसी तरह से धार्मिक आयोजन करने के लिए सक्षम बनाए रखे।

प्रधानमंत्री मोदी के 9 साल में हुआ अभूतपूर्व विकास : गौरव पाराशर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व भाजपा के 9 साल के शासनकाल में देश में हुये विकास कार्य को जन जन तक पहुँचाने के लिए तुगलक लेन गोल चक्कर नई दिल्ली में दिल्ली प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा के मंत्री गौरव पराशर ने भाजपा के कार्यकताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वारे में लोगों को बताया कि मोदी ने देश-दुनिया में अतुलनीय काम किये हैं। विकास व आर्थिक दर में तेजी से सुधार हो रहा है। गौरव पाराशर ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा तक नहीं बचा है। विरोध करने के लिये विपक्ष विरोध करने में लगा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की भ्रष्टाचार की हर रोज पोल खुल रही हैं। दिल्ली में हूई बारिस से तो पूरी तरह से केजरीवाल की नाकामी सामने आ गयी है। गौरव पाराशर ने कहा कि दिल्ली की जनता जान गई है। आप पार्टी के नेता हर रोज भ्रष्टाचार में लिप्त पाये जा रहें। जिससे दिल्लीवासियो में आप पार्टी को लेकर रोष है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है। जो गरीब से गरीब के हित के बारे काम करती है। उन्होंने कहा कि दुनिया में आज जो डंका बज रहा है। वो सब भाजपा व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल शासन व्यवस्था की वजह से है।

दिल्ली में यमुना उफान पर, जलस्तर 208.48 मीटर तक पहुंचा

जानकारी

- यह रविवार सुबह पूर्वाह्न 11 बजे 203.14 मीटर से बढ़कर सोमवार शाम पांच बजे 205.4 मीटर हो गया, जो उम्मीद से 18 घंटे पहले खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर गया।
- यमुना पर दो प्रमुख बैराज हैं, देहरादून में डाकपत्थर और यमुनानगर में हथिनीकुंड।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में यमुना का जलस्तर बृहस्पतिवार को सुबह बढ़कर 208.48 मीटर पर पहुंच गया, जिससे आसपास की सड़कें, सार्वजनिक व निजी बुनियादी ढांचे जलमग्न हो गए और नदी के पास रहने वाले लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। पुराने रेलवे पुल पर जलस्तर बुधवार रात 208 मीटर के निशान को पार कर गया था और बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे तक बढ़कर 208.48 मीटर पर पहुंच गया।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अनुसार, इसके और बढ़ने की आशंका है, उसने इसे भीषण स्थिति करार दिया है।

हर गुजरते घंटे के साथ स्थिति बिगड़ने के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया और पुलिस ने एहतियाती तौर पर राष्ट्रीय राजधानी के बाढ़ के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में बुधवार को धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी। इस धारा के तहत चार से अधिक लोगों के एक ही स्थान पर एकत्रित होने पर रोक होती है। उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने यमुना के बढ़ते जलस्तर को लेकर बृहस्पतिवार को दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक बुलाई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में केजरीवाल ने अनुरोध किया, यदि संभव हो तो हरियाणा में हथिनीकुंड बैराज से पानी धीरे धीरे छोड़ा जाए। केजरीवाल ने गृहमंत्री अमित शाह का ध्यान आगामी जी-20 शिखर सम्मेलन की ओर आकर्षित करते हुए लिखा कि दिल्ली कुछ हफ्तों में जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाली है।

उन्होंने कहा, देश की राजधानी में बाढ़ की खबर से दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। हम सबको मिलकर दिल्ली के लोगों को इस स्थिति से बचाना होगा।

यमुना पर दो प्रमुख बैराज हैं, देहरादून में डाकपत्थर और यमुनानगर में हथिनीकुंड। नदी पर कोई बांध नहीं हैं और इसलिए अकसर मानसून के जल का इस्तेमाल नहीं हो पाता जिसके परिणामस्वरूप बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है।

दिल्ली में पिछले तीन दिन में यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। यह रविवार सुबह पूर्वाह्न 11 बजे 203.14 मीटर से बढ़कर सोमवार शाम पांच बजे 205.4 मीटर हो गया, जो उम्मीद से 18 घंटे पहले खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर गया। सोमवार रात नदी का जलस्तर 206 मीटर के निशान को पार कर गया था। बुधवार दोपहर एक बजे तक नदी का जलस्तर 207.49 मीटर के निशान और रात 10 बजे यह 208 मीटर के निशान को पार कर गया।

दिल्ली में बड़ी बाढ़ 1924, 1977, 1978, 1988, 1995, 1998, 2010 और 2013 में आईं। 1963 से 2010 तक के बाढ़ आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि सितंबर में बाढ़ आने की प्रवृत्ति बढ़ती है और जुलाई में घटती है।

सीडब्ल्यूसी के अनुसार, हथिनीकुंड बैराज पर रात में जल के प्रवाह की दर 1.5 क्यूसेक से अधिक थी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, दिल्ली में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में 153 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई, जो 1982 के बाद से जुलाई में एक दिन में हुई सर्वाधिक बारिश है। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में 107 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी। पिछले साल सितंबर में यमुना ने दो बार खतरे के निशान को पार किया था और जलस्तर 206.38 मीटर तक पहुंच गया था। वर्ष 2019 में 18-19 अगस्त को नदी में 8.28 लाख क्यूसेक की दर से पानी छोड़ा गया और जलस्तर 206.6 मीटर तक बढ़ गया। 2013 में यह 207.32 मीटर के स्तर पर पहुंच गया था।

यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन पर प्रवेश व निकास बंद, मेट्रो की गति सीमित की गई : डीएमआरसी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

यमुना नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण मेट्रो की ब्लू लाइन पर यमुना बैंक स्टेशन पर यात्रियों का प्रवेश व निकास अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है और उसकी गति भी सीमित कर दी गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

यमुना में पानी खतरे के निशान को पार कर चुका है और इससे 1978 का सर्वकालिक रिकॉर्ड टूट गया। इससे तटों के पास के निचले इलाकों में बाढ़ आ गई। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने ट्वीट किया, यमुना नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण मेट्रो की ब्लू लाइन पर यमुना बैंक स्टेशन पर यात्रियों का प्रवेश व निकास अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। स्टेशन पर मेट्रो बदलने की सुविधा उपलब्ध है और ब्लू लाइन पर सेवाएं सामान्य है।

दिल्ली मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि यमुना बैंक स्टेशन की ओर आने वाली सड़क पर पहुंच भी अभी संभव नहीं है। डीएमआरसी ने एक अन्य ट्वीट किया, यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क पर अभी पहुंच संभव नहीं है। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर यात्रा करें, वैकल्पिक मार्ग चुनें। (स्टेशन पर) मेट्रो बदलने की सुविधा उपलब्ध है। डीएमआरसी ने बढ़ते जल स्तर के कारण एहतियाती तौर पर यमुना के चार पुलों को मेट्रो के 30 किलोमीटर प्रति घंटे की सीमित गति से पार करने की जानकारी भी दी।

डीएमआरसी ने कहा, बढ़ते जल स्तर के कारण एहतियाती तौर पर यमुना के चार पुलों को मेट्रो 30 किलोमीटर प्रति घंटे की सीमित गति से पार कर रही है। अन्य सभी गलियारों में सेवाएं सामान्य हैं।

डीएमआरसी के अधिकारियों ने बुधवार को बताया था कि नदी के बढ़ते जल स्तर के बीच वे यमुना पर बने मेट्रो के पुलों पर करीबी नजर बनाए हुए हैं।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर बृहस्पतिवार को सुबह बढ़कर 208.48 मीटर पर पहुंच गया, जिससे आसपास की सड़कें, सार्वजनिक व निजी बुनियादी ढांचे जलमग्न हो गए और नदी के पास रहने वाले लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ओल्ड रेलवे ब्रिज पर नदी का जलस्तर बुधवार रात 208 मीटर के निशान को पार कर गया था और बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे तक बढ़कर 208.48 मीटर तक पहुंच गया। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अनुसार, इसके और बढ़ने की आशंका है। उसने इसे भीषण स्थिति करार दिया है।

दिल्ली के कुछ इलाकों में हल्की बारिश से जलभराव की समस्या बढ़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार को हल्की से मध्यम बारिश हुई जिससे शहर के निचले इलाकों में जलभराव की समस्या और गहरा गयी। दिल्ली के मध्य और दक्षिणी क्षेत्र के लाजपत नगर, साकेत, मालवीय नगर, हौजखास तथा जंगपुरा में कुछ देर के लिए हल्की बारिश हुई।

मौसम विभाग ने कहा, आमतौर पर दिल्ली में बृहस्पतिवार को हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बारिश होने की संभावना थी। राजधानी में न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत तापमान से एक डिग्री कम है। वहीं अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दोपहर एक बजे तक समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 73 अंक दर्ज किया गया जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। एक्यूआई, शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 90 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय राजधानी में बीते तीन दिनों से यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जलस्तर रविवार को दिन में 11 बजे 203.14 मीटर था जो सोमवार की शाम को पांच बजे 205.33 के खतरे के निशान को पार करता हुआ उम्मीद से 18 घंटे पहले 205.4 मीटर पर पहुंच गया। यमुना नदी के जलस्तर ने मंगलवार को 208.62 मीटर पर पहुंचकर 45 साल पूर्व 207.49 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। दिल्ली में यमुना नदी अब तक के सबसे उच्चतम स्तर पर बह रही है। उफनती यमुना नदी से आस-पास की सड़कें जलमग्न हो गई है, सार्वजनिक एवं निजी बुनियादी ढांचे, सड़क और रेल यातायात प्रभावित है। नदी के करीब रहने वाले लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। राष्ट्रीय राजधानी में भारी वाहनों के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

दिल्ली में तीन जल शोधन संयंत्र बंद: केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि यमुना नदी के बढ़ते जल स्तर के कारण उनकी सरकार ने वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला में तीन जल उपचार संयंत्रों को बंद करने का फैसला किया है, इससे कुछ क्षेत्रों में पानी की समस्या होगी।

एक ट्वीट में उन्होंने कहा, यमुना नदी में बढ़ते जल स्तर के कारण वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला जल उपचार संयंत्रों को बंद किया जा रहा है। परिणामस्वरूप, दिल्ली के कुछ इलाकों में पानी की कमी हो जाएगी। यमुना का पानी कम हो गया है, हम इन्हें जल्द से जल्द शुरू करने का प्रयास करेंगे।

इससे पहले दिल्ली सरकार ने भी बाढ़ प्रभावित इलाकों में सभी शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया था। गुरुवार सुबह तक यमुना का जलस्तर 208.46 मीटर था, जो खतरे के निशान 205.33 मीटर से काफी ऊपर है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने सभी स्वयंसेवकों, पार्षदों, विधायकों और अन्य सभी लोगों से राहत शिविरों का दौरा करने और हर संभव सहायता प्रदान करने की अपील की।

बढ़ते जलस्तर के कारण नदी के आसपास के इलाके जलमग्न हो रहे हैं, इससे लोगों को पलायन करना पड़ रहा है। दिल्ली सरकार के सूत्रों ने कहा कि उन्होंने 16,000 लोगों को निकालकर राहत शिविरों में भेजा है।

मुफ्त की रेवड़ियों की वजह से दिल्ली बनी गटर : भाजपा सांसद गौतम गंभीर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्वी दिल्ली से सांसद गौतम गंभीर ने बृहस्पतिवार को यमुना नदी का पानी आईटीओ और सिविल लाइन्स जैसे इलाकों में घुस जाने को लेकर दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधा और कहा कि शहर ह्यगटरह्ल बन चुका है, जो मुफ्त की रेवड़ियों का नतीजा है। शहर की आप नीत सरकार की मुफ्त बिजली और जल आपूर्ति योजना का संदर्भ देते हुए गंभीर ने दिल्ली के लोगों से कहा कि ह्यजागोह्ल क्योंकि कुछ भी मुफ्त नहीं है।

उन्होंने एक ट्वीट में कहा, जागो दिल्ली वालों। दिल्ली गटर बन चुकी है। कुछ भी मुफ्त नहीं है, यह उसकी कीमत है। क्रिकेटर से राजनेता बने गंभीर ने बाढ़ प्रभावित इलाकों से हटाए गए लोगों से मुलाकात करने के बाद बुधवार को केजरीवाल सरकार पर आरोप लगाया था कि आप (सरकार) ने बीते नौ वर्षों में आधारभूत संरचना पर एक रुपया भी खर्च नहीं किया है।

गंभीर ने आरोप लगाया, आप सरकार पिछले नौ वर्षों से केवल आरोप लगाने की राजनीति कर रही है। उन्होंने (आप पार्टी) दिल्ली में आधारभूत संरचनाओं पर एक रुपया तक खर्च नहीं किया है और मुफ्त की रेवड़ियों की राजनीति कर लोगों को सिर्फ बेवकूफ बनाया है।

भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा और उन पर पिछले छह दिनों से ह्यगायबह्ल होने और वजीराबाद जल उपचार संयंत्र में जाकर फोटो खिंचवाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, बाढ़ के पानी की वजह से लोगों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है और केजरीवाल को अब सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए बाहर जाने के अपने कर्तव्य का अहसास हुआ।

सचदेवा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यमुना किनारे तीन जल उपचार संयंत्रों को नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण बंद कर दिया गया है, जिससे राज्य में पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। उन्होंने सवाल किया कि क्यों सरकार ने विज्ञापनों के माध्यम से लोगों को बाढ़ के बारे में चेतावनी नहीं दी?

पीएचडी प्रोग्रामों में पंजीकरण के लिए खोला पोर्टल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए विभिन्न पीएचडी प्रोग्रामों में पंजीकरण की प्रक्रिया 12 जुलाई, 2023 से शुरू कर दी है। पंजीकरण की यह प्रक्रिया बुधवार, 2 अगस्त, 2023 को बंद हो जाएगी। पीएचडी प्रोग्रामों में पंजीकरण और प्रवेश की प्रक्रिया दो चरणों में होगी। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए पीएच.डी. पंजीकरण पोर्टल एक शैक्षणिक वर्ष में एक से अधिक बार खोला जाएगा। पहले चरण के लिए केवल वही उम्मीदवार आवेदन कर सकेंगे, जो यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट (जेआरएफ सहित)/आयुष-नेट/डीबीटी-जेआरएफ, आईसीएमआर-जेआरएफ, डीएसटी-इंस्पायर या समकक्ष राष्ट्रीय स्तरीय परीक्षा/फेलोशिप (डीआरसी द्वारा आईडेंटिफाइड)/गेट/टीचर फेलोशिप धारक और अन्य (अध्यादेश श्की अधिसूचना के अनुसार जिसमें 09 अगस्त 2017 के अध्यादेशों में संशोधन और 01-02 जुलाई, 2019 को आयोजित कार्यकारी परिषद की बैठक में इसके संशोधनों को मंजूरी दी गई) के आधार पर पात्र हैं। दूसरे चरण में सभी पात्र उम्मीदवार आवेदन कर सकेंगे। हालांकि, जो उम्मीदवार प्रवेश परीक्षा में उपस्थित होने के आधार पर पात्र होंगे, उन्हें प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा।

पीएचडी के लिए पंजीकरण शुल्क (गैर-वापसीयोग्य), एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों के लिए 300 रुपये प्रति प्रोग्राम और यूआर/ईडब्ल्यूएस/ओबीसी-एनसीएल उम्मीदवारों के लिए 750 रुपए प्रति प्रोग्राम है। विश्वविद्यालय की और से उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि पंजीकरण के समय वह अपनी पात्रता मानदंड, अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र और अनुसंधान प्रस्ताव की अनिवार्य आवश्यकताओं की जानकारी के लिए सूचना बुलेटिन को जरूर पढ़ें। प्रवेश से संबंधित सभी सूचनाओं और अपडेट के लिए विश्वविद्यालय की एडमिशन वेबसाइट और संबंधित विभाग की वेबसाइट देखें।

दिल्ली के निचले इलाकों में बाढ़ के बाद 1,000 से अधिक लोगों और 500 मवेशियों को बचाया गया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में यमुना नदी के खतरे के निशान को पार करने और बुधवार को 207.71 मीटर तक पहुंचने के बाद निचले इलाकों में भीषण बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में दिल्ली पुलिस, अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर सफलतापूर्वक काम कर रही है। इस बीच 1,000 से अधिक लोगों और 500 से अधिक मवेशियों को बचाया गया। फंसे हुए लोगों का पता लगाने के लिए एक नाव में गश्त के दौरान, पुलिस ने एक पेड़ पर बैठे एक व्यक्ति को सुरक्षा की तलाश में देखा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जितेंद्र नाम का यह शख्स अपनी जान बचाने के लिए पिछले 22 घंटों से पेड़ पर बैठा था। वरिष्ठ अधिकारियों सहित दिल्ली पुलिस विभिन्न एजेंसियों के साथ बचाव प्रयासों के समन्वय में सक्रिय रूप से शामिल रही है। उनके कार्यों में सार्वजनिक घोषणाएं करना, फंसे हुए लोगों की पहचान करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करना और बचाव कार्यों के लिए नावों की व्यवस्था करना शामिल है। नदी के किनारे घरों और बाजारों में रहने वाले हजारों लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है, क्योंकि उनके आसपास पानी भर गया है। पुलिस के मुताबिक, ऑपरेशन के दौरान 1,065 लोगों और 517 मवेशियों को बचाया गया। शाहदरा जिले में पांच मवेशियों को बचाया गया, जबकि उस्मानपुर में 190 लोगों और 100 मवेशियों को बचाया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, शास्त्री पार्क में 100 लोगों और 175 मवेशियों को बचाया गया, जबकि सोनिया विहार में पानी भरे इलाकों में फंसे 200 लोगों और 150 मवेशियों को निकाला गया। अधिकारी ने कहा, मयूर विहार इलाके में कुल 65 लोगों और 12 मवेशियों को बचाया गया, जबकि पांडव नगर इलाके से 450 लोगों और 50 मवेशियों को निकाला गया।

दिल्ली में एक-दो दिन हो सकती है पानी की किल्लत : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि यमुना का जल स्तर बढ़ने के बाद दिल्ली जल बोर्ड को मजबूरन तीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स बंद करने पड़े जिससे यहां जल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। श्री केजरीवाल ने वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा करके स्थिति का जायजा लिया और कहा कि यमुना नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को बंद करना पड़ा है। प्लांट के मशीनों में पानी घुस गया है। इससे दिल्ली में पानी का उत्पादन 25 फीसद कम हो गया है। दिल्ली के लोगों को एक-दो दिन पानी की समस्या का सामना करना पड़ सकता हैं। जल घटते ही मशीनों को सुखाकर दोबारा प्लांट को शुरू कर दिया जायेगा। उन्होंने लोगों से अपील की है कि जरूरत न हो तो घर से बाहर न निकलें और ज्यादा से ज्यादा वर्क फ्रॉम होम करें।

बाहरी दिल्ली में सड़क हादसे में चार तीर्थयात्रियों की मौत

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली में बुधवार देर रात दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर में चार कांवड़ियों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हादसे के बारे में देर रात 12 बजकर 44 मिनट पर सूचना मिली। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) रवि कुमार सिंह ने बताया कि हरियाणा में पंजीकृत ट्रक जी.टी. करनाल रोड पर डिवाइडर से टकरा गया और दूसरी ओर कांवड़ियों को ले जा रहे एक अन्य ट्रक से टकरा गया। हादसे में चार तीर्थयात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हुए हैं। सिंह ने कहा, हमने अलीपुर थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 279 (लापरवाही से वाहन चलाना) और 304 ए के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है।

आईटीओ ब्रिज बैराज के जाम 5 गेट्स को खोलने में जुटी केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने की वजह से नदी के आसपास के इलाकों में पानी भर गया है। ऐसे में केजरीवाल सरकार की ओर से राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। इसी के मद्देनजर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देशों का पालन करते हुए बृहस्पतिवार को सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली सचिवालय के समीप आईटीओ ब्रिज पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि आईटीओ ब्रिज के नीचे लोहे के गेट्स (बैराज) है, जोकि हरियाणा सरकार द्वारा संचालित है। जहां एक तरफ गेट्स खुले होने से पानी बहुत तेजी से आगे बह रहा है, मगर दूसरी तरफ 5 गेट बंद होने से पानी नहीं बह पा रहा है। ये पांच गेट्स सिल्ट जमा होने के कारण जाम है। यही वजह है कि वजीराबाद से आने वाला पानी आईटीओ ब्रिज के नीचे एक तरफ से बाहर नहीं निकल पा रहा है। गेट्स खुलने से ज्यादा तेजी से दिल्ली से बाहर निकलेगा पानी

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि हम आईटीओ ब्रिज के नीचे सिल्ट से जाम इन 5 गेट्स को खोलने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। गेट्स के चारों तरफ जमा सिल्ट को निकालने के लिए कोंडली प्लांट से कंप्रेसर मंगवाया गया है। कंप्रेसर के जरिए सिल्ट हटाया जाएगा और फिर गेट्स को खोलने की कोशिश की जाएगी। अगर इसके बावजूद भी गेट्स नहीं खुल पाए, तो गैस कटर से इन्हें काट दिया जाएगा। ताकि ये गेट्स खुल जाए और पानी ज्यादा तेजी से दिल्ली से बाहर निकल पाए। इससे काफी फायदा मिलेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। अनुमान के अनुसार आज शाम तक और बढ़ेगा, मगर उसके बाद जलस्तर स्टेबल होना शुरू हो जाएगा। संभावना है कि उसके बाद जलस्तर कम हो। सभी विभाग अपने स्तर पर लोगों की मदद में जुटें मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि किसी भी आपातकालीन स्थिति के लिए विभागों को सदैव अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए है। दिल्ली सरकार का हर विभाग अपने स्तर पर लोगों की मदद में जुटा है और स्थिति पर लगातार पैनी नजर रखे हुए है। हम हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। डूब क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। राहत और बचाव कार्यों के लिए यमुना में विभिन्न जगहों पर मोटर बोट्स तैनात की गई है, जिसपर बचाव संबंधित सभी जरुरी उपकरण मौजूद है। साथ ही गोताखोर और मेडिकल टीमें भी तैनात है। उन्होंने बताया कि विभागीय अधिकारियों द्वारा यमुना के निचले इलाकों में से लोगों को निकालने के लिए मुनादी की जा रही है। दिल्ली के 6 डिस्ट्रिक्ट में करीब 2500 शिविर बनाए गए हैं, जहां प्रभावित लोगों के लिए रहने व भोजन का प्रबंध है।

यमुना का जलस्तर बढ़ने के बाद तीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद, सीएम केजरीवाल ने वजीराबाद प्लांट का लिया जायजा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

यमुना का जल स्तर बढ़ने के बाद दिल्ली जल बोर्ड को मजबूरन गुरुवार को अपने तीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स बंद करने पड़े। इससे दिल्ली में जल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने खुद वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यमुना नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को बंद करना पड़ा है। प्लांट के मशीनों में पानी घुस गया है। इससे दिल्ली में पानी का उत्पादन 25 फीसद कम हो गया है। इसलिए दिल्ली के लोगों को एक-दो दिन पानी की समस्या का सामना करना पड़ सकता हैं। जैसे ही जल स्तर घटेगा, हम मशीनों को सुखाकर दोबारा प्लांट को शुरू कर देंगे। सीएम ने लोगों से अपील भी की है कि जरूरत न हो तो घर से बाहर न निकलें और ज्यादा से ज्यादा वर्क फ्रॉम होम करें। इस दौरान राजस्व मंत्री आतिशी और जल मंत्री सौरभ भारद्वाज भी मौजूद रहे।

वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का दौरान करने पहुंचे सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पहली बार दिल्ली में यमुना का जल स्तर इतना ऊपर तक आया है। इस समय यमुना का जल स्तर 208.60 मीटर को पार कर गया है। इतना ऊपर तक जल स्तर पहुंचेगा, यह किसी ने सोचा नहीं था। यमुना का जलस्तर बढ़ने से हमारे वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को बंद करना पड़ा है। यमुना का पानी प्लांट के पंप और मशीनों में घुस गया है। यमुना का जलस्तर कम होने के बाद प्लांट्स के मशीनों को सुखाया जाएगा। बिना सुखाए मशीनों को चलाते हैं तो करंट आने का खतरा है। मशीनों को सुखाने के बाद प्लांट्स को दोबारा शुरू किया जाएगा।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि तीनों प्लांट्स को बंद होने से दिल्ली में करीब 25 फीसद पानी का उत्पादन कम हो जाएगा। इसके अलावा यमुना के निचले इलाकों में हमारे कई ट्यूबवेल्स चलते थे, पानी भरने की वजह से उनको भी बंद कर दिया गया है। इसलिए दिल्ली में एक-दो दिन तक पानी की काफी किल्लत रह सकती है। मुझे उम्मीद है कि कल शाम तक पानी की पर्याप्त व्यवस्था कर पाएंगे। सीएम ने कहा कि समस्या से ये नहीं है कि जलस्तर घाटे। समस्या ये है कि जलस्तर घटने के साथ ही मशीनों को सुखाना भी पड़ेगा। इसकी हमने पहले से ही सारी तैयारी कर ली है। जैसे ही पानी कम होगा, वैसे ही मशीनों को सुखाने का काम शुरू कर दिया जाएगा, लेकिन दिल्ली की जनता को पानी को लेकर थोड़ी तकलीफ होगी। लोगों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ेगा। केजरीवाल ने कहा कि यमुना का पानी तेजी से सड़कों पर भी आ रहा है। मेरी अपील है कि प्रभावित एरिया के लोग अगर ज्यादा जरूरी न हो तो घर से न निकले और ज्यादा से ज्यादा वर्क फ्रॉम होम करें। दिल्ली में बनाए गए राहत केंद्रों में हम सारी सुविधाएं देने की कोशिश कर रहे हैं। सेंट्रल वाटर कमीशन के जो अनुमान आ रहे हैं, उसके अनुसार आज शाम 4:00 बजे तक जल स्तर का अपने पीक पर पहुंच जाएगा। उसके बाद जलस्तर कम होना शुरू होने की उम्मीद है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि यमुना नदी में जलस्तर बढ़ने से आज कई वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद करने पड़े हैं। यमुना किनारे बने वजीराबाद वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का आज मैंने खुद दौरा किया। जैसे ही स्थिति यहाँ सामान्य होगी हम इसे जल्द शुरू करेंगे। सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि यमुना का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। बढ़ते हुए जल स्तर के कारण यमुना के आसपास की सड़कों पर पानी आ गया है। आपसे अनुरोध है कि इन रास्तों पर न जाएं।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शुक्रवार, 14 जुलाई, 2023

दिल्लीवालों की मदद के लिए मैदान में उतरे आप के विधायक, पार्षद और कार्यकर्ता

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में हथिनिकुंड बैराज से लगातार छोड़े जा रहे पानी के कारण यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है, जिस कारण खादर इलाकों में यमुना का पानी घुस गया है। बढ़ते जलस्तर के चलते लोगों को परेशानी पर सीएम अरविंद केजरीवाल खुद निगरानी बनाए हुए है। सीएम के निदेर्शों का पालन करते हुए आम आदमी पार्टी के सभी विधायक-पार्षद और कार्यकर्ता दिल्ली के विभिन्न इलाकों में राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को आप के विधायकों, पार्षदों और कार्यकताओं ने केजरीवाल सरकार के बाढ़ एवं राहत शिविरों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बाढ़ प्रभावित लोगों से बातचीत की। वहीं कई इलाकों में ह्लआपह्व कार्यकताओं ने मदद का हाथ बढ़ाते हुए प्रभावित लोगों को खाद्य सामग्रियां उपलब्ध कराई। साथ ही निचले इलाके में रहने वाले लोगों को जगह खाली कर राहत शिविर में जाने की अपील की।

राहत शिविर में लोगों के रहने और भोजन सहित तमाम व्यवस्था सुनिश्चित की सीएम अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर आप वरिष्ठ नेता, राजेंद्र नगर के विधायक एवं एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक मरघट वाले हनुमान मंदिर के पास लोगों को बाढ़ से बचाने के लिए पार्टी कार्यकताओं के साथ राहत कार्य में सहयोग देने पहुंचे। इस दौरान ह्लआपह्व वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य तेजी से किया जा रहा है। डूब क्षेत्रों से लोगों को सकुशल बाहर निकाला जा रहा है। प्रभावित लोगों की मदद और उन्हें हर जरुरी सुविधाएं मुहैया करवाने की हर संभव कोशिश जारी है। खादर इलाकों से लोगों को निकालने के साथ केजरीवाल सरकार ने राहत शिविर लगाए है, जहां लोगों के रहने, खाने-पानी, मेडिकल सहित अन्य तमाम व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। शिविरों में यह भी ध्यान रखा जा रहा कि यहां रह रहे लोगों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। कुछ लोग अपना घर छोड़ने को तैयार नहीं है, उनसे आग्रह किया है कि वे असुरक्षित स्थान को छोड़कर शिविरों में आ जाएं, ताकि कोई दुर्घटना ना हो। वहीं, आम आदमी पार्टी के विधायक संजीव झा ने बुराड़ी के प्रधान एन्क्लेव यूजीआर के पास बने बाढ़ राहत कैंप का जायजा लिया। उन्होंने बताया यमुना का जलस्तर 208.46 मीटर तक पहुंच चुका है, फिलहाल यह स्तर बुराड़ी पुस्ते की वास्तविक ऊंचाई 214 मीटर से नीचे है। एहतियात के रूप में बाढ़ ग्रस्त लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है, अभी बुराड़ी के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा नहीं है। सीएम अरविंद केजरीवाल के निदेर्शों का पालन करते हुए हम हालातों पर नजर बनाए हुए हैं। दिल्ली सरकार की सभी एजेंसियां पूरी तरह मुस्तैद है। शरणार्थियों के लिए मोबाइल टॉयलेट, बेड्स, टेंट, पानी का टैंकर और खाने का प्रबंध किया गया है। बाढ़ से प्रभावित लोगों को खाद्य सामग्रियां बांटी आप विधायक कुलदीप कुमार पार्टी कार्यकताओं के साथ बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सहायता पहुंचाने पहुंचे। उन्हें प्रभावितों को खाद्य सामग्रियां उपलब्ध कराई। कुलदीप कुमार ने कहा कि यमुना में बढ़ते जलस्तर के कारण जलभराव का खतरा बना हुआ है, लेकिन हम सभी दिल्लीवासी मिलकर इससे निपट रहे हैं। सीएण अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर हम सब लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जीरो ग्राउंड पर मौजूद हैं। वहीं, दिल्ली के कृष्णा नगर से विधायक एस के बग्गा ने शमशान घाट पुस्ता और अन्य निचले इलाकों का दौरा किया। उन्होंने बताया कि गीता कॉलोनी शमशान घाट पर पानी भर चुका है और अन्य निचले इलाकों में भी पानी आने की संभावना है। प्रशासन अपना काम कर रहा है और आप लोग भी अपना ध्यान रखें और प्रभावित इलाकों की तरफ जाने से बचें। वहीं, आम आदमी पार्टी के नीतिन त्यागी ने लक्ष्मीनगर के आसपास के इलाकों का दौरा कर प्रभावित लोगों को खाद्य सामग्रियां बांटी। उन्होंने कहा कि इस समय सभी धैर्य रखते हुए एक-दूसरे का सहयोग करें। सभी एक दूसरे के साथ मिलकर प्रभावित लोगों की मदद के लिए आगे आएं। क्योंकि इस समय बाढ़ के कारण विस्थापित हुए लोगों को मदद की जरूरत है, राजनीति की नहीं। दिल्ली के जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी नेता प्रवीण कुमार भी लोगों की मदद के लिए मैदान में उतरकर लोगों को खाद्य सामग्रियां उपलब्ध कराई।

सूचना

- सीएम के निदेर्शों का पालन करते हुए आप के विधायक और पार्षद विभिन्न इलाकों में राहत और बचाव कार्य में जुटें
- आप विधायकों-पार्षदों और कार्यकताओं ने केजरीवाल सरकार के राहत शिविरों का दौरा कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा, बाढ़ प्रभावित लोगों से की बातचीत

यमुना का जल स्तर लगातार बढ़ने की वजह से आसपास की सड़कों पर आया पानी : केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरूवार को कहा कि यमुना का जल स्तर लगातार बढ़ने की वजह से नदी के आसपास की सड़कों पर पानी आ गया है।

श्री केजरीवाल ने ट्विट कर आज कहा यमुना का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। अब पानी 208.46 मीटर पर पहुँच गया है। बढ़ते हुए जल स्तर के कारण, यमुना के आस पास की सड़कों पर आ गया है। आपसे अनुरोध है कि इन रास्तों पर ना जायें।

उन्होंने कहा, जिन आबादी वाले इलाकों में पानी भरा है, वहाँ से लोगों को हटा रहे हैं। वहाँ रहने वालों से अनुरोध है कि प्रशासन का सहयोग करें। लोगों की जान बचाना सबसे जरूरी है। सभी दिल्ली वालों से अपील है कि इस आपातकाल स्थिति में एक दूसरे का हर संभव सहयोग करें।

उल्लेखनीय है कि श्री केजरीवाल ने यमुना में बढ़े जलस्तर के मद्देनजर अधिकारियों के साथ कल आपात बैठक के बाद पत्रकारों से कहा था कि यमुना में जलस्तर बढ़ता जा रहा है और दिल्ली में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। दिल्ली में यमुना का खतरनाक स्तर 205.33 मीटर है जबकि इस वक्त दिल्ली में यमुना का जल स्तर खतरे के निशान को पार करके 207.71 मीटर पर पहुंच गया है। इससे पहले 1978 में यमुना का अधिकतम जल स्तर 207.49 मीटर पहुंचा था, उस समय दिल्ली में बाढ़ आई थी। दिल्ली का 45 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया है और यमुना का जल स्तर इससे भी आगे पहुंच चुका है।

मुठभेड़ के बाद दिल्ली में दोहरे हत्याकांड के आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस ने दोहरे हत्याकांड में वांछित दो अपराधियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी कि मंगलवार तड़के इन अपराधियों ने दो लोगों की हत्या की थी।

अपराधियों की पहचान इंदिरा चौक निवासी शाहबाज उर्फ शिब्बू (22) और मरगाजी चौक, जाफराबाद निवासी मिस्बाह (21) के रूप में की गई है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि बुधवार रात करीब 10:48 बजे ज्योति नगर पुलिस स्टेशन में एक कॉल आई कि पूर्वोत्तर जिले की स्पेशल स्टाफ टीमों और दो अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई है, यह अपराधी दोहरे हत्याकांड में वांछित थे।

अधिकारी ने बताया कि अम्बेडकर कॉलेज के पीछे कबीर नगर में पुलिस और अपराधियों के बीच फायरिंग हुई। दोनों अपराधी स्कूटी पर सवार थे। अधिकारी ने कहा कि अपराधियों ने रुकने के बजाय भागने की कोशिश की और गोलियां चला दीं। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों अपराधियों के पैर में गोली लगी। अधिकारी ने बताया दोनों अपराधियों के पास सेमी ऑटोमैटिक पिस्तौलें थीं। अपराधी शाहबाज पर हत्या सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह पिछले महीने जमानत पर बाहर आया था। मिस्बाह भी हत्या सहित कई मामलों में नामजद है। अधिकारी ने बताया कि वह पिछले महीने जमानत पर बाहर भी आया था।

पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी कि मंगलवार तड़के इन अपराधियों ने दो लोगों की हत्या की थी।

अधिकारी ने बताया कि दोनों को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है।

जानकारी अनुसार मंगलवार को प्रदीप (40) और बब्लू उर्फ पाटला (40) की हत्या की गई थी। जो दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते थे, मंगलवार को लगभग 02:00 बजे वेलकम इलाके से इनके शव मिले थे।

यमुना का जलस्तर बढ़ने के बाद दिल्ली सचिवालय में भरा पानी

नई दिल्ली। यमुना का जल स्तर बढ़ने से बृहस्पतिवार को दिल्ली सचिवालय में पानी भर गया, जहां मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उनके मंत्रिमंडल और अन्य वरिष्ठ नौकरशाहों के आवास-कार्यालय हैं।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार, उन्हें दिल्ली सचिवालय में पानी भरने की सूचना मिली है। उन्होंने बताया कि वे स्थिति को लेकर यातायात पुलिस और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय कर रहे हैं। राजघाट से दिल्ली सचिवालय जाने वाली सड़क पर भी पानी भर गया है। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीरी गेट और पुराना लोहे के पुल के बीच रिंग रोड पर पानी भर गया है और इसलिए वहां यातायात रोक दिया गया है। जिला मजिस्ट्रेट (पूर्व) के एक आदेशानुसार, जल स्तर अत्यधिक बढ़ने के कारण गीता कॉलोनी में शमशान घाट को बंद कर दिया गया है।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर बृहस्पतिवार सुबह बढ़कर 208.48 मीटर पर पहुंच गया, जिससे आसपास की सड़कें, सार्वजनिक व निजी बुनियादी ढांचे जलमग्न हो गए और नदी के पास रहने वाले लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ह्यओल्ड रेलवे ब्रिजह्व पर नदी का जलस्तर बुधवार रात 208 मीटर के निशान को पार कर गया था और बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे तक बढ़कर 208.48 मीटर तक पहुंच गया।

उफनती हुई यमुना नदी का पानी आईटीओ तक पहुंच गया, जो पूर्वी दिल्ली से मध्य दिल्ली और कनॉट प्लेस तक आने-जाने का एक प्रमुख मार्ग है। इसके अलावा बोट कॉलोनी, गीता कॉलोनी, गांधी नगर के कुछ हिस्से, अशोक नगर और पांडव नगर जैसे इलाके भी जलमग्न हो गए। शहर में कई इलाकों से लोगों को निकालने की घोषणा की गई है।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ने पर यातायात परामर्श जारी

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर दिल्ली यातायात पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक परामर्श जारी किया है। परामर्श के अनुसार आईपी फ्लाईओवर और चंदगी राम अखाड़े के बीच महात्मा गांधी मार्ग, कालीघाट मंदिर और दिल्ली सचिवालय के बीच महात्मा गांधी मार्ग, और वजीराबाद ब्रिज तथा चंदगी राम अखाड़े के बीच बाहरी रिंग रोड पर यातायात बाधित है। इसमें कहा गया है कि यात्रियों को इन मार्गों से बचने और अन्य मार्गों से यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी जाती है।

परामर्श में कहा गया है कि गैर-नियत व्यावसायिक वाहनों को दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उन्हें पूर्वी तथा पश्चिमी पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे की ओर भेजा जाएगा। व्यावसायिक वाहनों का मार्ग मुकरबा चौक से बदला जाएगा इसके अलावा मुकरबा चौक और वजीराबाद पुल के बीच किसी भी व्यावसायिक वाहन को आने जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। परामर्श के अनुसार, व्यावसायिक वाहनों को सराय काले खां से अन्य मार्ग पर भेजा जाएगा। सराय काले खां और आईपी फ्लाईओवर के बीच ऐसे किसी भी वाहन को आने जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गाजीपुर बॉर्डर तथा अक्षरधाम से भी उनके मार्ग परिवर्तित किए जाएंगे। अक्षरधाम और सराय काले खां के बीच भी ऐसे किसी वाहन को आने जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर में 4 कांवरियों की मौत

नई दिल्ली, 13 जुलाई (वेब वार्ता)। दिल्ली के जीटी करनाल रोड पर दो ट्रकों के बीच आमने-सामने की टक्कर में चार कांवरियों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को ये जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, रात करीब एक बजे पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल मिली कि जीटी करनाल रोड के पास सिरसपुर में दो गाड़ियों का एक्सीडेंट हो गया है, जिसमें लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने पाया कि एनएच-44 पर दो ट्रकों की टक्कर हो गई है। एक ट्रक मियांवाली (नांगलोई के पास) से कांवर यात्रियों को लेकर हरिद्वार जा रहा था।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, प्रारंभिक जांच से पता चला कि दिल्ली की ओर जा रहा ट्रक जीटी रोड के डिवाइडर को पार कर गया और जीटी करनाल रोड (राष्ट्रीय राजमार्ग -44) पर विपरीत दिशा से आ रहे यात्रियों के ट्रक को टक्कर मार दी।

अधिकारी ने कहा, कुल 14 घायल लोगों को सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल (एसआरएचसी), नरेला भेजा गया, जिनमें से चार को मृत घोषित कर दिया गया और दो को हायर सेंटर (बालाजी एक्शन सेंटर पश्चिम विहार) रेफर कर दिया गया। अधिकारी ने कहा, कथित ट्रक चालक फरार है और अलीपुर पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 279 और 304ए के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है।

केजरीवाल ने जलमग्न इलाकों में स्कूल बंद करने की घोषणा की

नई दिल्ली । यमुना में जलस्तर के 208.48 मीटर तक पहुंचने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को उन इलाकों में स्कूलों को बंद करने की घोषणा की, जहां पानी भर गया है। केजरीवाल ने ट्वीट किया, दिल्ली के जिन इलाकों में पानी भर रहा है वहां पर सभी सरकारी और निजी स्कूल बंद किए जा रहे हैं।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर बृहस्पतिवार को सुबह बढ़कर 208.48 मीटर पर पहुंच गया, जिससे आसपास की सड़कें, सार्वजनिक व निजी बुनियादी ढांचे जलमग्न हो गए और नदी के पास रहने वाले लोगों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यमुना में जलस्तर रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे 203.14 मीटर से बढ़कर सोमवार शाम पांच बजे 205.4 मीटर पहुंच गया, जो उम्मीद से 18 घंटे पहले खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर गया। सोमवार रात नदी का जलस्तर 206 मीटर के निशान को पार कर गया था। बुधवार दोपहर एक बजे तक नदी का जलस्तर 207.49 मीटर के निशान और रात 10 बजे यह 208 मीटर के निशान को पार कर गया।

पिछले कुछ दिनों में 300 से अधिक मेल व एक्सप्रेस, 406 पैसेंजर ट्रेन रद्द की गईं

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिन में भारी बारिश के बाद पटरियों पर जलभराव के कारण सात जुलाई से 15 जुलाई के बीच 300 से अधिक मेल व एक्सप्रेस ट्रेन और 406 पैसेंजर ट्रेन रद्द कर दी गई हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पटरियों पर पानी भरने की वजह से 600 से अधिक मेल/एक्सप्रेस ट्रेन, 500 पैसेंजर ट्रेन की सेवाएं प्रभावित हुईं। उत्तर पश्चिम भारत में शनिवार से तीन दिन तक लगातार बारिश हुई। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई इलाकों में भारी से बेहद भारी बारिश दर्ज की गई। इस वजह से नदी-नालों में जलस्तर बढ़ गया और बुनियादी ढांचे को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड तथा पंजाब में आवश्यक सेवाएं भी प्रभावित हुईं। अधिकारियों ने बताया इस क्षेत्र में सेवाओं का संचालन करने वाले उत्तर रेलवे ने करीब 300 मेल/एक्सप्रेस ट्रेन को रद्द कर दिया। 100 ट्रेन को बीच रास्ते में रोक दिया गया और 191 अन्य का मार्ग बदला गया। कुल 67 ट्रेन निर्धारित गंतव्य की जगह दूसरे स्थान से शुरू हुईं।उन्होंने बताया कि भारी जलभराव के कारण उत्तर रेलवे ने भी 406 पैसेंजर ट्रेन रद्द कीं, 28 ट्रेन के मार्ग बदले गए, 54 ट्रेन को बीच रास्ते में रोक दिया गया और 56 ट्रेन निर्धारित गंतव्य की जगह दूसरे स्थान से शुरू हुईं।

दिल्ली में बाढ़ से निपटने के लिए एडीआरएफ की 12 टीमें तैनात

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना के बढ़ते जल स्तर को देखते हुए बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक दर्जन टीमों को तैनात कर दिया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। एनडीआरएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि मध्य, पूर्वी और उत्तरी पूर्वी दिल्ली में तीन-तीन टीमें तैनात की गई हैं, जबकि दक्षिण पूर्वी दिल्ली में दो और शाहदरा इलाके में एक टीम तैनात की गई है। धिकारियों ने बताया कि टीमें बाढ़ प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित निकालने में प्रशासन की मदद कर रही हैं।

बाढ़ के हालात पर डीडीएमए की विशेष बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली के उप राज्यपाल वी के सक्सेना राष्ट्रीय राजधानी में बाढ के हालात पर दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बृहस्पतिवार को एक विशेष बैठक करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी इस बैठक में शामिल होंगे। केजरीवाल डीडीएमए के उपाध्यक्ष भी हैं। दिल्ली में यमुना का जलस्तर बृहस्पतिवार सुबह बढ़कर 208.48 मीटर पर पहुंच गया, जिससे आसपास की सड़कें, सार्वजनिक व निजी बुनियादी ढांचे जलमग्न हो गए और नदी के पास रहने वाले लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

पुराने रेलवे पुल पर जलस्तर बुधवार रात 208 मीटर के निशान को पार कर गया था और बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे तक बढ़कर 208.48 मीटर हो गया।

केजरीवाल ने एक ट्वीट में कहा कि यमुना में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और आस-पास की सड़कों में पानी भर रहा है, ऐसे में लोगों को वहां नहीं जाने की सलाह दी जाती है। उन्होंने लोगों से आपात स्थिति में एक-दूसरे की मदद करने का भी अनुरोध किया।

यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से दिल्ली में भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध : आप सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर एहतियाती कदम के रूप में राज्य सरकार ने सिंधु बार्डर सहित शहर की चारों सीमाओं से आवश्यक सामान लाने वाले वाहनों को छोड़कर भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। ट्विटर पर परिवहन विभाग द्वारा जारी आदेश की एक प्रति साझा करते हुए उन्होंने कहा, ह्वयमुना नदी में असामान्य रूप से बढ़ते जल स्तर को देखते हुए एहतियात के तौर पर सिंघू बॉर्डर, बदरपुर बॉर्डर, लोनी बॉर्डर और चिल्ला बॉर्डर से भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। गहलोत ने एक ट्वीट में कहा, वहीं हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड से आने वाली अंतरराज्यीय बसें आईएसबीटी कश्मीरी गेट न जाकर सिंघू बॉर्डर पर ही रुक जायेंगी। उन्होंने कहा कि आवश्यक सेवाओं जैसे खाद्य पदार्थ और पेट्रोलियम उत्पादों को लाने वाले वाहनों पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

बाढ़ के चलते उत्तरी दिल्ली के ट्रॉमा सेंटर से मरीजों को भेजा गया एलएनजेपी अस्पताल

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली में बृहस्पतिवार को सरकारी ट्रॉमा सेंटर में पानी घुसने से प्राधिकारियों ने 40 मरीजों को एलएनजेपी अस्पताल में स्थानांतरित करना आरंभ कर दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उत्तरी दिल्ली में चंदगीराम अखाड़े के सामने स्थित सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर से स्थानांतरित किए जाने वालों में तीन गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में भर्ती मरीज भी शामिल हैं। एक अन्य अधिकारी ने कहा,ट्रॉमा सेंटर के परिसर में पानी भर जाने से मुख्य द्वार जगमग्न हो गया है। चिकित्सकों ने कहा कि करीब 40 मरीजों को मध्य दिल्ली में स्थित सरकारी लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल (एलएनजेपी) में स्थानांतरित किया जा रहा है। एक वरिष्ठ चिकित्सक ने कहा,एक आईसीयू में भर्ती मरीज को दोपहर दो बजकर 30 मिनट पर स्थानांतरित किया गया और अन्य को एंबुलेंस से भेजा जा रहा है। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर बृहस्पतिवार सुबह 208.48 मीटर पर पहुंच गया जिससे आसपास की सड़कें, सार्वजनिक एवं निजी बुनियादी ढांचें जलमग्न हो गए हैं। नदी के करीब रहने वाले लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रॉमा सेंटर की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर की स्थापना वर्ष 1998 में गहन देखभाल प्रबंधन के लिए एलएनजेपी अस्पताल के एक सहायक के रूप में हुई थी। इस पर समग्र प्राशासनिक और वित्तीय नियंत्रण एलएनजेपी अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक का था। इसके बाद ट्रॉमा सेंटर को एक स्वतंत्र संस्थान घोषित कर दिया गया।

यमुना का जल स्तर बढ़ने के कारण रविवार तक दिल्ली के सभी स्कूल-कॉलेज और यूनिवर्सिटी बंद- अरविंद केजरीवाल

- राहत केंद्रों में टॉयलेट और बॉथरूम की काफी दिक्कत आ रही थी। क्योंकि कांवड़ के भी काफी कैंप लगे हैं, वहां भेज दिए गए हैं।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ने के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल ने सभी स्कूलों-कॉलेजों और यूनिवर्सिटी को रविवार तक के लिए बंद करने का आदेश दिया है। यमुना में बढ़ते जल स्तर को लेकर गुरुवार को डीडीएमए की बैठक हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सीएम अरविंद केजरीवाल ने बताया कि यमुना का जल स्तर अभी बढने की संभावना है। इसलिए आवश्यक सेवाओं को छोड़कर दिल्ली सरकार के सभी कार्यालयों को रविवार तक बंद करने का आदेश दिया गया है। सभी कर्मचारी रविवार तक घर से ही काम करेंगे। प्राइवेट संस्थानों को भी एडवाइजरी जारी कर अधिक से अधिक वर्क फ्राम होम करने की अपील की जा रही है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को बंद करना पड़ा है। इससे 25 फीसद पानी का प्रोडक्शन कम हो गया है। दिल्ली सरकार पानी की राशनिंग कर रही है।

यमुना का जल स्तर बढ़ने के बाद दिल्ली में पैदा होने पर गुरुवार को हुई डीडीएमए की आपात बैठक में कई बड़े निर्णय लिए गए। इन निर्णयों की जानकारी देते हुए सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि रविवार तक सभी स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी को बंद करने का निर्णय लिया गया है। आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी सरकारी कार्यालयों को वर्क फ्राम होम करने का निर्देश दिया गया है। प्राइवेट कार्यालयों के लिए भी एडवाइजरी जारी की जा रही है कि ज्यादा से ज्यादा वर्क फ्राम होम से काम करें।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में पानी की काफी ज्यादा किल्लत होने वाली है। तीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद होने से दिल्ली की पानी उत्पादन क्षमता 25 फीसद तक कम हो गई है। दिल्ली के लोगों को एक-दो दिन पानी की दिक्कत हो सकती है। दिल्ली के अंदर प्रवेश करने वाले भारी वाहनों पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है। सिर्फ आवश्यक सेवाएं देने वाले भरी वाहनों को ही दिल्ली में आने दिया जाएगा। राहत केंद्रों में टॉयलेट और बॉथरूम की काफी दिक्कत आ रही थी। क्योंकि कांवड़ के भी काफी कैंप लगे हैं, वहां भेज दिए गए हैं। इसलिए राहत केंद्रों को अब स्कूलों में शिफ्ट किया जा रहा है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में बने राहत केंद्रों में करीब 20 हजार लोग हैं। 50 से अधिक बोट्स का इंतजाम किया गया है। लेकिन अगर जरूरत पड़ेगी तो और बोट का इंतजाम कर दिया जाएगा। सीएम ने कहा कि हथिनी कुंड बैराज में जितना पानी आ रहा है, वो उनको छोड़ना ही पड़ रहा है, क्योंकि वहां पर कोई रिजर्वायर नहीं है। इससे संभावना है कि आज शाम तक यमुना का जल स्तर थोड़ा और उपर तक जाएगा। इसके बाद संभावना है कि जल स्तर नीचे जाना शुरू हो जाएगा।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, यमुना में जलस्तर बढ़ने के बाद पैदा हुए हालात पर आज डीडीएमए की बैठक हुई। दिल्ली में सभी स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी को रविवार तक के लिए बंद किया जा रहा है। सभी नॉन एसेसियल सरकारी दफ्तरों को वर्क फ्राम होम से किया जा रहा है। प्राइवेट ऑफिस को वर्क फ्राम होम लागू करने की एडवाइजरी जारी की जा रही है। वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद होने से पानी की सप्लाई 25 प्रतिशत तक प्रभावित होगी। इसलिए पानी की राशनिंग की जाएगी। दिल्ली में जरूरी सेवाओं वाले बड़े वाहनों को ही आने की इजाजत दी जाएगी। सभी दिल्लीवासी धैर्य रखें, जल्द पानी का स्तर कम होगा और स्थिति सामान्य होगी।

यमुना नदी ने किया खतरे के निशान को पार; केजरीवाल सरकार द्वारा राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

हरियाणा के हथिनी कुंड से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने से दिल्ली में बाढ़ के हालात बन गए हैं। यमुना के बढ़ते जलस्तर के मद्देनजर आज पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने यमुना नदी से सटे प्रधान एन्क्लेव पुस्ता, बुराड़ी स्थित राहत शिविरों का जायजा लियाे साथ ही यमुना के किनारे बुराड़ी पुस्ता से पल्ला तक और रास्ते में हिरंकी ,रमजान पुर , मोहम्मदपुर आदि गांव के पास की स्थिति का भी जायजा लिया। हालातो को देखते हुए सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारी को सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को यमुना के बढ़ते जलस्तर पर त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देश जारी किये` साथ ही राहत शिविरों में ठहरे शरणार्थियों के लिए रहने,खाने-पीने,शौचालय, मेडिकल सहित सभी जरूरी सुविधाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है` प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों को दिल्ली के अलग-अलग जिलों में बने शिविरों में स्थानांतरित किया जा रहा है। इस अवसर पर विधायक संजीव झा और दुर्गेश पाठक भी मौजूद रहे

स्थिति का जायजा लेने के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मिडिया से बातचीत करते हुए बताया की पिछले तीन दिन से दिल्ली में बारिश नहीं हो रही है लेकिन हथिनिकुंड बैराज से लगातार लाखो क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जिसके कारण 1978 के बाद पहली बार दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर चूका है और आपदा की इस परिस्थिति में केजरीवाल सरकार ने हर तरह के खतरे से निपटने के लिए कमर कस ली है` बाढ़ के हालातो को देखते हुए आज हमने यमुना से सटे प्रधान एन्क्लेव पुस्ता , बुराड़ी स्थित राहत शिविर का जायजा लिया है` साथ ही राहत और बचाव कार्यो की तैयारियों की समीक्षा भी की गई है` यमुना के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए यहाँ सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियो को त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देश जारी दिए गए है

उन्होंने बताया की आपदा प्रभावित लोगो के लिए सरकार के रूप में हमारी जिम्मेदारी है की इससे प्रभावित होने वाले लोगों की मदद करे और उन्हें हर जरुरी सुविधाएँ मुहैया करवाएं इसी के चलते बाढ़ प्रभावित इलाको से लोगों को निकालने और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का कार्य तेजी से चल रहा है` केजरीवाल सरकार द्वारा आपदा प्रभावित लोगो के लिए करीबन 2700 राहत शिविरों की सुविधाएँ उपलब्ध की गई है` इन शिविरों में लोगों के रहने की, खाने-पीने, मेडिकल सहित अन्य तमाम व्यवस्था सुनिश्चित करने के अधिकारियो को निर्देश जारी किए जा चुके है` साथ ही जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि, सभी टीमें अलर्ट पर रहे और जरुरत पड़ने पर अतिरिक्त टीमें तैनात की जाएं

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि, दिल्ली में यमुना के बढ़ते जलस्तर के कारण काफी पानी सड़को तक भी पहुंच गया है , ऐसे में मैं दिल्लीवासियों से अपील करता हूँ की वह यमुना से सटे इलाको वाली सड़को के उपयोग से बचें` साथ ही देखा जा रहा है की बाढ़ देखने के लिए भी लोग घर से बहार निकल रहे है , ऐसे में उनसे गुजारिश है की सरकार का साथ दे और बेवजह अपने घरो से न निकलें` सरकार की ओर से राहत व बचाव के लिए बेहद पुख्ता इंतजाम किए हुए हैं।लेकिन आपदा की इस घड़ी में अपनी जान को जो

संक्षिप्त खबरें

भोरे में आशा कार्यकताओं का दूसरे दिन भी हड़ताल रहा जारी

भोरे । भोरे रेफरल अस्पताल के परिसर में आशा संयुक्त संघर्ष मंच बिहार के आह्वान पर बिहार राज्य आशा कार्यकर्ता संघ गोपगुट/ऐक्टू के नेतृत्व में आशा व फैसिलिटेटर का अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रहा। सैकड़ों आशा कार्यकर्ता लगातार अपने कामों को ठप्प करके धरना पर बैठी हैं। साथ ही आशा कार्यकताओं ने कहा कि कल भी सभी को पीएचसी पर डटे रहना है। मौके पर आशा संघ के जिलाध्यक्ष सीता पाल, ममता भारती, सिन्धु देवी, सुमन देवी, प्रेमबला देवी, लालमुन्नी देवी, संगीता देवी, पूनम देवी, इंदु देवी, सुमिया देवी, विधावती देवी, सुनीता देवी, संजू देवी, रमावती देवी, पूनम देवी, गिरजा देवी, सरिता देवी, संगीता देवी, कविता देवी, यशोदा देवी, गुड़िया देवी आदि आशा कार्यकर्ता मौजूद रही।

पंचदेवरी में पदाधिकारियों ने की कई स्कूलों की जांच

भोरे। पंचदेवरी में गुरुवार को वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर कई स्कूलों की जांच की गयी। कई विभागों के पदाधिकारी जांच करने पहुंचे थे। पंचदेवरी के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी जानकी कुमारी ने नव सृजित प्राथमिक विद्यालय गहनी की जांच की। बीईओ ने शिक्षकों की उपस्थिति, एमडीएम, किचेन, साफ-सफाई आदि की भी जांच की तथा विद्यालय में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बढ़ाने का निर्देश दिया। बगहवां, खालगांव, गहनी चकीया, रूपीबगही, इन्दरपट्टी सहीत दर्जनों विद्यालय में भी बीईओ द्वारा जांच कर कई आवश्यक निर्देश दिये गये। अन्य कई पदाधिकारियों ने भी गुरुवार को स्कूलों की जांच की। जांच के कारण पूरे दिन शिक्षकों में हड़कंप मचा रहा। बीईओ ने बताया कि जांच के बाद प्रतिदिन की रिपोर्ट विभाग को भेज दी जा रही है।

दूसरी बार शराब के साथ महिला आरोपित गिरफ्तार

थावे । थावे थाने के पुलिस ने शराब के विशेष छापेमारी अभियान के तहत शराब के साथ एक महिला तस्कर को भुसाव डेरा तीन मुहानी से गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष शशि रंजन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित भुसाव डेरा गांव के आरती देवी के पास मौजूद बोरी की तलाशी लेने पर 43 टेट्रा पैक देशी शराब बरामद हुआ। पूछताछ के बाद गिरफ्तार आरोपित के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि शराब मामले में गिरफ्तार तस्कर को दूसरी बार न्यायालय में भेजा रहा है। छापेमारी के दौरान एसआई पिंटू कुमार आदि पुलिस बल मौजूद थे।

ऋण समझौता शिविर में दर्जनों कर्जदार हुए ऋणमुक्त

गोपालगंज । गुरुवार को मांझा प्रखंड के गौसिया पंचायत में बैंक ऑफ इंडिया गोपालगंज शाखा द्वारा ऋण समझौता शिविर का आयोजन किया गया। मौके पर मौजूद वसूली विभाग के जोनल अधिकारी विक्रम झा ने ऋणधारकों को बैंक प्रबंधन महाछूट का लाभ देते हुए समझौता के आधार पर दर्जनों लाभुकों को ऋण से मुक्ति दी गयी। वही कर्ज से मुक्ति पाकर किसान काफी खुश नजर आए। वसूली अधिकारी ने एनपीए खाताधारकों से ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने की अपील की है। इस मौके पर शाखा प्रबंधक रितेश कुमार, बैंक अधिकारी विनोद कुमार, पूर्व मुखिया राधारमण मिश्रा, पैक्स अध्यक्ष प्रतिनिधि संजीव तिवारी सहित अन्य मौजूद थे।

चोरी से बिजली जला रहे चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

भोरे। भोरे प्रखंड में चोरी से बिजली जला रहे चार लोगों को पकड़ा गया। जिनके खिलाफ स्थानीय थाने में बिजली चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराने के साथ ही जुमार्ना भी लगाया गया है। बता दें कि बिजली विभाग के जेई राजीव कुमार के नेतृत्व में बिजली चोरी को लेकर एक टीम का गठन किया गया था। जिसमें विद्युत कर्मी प्रदीप यादव, कमलेश यादव और दत्तात्रेय तिवारी को शामिल किया गया था। इस टीम के द्वारा भोरे काली मोड़ में छापेमारी की गई। जहां मनीष कुमार सोनी के द्वारा बिना कनेक्शन अवैध रूप से बिजली जलाया जा रहा था। इसी कृत्य के लिए उनके खिलाफ 24728 रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

जाम से निजात दिलाने में असफल ट्रैफिक प्रभारी के वेतन पर रोक

गोपालगंज। शहर में आय दिन लग रही जाम की समस्या से निजात दिलाने में असफल रहे ट्रैफिक प्रभारी पर गाज गिर गयी है। एसपी ने ट्रैफिक प्रभारी के वेतन पर रोक लगाते हुए विभागीय कारवाई करने की अनुशंसा की है। इसकी जानकारी देते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि गुरूवार को शहर के एसएस बालिका उच्च विद्यालय के समीप ऑफिस जाने के क्रम में लोग लंबे समय से जाम में फंसे दिखे। जाम के कारण लोगो को हो रही परेशानी को देखते हुए व ट्रैफिक प्रभारी के द्वारा दायित्व का निवर्हन सही से नही करने पर वेतन पर रोक लगा दी गयी है। इसके साथ ही उनपर विभागीय कारवाई की अनुशंसा की ज रही है। एसपी ने बताया कि शहर को जाम से मुक्ति दिलाने को लेकर होमगार्ड जवानों की संख्या आठ से बढाकर 30 कर दी गयी थी।

सांखे बाजार में सीएसपी लूट के प्रयास के मामले में फरार लाइनर गिरफ्तार

उचकागांव प्रात : किरण संवाददाता

उचकागांव (एसएनबी) थाना क्षेत्र के सांखे बाजार में एक सप्ताह पूर्व सीएसपी को लूटने के प्रयास के मामले में फरार चल रहे एक प्राथमिकी अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिसे गुरुवार के दिन न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। बताया जा रहा है कि थाना अध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह को सूचना मिली की सात जुलाई के दिन सांखे बाजार में स्थित सीएसपी को लूटने का प्रयास करने के मामले में फरार चल रहा एक लाइनर सामपुर बाजार में घूम रहा है। सूचना के आधार पर सामपुर बाजार में पुलिस ने छापेमारी कर फरार चल रहे एक अप्राथमिकी अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिसकी पहचान थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव के दिलशाद अंसारी उर्फ गोपाल के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपित के पास से पुलिस ने लूट कांड में प्रयुक्त एक बाइक व एक मोबाइल भी बरामद किया है। बताया जा रहा है कि थाना क्षेत्र के सांखे खास गांव निवासी अजीत कुमार कुशवाहा सांखे बाजार में भारतीय स्टेट बैंक का सीएसपी चलाते हैं। बीते सात जुलाई के दिन सीएसपी पर दो ऑपरेटर काम कर रहे थे। इसी दौरान मोबाइल चार्जर खरीदने के नाम पर पहुंचे तीन बदमाशों ने हथियार के बल पर सीएसपी को लूटने का प्रयास किया। ऑपरेटरों के शोर मचाने पर बदमाश मौके से भागने लगे। इसी क्रम में बदमाशों के पिस्टल की मैगजीन सीएसपी में गिर गई। इसके बावजूद भी बदमाश भागने में सफल रहे। जिसके बाद मामले में थाना क्षेत्र के हरैया गांव निवासी सीएसपी पर तैनात ऑपरेटर सुधीर कुमार शर्मा के आवेदन पर तीन अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी कराई गई थी। तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने मामले का उद्भेदन करते हुए बदमाशों की पहचान कर ली। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि उक्त कांड में लाइनर का काम करने वाला एक अप्राथमिकी अभियुक्त सामपुर बाजार में घूम रहा है। सूचना के आधार पर मौके पर पुलिस टीम ने छापेमारी कर फरार चल रहे आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। जिसकी पहचान थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव के दिलशाद अंसारी उर्फ गोपाल के रूप में की गई है। पुलिस के पूछताछ में गिरफ्तार बदमाश ने कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर लिया है। जिसे गुरुवार के दिन पुलिस ने न्यायालय में प्रस्तुत किया। छापेमारी करने वाले पुलिस टीम में थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह, अपर थानाध्यक्ष इंद्रजीत कुमार, एसआई शमशाद रजा और एसआई स्वीटी कुमारी शामिल थी।

सामपुर नोनिया टोला में प्रेम प्रसंग के कारण प्रेमी के पिता की पीटकर हत्या

उचकागांव प्रात : किरण संवाददाता

उचकागांव थाना क्षेत्र के सामपुर नोनिया टोला में किशोरी के अपहरण के आरोप में अपहृत किशोरी के स्वजनों ने आरोपित युवक के पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना गुरुवार के दिन की है।सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। बताया जा रहा है कि थाना क्षेत्र के सामपुर नोनिया टोला गांव के एक किशोरी के प्रेम प्रसंग को लेकर पिछले डेढ़ माह से गांव के संजय साह और हरिकिशन साह के परिवार के बीच विवाद चल रहा था। बीते 31 मई 2023 को संजय साह के 15 वर्षीय बेटी का कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया था। जब वह घर से अपने विद्यालय पढ़ने जा रही थी। मामले में अपहृत किशोरी की मां ने घटना के अगले दिन ही अपने पट्टीदार पप्पू कुमार, उनके पिता हरिकिशन साह, मां संगीता देवी, बहन शोभा देवी, गांव के ही सुरेश साह और उनकी पत्नी उर्मिला देवी के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी कराई थी। जिसमें अपहृत किशोरी की मां ने आरोप लगाया था कि गांव के पप्पू कुमार उनकी बेटी का फोटो खींच लिए थे। जिसे वायरल करने की धमकी देकर जबरन शादी करने का दबाव बना रहे थे। जिसके बाद मामले में स्वजनों से पूछताछ करने गई अपहृत किशोरी के मां के साथ आरोपितों ने मारपीट करना भी शुरू कर दिया था। जहां से वह भागकर जान बचाई थी। प्राथमिकी के दो दिन बाद किशोरी के बरामद होने पर किशोरी के बयान के बाद न्यायालय ने अपहृत किशोरी को उसके स्वजनों को सौंप दिया था। मामले को लेकर तभी से दोनों परिवारों के बीच विवाद चल रहा था। इसी क्रम में गुरुवार के दिन एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के 50 वर्षीय हरिकिशन साह की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद सभी आरोपित मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। इस दौरान पुलिस ने मौके से हत्याकांड में प्रयुक्त खून से लथपथ एक बांस की लाठी और एक धारदार दाब को बरामद किया है। इस दौरान पुलिस ने छापेमारी कर पूर्व में अपहृत किशोरी की मां रेखा देवी और अजय कुमार गुप्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। समाचार लिखे जाने तक मामले में थाने में कोई प्राथमिकी नहीं कराई गई है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर जांच पड़ताल कर रही है।

नोएडा में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, पांडेय मथौली के युवक की मौत

उचकागांव प्रात : किरण संवाददाता

उचकागांव थाना क्षेत्र के पांडेय मथौली गांव के एक 30 वर्षीय युवक की उत्तर प्रदेश के नोएडा शहर में स्थित एक वस्त्र डिजाइनिंग कंपनी में शॉर्ट सर्किट में लगी आग में झुलसने से मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद मृतक के घर पर कोहराम मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि थाना क्षेत्र के पांडेय मथौली गांव निवासी उचकागांव पंचायत के पूर्व सरपंच रामप्रीत चैधरी के 30 वर्षीय बेटे संजय यादव उत्तर प्रदेश के नोएडा शहर के सेक्टर 63 गली नंबर 364 स्थित वस्त्र डिजाइनिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में सुपरवाइजर का काम करते थे। बुधवार की रात वे अपने कंपनी में काम कर रहे थे। इसी दौरान कंपनी में शार्ट सर्किट से लगी आग में बुरी तरीके से झुलसने से उनकी मौत हो गई। जिसकी सूचना मिलने के बाद मृतक के घर पर कोहराम मचा हुआ है। मृतक के वृद्ध पिता रामप्रीत चैधरी, पत्नी सुनीता देवी सहित पूरे परिवार का रो रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतक का शव लेने के लिए उनके भाई सहित अन्य स्वजन नोएडा के लिए रवाना हो गए है। घटना के बाद से उनके घर पर चीख-पुकार मची हुई है। जिसे मनाने के लिए आसपास के लोग लगे हुए हैं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर सीओ रवीश कुमार ने भी शोकाकुल परिवार को सांत्वना दिया।

पति की मौत के बाद सुनीता पर गिरा दुखों का पहाड़: उचकागांव थाना क्षेत्र के पांडेय मथौली गांव के युवक संजय यादव का नोएडा के एक कंपनी में शॉर्ट सर्किट से लगी आग में झुलसने से मौत के बाद उनके पत्नी सुनीता देवी पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जिसे मनाने के लिए पास पड़ोस के लोग लगे हुए हैं। अब सुनीता को ये समझ नहीं आ रहा है कि वे अपनी पूरी जिंदगी किसके सहारे गुजारेंगी। बताया जा रहा है कि यादवपुर थाना क्षेत्र के काकड़कुंड गांव की सुनीता देवी का विवाह वर्ष 2014 में पांडेय मथौली गांव निवासी पूर्व सरपंच रामप्रीत चैधरी के मंझलें बेटे संजय यादव के साथ हुई थी। शादी के बाद दोनों के दो बेटी दो वर्षीय निष्का कुमारी, चार वर्षीय नीतू कुमारी और एक बेटा सात वर्षीय निखिल कुमार है। बच्चों की अभी परवरिश भी ढंग से नहीं हो पाई थी कि इसी दौरान नोएडा के कंपनी में शॉर्ट सर्किट से आग लगने से पति संजय यादव की झुलसने से मौत हो गई। घटना के बाद तीनों बच्चों को अभी यह खबर भी नहीं है कि उनके सर से उनके पिता का साया उठ चुका है। सूचना के बाद पैतृक घर पर दहाड़ मारते हुए शपत्नी बेसुध होकर बार-बार बिस्तर पर गिर जा रही है। जिसे मनाने के लिए पास पड़ोस की महिलाएं लगी हुई थी। इस दौरान स्वजनों के चीख-पुकार से पूरा माहौल गमगीन हो जा रहा था।

गोपालगंज में 1306 लीटर शराब के साथ यूपी व चंपारण के तस्कर गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

गोपालगंज पुलिस ने यूपी से तस्करी कर लायी जा रही शराब की बड़ी खेप को बरामद किया है। इसके साथ ही यूपी व चंपारण के चार धधेबाजो को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से करीब 1306 लीटर देशी व विदेशी शराब के साथ-साथ एक पिकअप, एक बोलेरो, एक नाव व बाइक बरामद की गयी है।

इसकी जानकारी देते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि कटेया थाने के हरखा ब्रहम स्थाने के समीप वाहन जांच के दौरान एक पिकअप से करीब 855 लीटर शराब बरामद किया गया। इसके साथ ही यूपी के कुशीनगर जिले के कसेया थाना क्षेत्र के अंशु चैहान को गिरफ्तार कर लिया गया। वही जादोपुर थाने की पुलिस व एलटीएफ की टीम ने नाव से लाकर बोलेरो पर लोड की जा रही शराब की खेप को बरामद कर लिया। वही मोतीहारी जिले के हरसिद्धी थाने के सूरज कुमार, पहाडपुर थाने के राहुल कुमार और जादोपुर के रंजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार धंधेबाजों के पास से 451 लीटर देशी व विदेशी शराब के साथ-साथ एक पिकअप, एक नाव व दो बाइक भी बरामद की गयी है। पुलिस गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ करने में जुट गयी है। उन्होने बताया कि किसी भी हाल में जिले में शराब की तस्करी नही होने दी जाएगी। शराब तस्करी रोकने के लिए जहां बलथरी चेकपोस्ट पर हैंड स्कैनिंग मशीन से जांच की जा रही है। जबकि दियारे इलाके में ड्रोन कैमरे से नजर रखी जा रही है। साथ शराब तस्करों की कुंडली तैयार कर उनके खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

गजब! 691 छात्रों की बनी उपस्थिति, सत्यापन में मिले महज 298 छात्र

थावे प्रात : किरण संवाददाता

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के के पाठक आदेश पर प्रखण्ड के सभी सरकारी विद्यालयों की जांच की गयी। बीडीओ मनीष कुमार सिंह के द्वारा उत्क्रमित मध्य विद्यालय चितु टोला, उत्क्रमित मध्य विद्यालय विदेशी टोला, उत्क्रमित मध्य विद्यालय पाखोपाली, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बरारी जगदीश और मुखीराम हाई स्कूल थावे सहित अन्य विद्यालयों का निरीक्षण किया। जहां सभी विद्यालयों में शिक्षक और छात्र उपस्थित मिले। वही मुखीराम हाई स्कूल में शिक्षकों की उपस्थिति ठीक थी। पर जांच के दौरान विद्यालय में कुल 2179 नामांकित छात्रों की संख्या है। जबकि छात्रों की उपस्थिति पंजी पर 691 छात्रों की उपस्थिति बनाई गई थी। बीडीओ के भौतिक सत्यापन के दौरान छात्रों की उपस्थिति 298 ही पाई गई। जिसमें वर्ग नौ में 210, वर्ग दस में 85 और इंटर सेकंड ईयर में मात्र तीन ही छात्र उपस्थित पाए गए। लेकिन भौतिक सत्यापन की तुलना में 393 छात्र कम पाए गए। इससे संकेत मिलता है कि विद्यालय के शिक्षकों द्वारा जो बच्चे अनुपस्थित है। उनका भी उपस्थिति पंजी में हाजिरी बना दिया जाता है। वही प्रखण्ड लेखापाल शैलेन्द्र कुमार मधुकर द्वारा अपग्रेड हाई स्कूल लछवार, मध्य विद्यालय रामचंद्रपुर व उत्क्रमित मध्य विद्यालय गवन्दरी आदि विद्यालयों की जांच की गई। जहाँ शिक्षकों की उपस्थिति के साथ ही छात्रों की उपस्थिति ठीक रही। इसके साथ ही प्रखण्ड के अन्य विद्यालयों की जांच प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों द्वारा की गई।

फुलवरिया में गठित टीम ने की विद्यालयों का जांच

फुलवरिया प्रात : किरण संवाददाता

गुरुवार को अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग के आदेश के आलोक में एवं जिला पदाधिकारी के निदेर्शानुसार गठित टीम ने विभिन्न विद्यालयों का जांच किया। गठित टीम में बीडीओ अजीत कुमार रौशन, सीओ वेद प्रकाश नारायण बीईओ रत्ना घोष जांच टीम में शामिल रहे। जांच के दौरान विद्यालय के वस्तुस्थिति से गठित टीम के अधिकारी रूबरू हुए।

मध्यान भोजन बच्चों की उपस्थिति तथा शिक्षकों की उपस्थिति के अलावा अन्य कागजातों का अवलोकन भी किया। बीडीओ श्री रौशन के निरीक्षण के दौरान बिना सूचना के एक भी शिक्षक अनुपस्थित नहीं पाए गए। उन्होंने ने बताया की शिक्षकों के साथ-साथ छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बिल्कुल सम्मान पाया गया। बीईओ रत्ना घोष ने बताई की विद्यालयों के जांच से शिक्षकों में सतर्कता बढ़ गई हैं। साथ ही बताई कि विभागीय स्तर से मिले दिशा-निर्देश के आलोक में विद्यालयों की जांच की जा रही है। इसे लेकर सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक अपने कागजात एवं विद्यालयों में असैनिक आदि कार्यो की कागजी तैयारी में व्यस्त दिखे रहे हैं। सीओ वेद प्रकाश ने बताया कि विद्यालयों में पठन-पाठन आदि कार्य नियमित व सुचारू मिले तथा छात्र छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए लगातार निगरानी जारी है एवं शिक्षक भी अध्यापन कार्य में अच्छी रूचि ले रहे हैं।

पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज में भाजपा विधायक सहित कई कार्यकर्ता घायल

छपरा। विधानसभा मार्च में छपरा से गए बड़ी संख्या में कार्यकताओं को पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज में घायल हुए महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रवाल, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह महामंत्री विवेक कुमार सिंह, जिला मीडिया प्रभारी बलवंत सिंह प्रदेश के पूर्व उपाध्यक्ष ब्रजेश रमण सहित दर्जनों कार्यकर्ता एवं महिलाओं के साथ बिहार पुलिस के जवानों ने दुर्व्यवहार किया एवं बहुत ही बर्बरता पूर्वक पिटाई की। कार्यकर्ता एवं सांसद गंभीर रूप गंभीर रूप से घायल हो गए। पूर्व मंत्री महाचंद्र प्रसाद सिंह, जिला महामंत्री धर्मेंद्र कुमार साह प्रदेश कार्यसमिति सदस्य उपेंद्र सिंह ने आईजीएमएस पहुंचकर सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल का हालचाल जाना। जिला महामंत्री विवेक कुमार सिंह एवं मीडिया प्रभारी ने बताया कि वे लोग प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में उनके साथ विधानसभा मार्च कर रहे थे सब कुछ शांतिपूर्ण चल रहा था इसी बीच पुलिस में कुछ राजद के लोग भी थे जिन्होंने बेवजह लाठीचार्ज कर दिया

सारण को धरती से हमेशा हुआ है नया आगाज: उमेश सिंह कुशवाहा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। छपरा स्थित प्रेक्षा गृह में आयोजित सारण प्रमंडलीय समीक्षा बैठक प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता मे की गई जिसका संचालन पूर्व विधान पार्षद प्रमंडल प्रभारी सतीश कुमार ने किया बैठक को संबोधित करते हुए बिहार जदयू के प्रदेश अध्यक्ष श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि सारण की धरती से हमेशा नया आगाज हुआ है। इस बार देश मे जो आरकजकता का माहौल बना उसे खत्म करने के लिए भी यहा से नया आगाज कर इस तानाशाह सरकार को उखाड़ फेकना है। आज हमारा देश फिर से नाजुक मोड़ पर खड़ा है, देश में आपातकाल की स्थिति बनी हुई है, लोकतंत्र का आंचल लहूलुहान है, संविधान को ताक पर रखकर सरकार मनमाने ढंग से है शासन चला रही है, बेरोजगारी और महंगाई चरम सीमा पर है यानी कुल मिलाकर मौजूदा सरकार ने देश की आम जनता के साथ हर तरीके से विश्वासघात करने का काम किया है और सभी मोर्चे पर केंद्र सरकार विफल रही है। इस लिहाज से 2024 की लड़ाई हम सभी के लिए बेहद ही महत्वपूर्ण होने वाली है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के पहल पर 23 जून को पटना में आयोजित विपक्षी एकता की बैठक में देशभर के सभी विपक्षी पार्टियों ने पूरी एकजुटता से भाजपा को शिकस्त देने का संकल्प लिया है, और इस संकल्प सिद्धि के लिए पार्टी के कार्यकताओं को बूथ स्तर पर संगठन को मजबूती प्रदान करने एवं संगठन को एकजुट रखने की आवश्यकता है। साथ ही प्रमंडलो में जाकर विकास पुरुष श्री नीतीश कुमार जी में आस्था रखने वाले उन तमाम साथियों से मिल कर जो उनके नेतृत्व में महापरिवर्तन के महायज्ञ का हिस्सा बनना चाहते हैं उनको जोड़ेंगे हमारा देश आज जिस तरह की परिस्थितियों से गुजर रहा उसमें जदयू के कार्यकताओं की जिम्मेदारी बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है परन्तु हमें पूरा विश्वास है हमारे संगठन के कार्यकर्ता और पदाधिकारी इसी जिम्मेदारी निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगे। साथ ही बिहार के सभी 40 लोक सभा सीटों पर महागठबंधन की जीत को सुनिश्चित करने का करेंगे, प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा की जिला और राज्य तब मजबूत होगा जब हमारा प्रखंड , पंचायत और बूथ मजबूत होगा आप सब कार्यकताओं और नेताओं के जिम्मे बहुत बड़ी जिमेवारी है और अपनी काम पूरे मन से कीजिए आधे मन से कोई काम नहीं करना चाहिए मेरे रहते आप लोगो का हकमारी नही हो सकती । बैठक मे मुख्य रूप से छपरा जिलाध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू , सिवान जिलाध्यक्ष चन्द्रकेतु सिंह, गोपालगंज जिलाध्यक्ष आदित्य शंकर शाही , सांसद कविता सिंह, पूर्व सांसद लालबाबू राय, प्रदेश महासचिव चंदन कुमार सिंह, रणविजय कुमार, पूर्व मंत्री मुनेश्वर चैधरी, गौतम सिंह, विक्रम कुंवर, रामसेवक सिंह, पूर्व विधायक, धूमल सिंह, हेमनारायण साह, सत्यदेव सिंह, पूर्व उप सभापति सलीम परवेज, जिला प्रवक्ता सुनील कुमार, जिला प्रवक्ता बृजकिशोर सिंह, जावेद आव्वास जयप्रकाश यादव, अरशद परवेज, महेश सिंह एवम प्रमंडल के सभी विधानसभा प्रभारी एवं प्रखंड अध्यक्ष उपस्थित रहे।

मंत्री, समाज कल्याण विभाग ने कार्यशाला का दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। मिशन शक्तिह्व के तहत महिला सशक्तिकरण के लिए हब के बारे में उन्मुखीकरण, आई.सी.डी.एस के अंतर्गत कार्य करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकताओं एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं की सेवा काल के दौरान मृत्यु उपरांत आश्रितों को मिलने वाले अनुदान राशि के लिए अनुग्रह अनुदान पोर्टल का शुभारंभ, साथ ही समुदाय में पोषण व स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के लिए ह्लचटकारे जिंदगी केह्व विडियो श्रृंखला का आज विमोचन किया जा रहा है।

उक्त बातें मदन सहनी, मंत्री, समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार ने एक दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए कहीं। कार्यक्रम में सचिव, समाज कल्याण विभाग, प्रेम सिंह मीणा, प्रबंध निदेशक, महिला एवं बाल विकास निगम, वंदना प्रेयसी, निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं, बिहार डॉ. कौशल किशोर, निदेशक पी.सी.आई, महिला विकास नगर निगम की टीम, आई.सी.डी.एस टीम सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

हब है महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए पहल समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि मिशन शक्ति के तहत ह्लसामर्थ्यह्व उप योजना के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण हेतु राज्य स्तर पर ह्लहब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेनह्व की स्थापना की जानी है. माननीय मंत्री ने बताया कि ह्लसामर्थ्यह्व उप योजना के घटकों में शक्ति सदन, सखी निवास, कामकाजी महिला छात्रावास के साथ राष्ट्रीय क्रेच योजना (पालना घर) एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना योजना की मौजूदा योजनाओं को अब ह्लसामर्थ्यह्व में शामिल किया गया हैद्य उन्होंने बताया कि अनुग्रह अनुदान पोर्टल में आंगनवाड़ी कार्यकताओं एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं के सेवाकाल में मृत्यु के उपरांत उनके आश्रितों को 4 लाख अनुदान देने का प्रावधान हैद्य इस पोर्टल के माध्यम से अनुग्रह अनुदान की राशि प्राप्त करने के लिए आश्रितों के द्वारा ऑनलाइन आवेदन एवं उसकी स्थिति की जानकारी सरलता से उपलब्ध हो पायेगी, इससे निर्धारित समय एक माह में अनुदान मिलने की प्रक्रिया पूर्ण हो पायेगीद्य

चटकारे जिंदगी केह्व समुदाय में स्वास्थ्य एवं पोषण के संदेशों को पहुंचाने की एक अलग पहल मंत्री ने बताया कि समुदाय में स्वास्थ्य एवं पोषण के संदेशों को पहुचाने हेतु नाटकीय अंदाज में प्रस्तुत करने के लिए ह्लचटकारे जिंदगी केह्व एक एडूटेनमेंट ड्रामा सिरीज तैयार की गयी हैद्य यह सीरीज गर्भवती, धात्री महिलाओं एवं बच्चों को ध्यान में रखकर परिवार नियोजन, जेंडर समानता, पोषण शिक्षा, पोषण बगीचा, संस्थागत प्रसव, ससमय ऊपरी आहार आदि पर बनाया गया है।

उन्मुखीकरण कार्यशाला से सबका मिलेगा लाभ: कार्यशाला को संबोधित करते हुए सचिव, समाज कल्याण विभाग, प्रेम सिंह मीणा ने कहा कि उन्मुखीकरण कार्यशाला एवं अन्य योजनाओं के विमोचन से महिला सशक्तिकरण, समुदाय में स्वास्थ्य एवं पोषण के संदेशों को प्रसारित करने एवं अनुग्रह अनुदान पोर्टल के माध्यम से शीघ्र अनुदान प्राप्त करने के पहल को एक नयी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आई.सी.डी.एस निदेशालय, पीसीआई, एनआईसी, डब्लूडीसी एवं समाज कल्याण विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मियों को धन्यवाद देता हूँ। डॉ. कौशल किशोर, निदेशक, आईसीडीएस ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के एजेंडों पर विस्तार से चर्चा की और इसके महत्त्व के बारे में प्रकाश डाला द्य निदेशक पीसीआई ने ह्लचटकारे जिंदगी केह्व वीडियो सीरिज के प्रत्येक विषय पर प्रतिभागियों का उन्मुखीकरण किया द्य साथ ही पोषण ट्रैकर डैशबोर्ड के माध्यम से अनुश्रवण हेतु विभिन्न इंडिकेटर को बिन्दुवार प्रतिभागियों को बारीकी से बताया गयाद्य तदोपरांत कार्यक्रम का समापन किया गया।

राष्ट्रीय ब्राम्हण महासंघ के पदाधिकारियों ने दी सीए सौरभ को बधाईयां

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। दिघवार नगर पंचायत के हेमतपुर वार्ड संख्या 12 निवासी लघु सिंचाई विभाग के कर्मी सुमन तिवारी के पुत्र सौरव कुमार ने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया के द्वारा आयोजित किए सीए फाइनल बोथ ग्रुप क्वालिफाइड एग्जाम में सफलता हासिल करने पर राष्ट्रीय ब्राम्हण महासंघ ने सौरव को बधाई देने उनके आवास पहुँचे।संघ के प्रदेश पदाधिकारियो के अतिरिक्त सारण जिला के भी संघीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। विदित हो कि सौरव कुमार के पिता सुमन तिवारी लघु सिंचाई विभाग में कर्मचारी हैं एवं माता संजू तिवारी शिक्षिका हैं। सौरव ने अपनी प्रारंभिक से लेकर इंटरमीडिएट तक की शिक्षा दिघवारा में रहकर ही पूर्ण की है। इसके बाद उसने सीए की तैयारी हेतु दिल्ली में एडमिशन लिया। वहीं पर तैयारी कर सौरव ने यह सफलता हासिल की है। उनकी इस सफलता पर परिवार में खुशी का माहौल है। वहीं क्षेत्र के लोग व शिक्षक समाज मे भी हर्ष है।एक साधारण परिवार का बच्चा जब बडी सफलता हासिल करता है तो यह आम लोगो के लिए प्रेरणा दाई होता है। बधाई देने वालों में राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के विद्वत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राकेश मिश्र, प्रदेश सचिव सह वैशाली जिला प्रभारी राकेश द्विवेदी, सारण जिला अध्यक्ष रविंद्र नाथ मिश्रा, महसचिव राज

सम्पादकीय

जीतना है, तो जिताओ

शब्द खो जाते हैं, कहानियां जीवित रहती हैं। यही कारण है कि हमारा प्राचीन ज्ञान रामायण, महाभारत, गीता, पंचतंत्र आदि मुख्यतः कहानियां हैं और इसीलिए वे आज भी जीवित हैं और प्रासंगिक हैं। रामायण, महाभारत अथवा गीता को कहानी कहने का मेरा मकसद यह नहीं है कि मैं उनकी प्रामाणिकता पर शक कर रहा हूं, बल्कि मैं यह कहना चाहता हूं कि लंबी गुलामी और सैकड़ों-हजारों आक्रमणों के बावजूद रामायण और महाभारत के उपदेश आज भी इसलिए जीवित हैं क्योंकि वे कहानी के प्रारूप, या यूं कहें कि कहानी की भाषा में कहे गए, इसलिए सदियों से वे एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को विरासत के रूप में सौंपे जा सके। यही कारण है कि अपनी बात कहने के लिए मैं अक्सर कहानियों का सहारा लेता हूं। आज भी अपनी बात मैं एक कहानी से ही शुरू कर रहा हूं। यह कहानी एक किसान की है जो अपने क्षेत्र में सबसे बढिा गुणवत्ता का अनाज उगाता था। उसे हर साल बढिा गुणवत्ता का अनाज उगाने के लिए पुरस्कार मिला करता था। उसे अपनी उपज के लिए अन्य किसानों के मुकाबले पैसा भी अधिक मिलता था। एक बार एक अखबार के संवाददाता ने उस किसान का इंटरव्यू किया तो उस संवाददाता को भी जीवन का एक ऐसा सबक सीखने को मिला जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। वह किसान उन्नत किस्म के बीज लाता था और उसे अपने आसपास के खेत वाले किसानों में भी बांट देता था।

संवाददाता को जब इस तथ्य का पता चला तो वह बहुत हैरान हुआ और उसने उस किसान से पूछा, आप जानते हैं कि आपके पड़ोसी किसान भी उस प्रतियोगिता में भाग लेंगे जिसमें आपको हर वर्ष पुरस्कार मिलता है, तो भी आप बढिा गुणवत्ता के बीज उनमें बांट देते हैं। क्या आपको डर नहीं लगता कि इससे वे पुरस्कार जीत जाएंगे और आप अपनी मेहनत के बावजूद पिछड़ जाएंगे? इस पर किसान ने कहा, पकते हुए अनाज से पराग कण पैदा होते हैं। हवा और पक्षी उसे आसपास की जमीन पर बिखरा देते हैं। प्रकृति इसी से फलती-फूलती है। प्रकृति का यह नियम मुझ पर भी लागू होता है। यदि मेरे आसपास के खेतों में घटिया अनाज उगेगा तो वहां के पराग कण मेरे खेतों में भी आएंगे और उससे मेरे अनाज की गुणवत्ता घटती चली जाएगी। अगर मैं अच्छी गुणवत्ता का अनाज उगाना चाहता हूं तो यह आवश्यक है कि मेरे पड़ोसी भी अच्छी गुणवत्ता का अनाज उगाएं। हमारे जीवन में भी ऐसा ही होता है। यदि हम चाहते हैं कि हमारा जीवन खुशहाल हो तो हमें अपने समाज को भी खुशहाल बनाना होगा। गांधी जी ने एक बार कहा था, मेरा जीवन ही मेरा संदेश है।

मैंने अपने जीवन में इसे कई बार अनुभव किया है। थायरोकेयर टैक्नालॉजीज के चेयरमैन ए. वेलुमनी भी एक ऐसे ही व्यक्ति हैं जिनका जीवन उनका संदेश है। उन्होंने थायरायड के टेस्ट के लिए देश की सर्वाधिक उन्नत प्रयोगशाला स्थापित की। इसके बावजूद देश भर में सबसे सस्ती दरों पर थायरायड का टेस्ट करना शुरू किया। इससे उनका व्यवसाय तेजी से फला-फूला। फिर उन्होंने देश भर में अपनी कंपनी के फ्रैंचाइज दिए। उनका फ्रैंचाइज माडल इतना आकर्षक था कि फ्रैंचाइजी खिंचे चले आए। अब थायरायड टेस्ट की दरों को उन्होंने इस प्रकार बनाया कि उनके फ्रैंचाइजी को उनसे भी ज्यादा मुनाफा मिले। इससे उनका व्यवसाय और भी तेजी से बढ़ा और आज वे थायरायड का टेस्ट करने वाली विश्व की सबसे बड़ी प्रयोगशाला के चेयरमैन हैं। वे भी इस नियम में ही विश्वास रखते हैं कि जीतना है, तो पहले अपने आसपास के लोगों को जिताना होगा। रामायण की बात करें तो भगवान राम के जीवन चरित्र से हमें एक महत्त्वपूर्ण शिक्षा मिलती है। वे जंगल में अकेले थे।

रावण ने माता सीता का हरण कर लिया था। उनके पास न सीता का पता लगाने का कोई साधन था, न उन्हें वापस पाने का कोई सिलसिला। अपने दुख के क्षणों में भी उन्होंने सुग्रीव की सहायता की। सुग्रीव को बाली के प्रकोप से छुटकारा दिलाया, उन्हें राजा बनाया। लाभ यह हुआ कि पूरी वानर सेना उनकी अपनी सेना बन गई। जंगलों में भटक रहा एक साधनहीन व्यक्ति अचानक एक साधन-संपन्न योद्धा बन गया। हम गांधी जी को पूजते हैं, मदर टेरेसा का सम्मान करते हैं, तो इसलिए कि उन्होंने अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए सोचा, समाज के उत्थान के लिए काम किया। गांधी जी जीवन के एक और नियम का बखान करते थे। वे कहते थे, इस धरती में इतनी क्षमता है कि वह हर किसी की आवश्यकता पूरी कर दे, पर यह संभव नहीं है कि वह हर किसी का लालच भी पूरा कर दे। हम अक्सर डरपोकों का जीवन जीते हैं। हम इसलिए चीजें इकी करते हैं ताकि हमारा भविष्य सुरक्षित हो। इस लालच में हम जमाखोर बन जाते हैं।

लालच बढ़ता चलता है तो जमाखोरी भी बढ़ती है, लेकिन साथ-साथ डर भी बढ़ता जाता है कि हमारी सुविधाएं छिन न जाएं, जिससे और लालच बढ़ता है, और जमाखोरी बढ़ती है और परिणामस्वरूप तनाव बढ़ता है। इस प्रकार हम एक अंतहीन चूहादौड़ का हिस्सा बनकर अपने ही बनाए जाल में फंस जाते हैं और जीवन के असली आनंद से महरूम हो जाते हैं। जीवन का आनंद लेना हो तो अत्यधिक लालच से बचना चाहिए और सब्र रखना चाहिए। अंग्रेजी वर्णमाला का पहला अक्षर ए है, लेकिन एक से 999 तक की गिनती के हिज्जों (स्पेलिंग) में ए कहीं नहीं आता। ए सर्वप्रथम थाउजैंड में आता है। अंग्रेजी वर्णमाला का पहला अक्षर होने के बावजूद उसे सब्र रखना पड़ा। समय और मौका सबको मिलता है, लेकिन उसके लिए कर्म और सब्र आवश्यक है। गांधी जी कहा करते थे कि आप कर्मों के फल के बारे में पहले से कुछ नहीं जान सकते, लेकिन यदि आप कर्म नहीं करेंगे तो फल होगा ही नहीं। कर्म, सब्र और अपने आसपास के समाज की जीत का नजरिया ही आपकी जीत सुनिश्चित करता है। सफलता का यही मंत्र है, जीवन का यही मंत्र है! इस मंत्र को अपनाकर ही हम जीवन में सफल हो सकते हैं। इस मंत्र को आज से ही अपना लें।

कैसी हो हमारी स्कूली शिक्षा

डा. वरिंदर भाटिया

हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की तरफ से स्कूली शिक्षा को लेकर परफॉर्मिंग ग्रेड इंडेक्स (पीजीआई) जारी किया गया है। इस साल चंडीगढ़ और पंजाब सबसे ऊपर हैं। केरल और महाराष्ट्र संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शिक्षण व्यवस्था के लिए पीजीआई जारी होता है। 1000 नंबर में से मिले नंबर से रैंकिंग तय की जाती है। इंडेक्स में लर्निंग आउटकम, समानता और बुनियादी ढांचे और अन्य आधार पर 1000 में से प्राप्त नंबर के आधार पर दस ग्रेड में रैंकिंग की जाती है। लेकिन पहले पांच लेवल (701 से 1000 नंबर) में किसी राज्य को जगह नहीं मिली है। सबसे ऊपर रैंकिंग वाले चंडीगढ़ और पंजाब को छठे लेवल इफर्ट-2 में जगह मिली है। यह 1000 में से 641-700 के बीच स्कोर को दिखाता है। पिछले साल सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों- केरल, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और आंध्र प्रदेश ने 1000 में से 901 और 950 अंक के बीच स्कोर किया था। इस बार इफर्ट-3 लेवल में शामिल पंजाब और चंडीगढ़ के बाद गुजरात, केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, पुड्डुचेरी और तमिलनाडु का नाम है। इन राज्यों को इफर्ट-3 (581-640) लेवल में शामिल किया गया है। इसके बाद एसपिरेंट-1 लेवल (521-580) में अंडमान निकोबार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गोवा, सिक्किम, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और हिमाचल हैं। एसपिरेंट-2 (461-520) की लिस्ट में असम, नागालैंड, बिहार, ओडिशा, जम्मू और कश्मीर, तेलंगाना, झारखंड, त्रिपुरा, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, लद्दाख और उत्तराखंड हैं। अंतिम लेवल एसपिरेंट-3 (401-460) में तीन राज्य अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिजोरम को शामिल किया गया है। 10 पैमानों पर कोई राज्य खरा नहीं उतरा। नई शिक्षा नीति आने के बाद 2021-22 में पीजीआई को पुनर्गठित किया गया है। हालांकि सभी 10 पैमानों पर किसी भी राज्य को पूरे अंक नहीं मिले हैं। स्कूली शिक्षा का हमारे देश के लिए बड़ा महत्त्व है। शिक्षा एक व्यापक लक्ष्य है। शिक्षा बच्चों के अंदर विचार और कर्म की स्वतंत्रता विकसित करती है। दूसरों के कल्याण और उनकी भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता उत्पन्न करती है। शिक्षा हर वर्ग के लिए अनिवार्य है। वास्तव में शिक्षा पर होने वाले विचार-विमर्श को इनकी वास्तविकताओं के संदर्भ में रखकर देखा जाए। शिक्षा को सर्वव्यापी बनाने की सोच और यह विचार कि सभी बच्चों को स्कूल जाना चाहिए, शिक्षा और विकास के क्षेत्र में काम कर रहे हम में से अधिकांश लोगों के दिलो-दिमाग पर छाया हुआ है। स्कूली शिक्षा दुनिया भर के देशों की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बच्चों को स्कूल जाने में मदद करने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने की पहल विकास और समृद्धि के परिदृश्य को बदल सकती है। वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट 2021 के अनुसार अखिल भारतीय स्तर पर 6-14 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए, निजी स्कूलों में नामांकन 2018 में 32.5 फीसदी से घटकर 2021 में 24.4 प्रतिशत हो गया है। निरंतर विकास दर्ज करने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कुछ उपाय किए जाने चाहिएं। किसी भी समाधान और परिवर्तन के साथ शुरूआत करने के लिए समस्या के मूल कारण की पहचान करना महत्त्वपूर्ण है।

सत्ता के लालच में साख गंवाती भाजपा

देश में कम्युनिस्ट पार्टियों के बाद अनुशासन के मामले में सख्त मानी जाने वाली भाजपा का अनुशासन अब तार-तार हो गया है। भाजपा में वफादारी की बात करना अब बेमानी हो गया है। सत्ता के लालच में पार्टी के नेता कब कौन सा कदम उठा ले किसी को पता नहीं है। 2014 के बाद तो भाजपा पूरी तरह बदल गयी है। इस समय की भाजपा सत्ता की इतनी भूखी हो गई है कि सत्ता मिलते देख वह अपने जन्मजात दुश्मनों को भी गले लगाने से परहेज नहीं कर रही है। जब 1980 में जनता पार्टी से अलग होकर भाजपा का गठन किया गया था। उस समय राजनीतिक रूप से तो भाजपा कमजोर थी मगर चारित्रिक रूप से बहुत मजबूत थी। भाजपा के अनुशासन व संगठन को लेकर सभी राजनीतिक दलों में चर्चाएं होती थी। अपने वफादार कार्यकताओं के बल पर भाजपा हर समय संघर्ष करने को तैयार रहती थी। पार्टी नेताओं के एक इशारे पर पार्टी कैडर मरने मारने पर उतारू हो जाता था। पार्टी के कार्यकर्ता भूखे रहकर महीनों तक चुनाव में पार्टी के लिए मेहनत करते थे।

रमेश सर्राफ धमोरा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

कभी चाल, चरित्र, चेहरे की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब पूरी तरह से बदल गई है। सत्ता के लालच ने भाजपा का चरित्र ही बदल कर रख दिया है। देश में कम्युनिस्ट पार्टियों के बाद अनुशासन के मामले में सख्त मानी जाने वाली भाजपा का अनुशासन अब तार-तार हो गया है। भाजपा में वफादारी की बात करना अब बेमानी हो गया है। सत्ता के लालच में पार्टी के नेता कब कौन सा कदम उठा ले किसी को पता नहीं है। 2014 के बाद तो भाजपा पूरी तरह बदल गयी है। इस समय की भाजपा सत्ता की इतनी भूखी हो गई है कि सत्ता मिलते देख वह अपने जन्मजात दुश्मनों को भी गले लगाने से परहेज नहीं कर रही है।

जब 1980 में जनता पार्टी से अलग होकर भाजपा का गठन किया गया था। उस समय राजनीतिक रूप से तो भाजपा कमजोर थी मगर चारित्रिक रूप से बहुत मजबूत थी। भाजपा के अनुशासन व संगठन को लेकर सभी राजनीतिक दलों में चर्चाएं होती थी। अपने वफादार कार्यकताओं के बल पर भाजपा हर समय संघर्ष करने को तैयार रहती थी। पार्टी नेताओं के एक इशारे पर पार्टी कैडर मरने मारने पर उतारू हो जाता था। पार्टी के कार्यकर्ता भूखे रहकर महीनों तक चुनाव में पार्टी के लिए मेहनत करते थे।

मगर अब नजारा पूरी तरह से बदल गया है। आज भाजपा का कार्यकर्ता सुविधा भोगी हो गया है। सबको सत्ता का लालच आ गया है। पार्टी का हर कार्यकर्ता पांच सितारा जिंदगी में जीना चाहता है। भाजपा का छूटभैया नेता भी आज बड़ी-बड़ी लग्जरी गाड़ियों में घूम रहा है। एक समय पाई पाई के लिए मोहताज रहने वाले पार्टी कार्यकताओं के पास अचानक ही लग्जरी लाइफस्टाइल बिताने के लिए इतना धन कहां से आया इस बात से पार्टी के बड़े नेताओं को कोई मतलब नहीं रहता है। सत्ता पाने की होड़ में पार्टी आलाकमान उस बात से भी आंख मूंद लेती है जिससे पार्टी की छवि खराब हो रही है।

पार्टी की स्थापना करने के बाद अटल बिहारी वाजपेई, लालकृष्ण आडवाणी, नानाजी देशमुख, विजय राजे सिंधिया, भैरोंसिंह शेखावत, कुशाभाऊ ठाकरे, सुंदर सिंह भंडारी, कल्याण सिंह, मुरली मनोहर जोशी, शांता कुमार, सुंदरलाल पटवा, श्यामाचरण सकलेचा, मदन लाल खुराना, जगदीश प्रसाद माथुर, विजय कुमार मल्होत्रा, जाना कृष्णमूर्ति, एम वेंकैया नायडू, सूरजभान जैसे बहुत से नेताओं ने पार्टी को बनाने में अपना सब कुछ खफा दिया था। पार्टी में इन वरिष्ठ नेताओं का जब तक दबदबा रहा तब तक पार्टी सत्ता पाने की दौड़ में शामिल नहीं हुई थी।

अटल, आडवाणी युग में भाजपा ने अपने को जमीनी स्तर पर बहुत मजबूत किया था। जिसका ही नतीजा है कि आज भाजपा देश में शासन कर रही है। एक समय था जब अटल बिहारी बाजपेई ने सिद्धांतों से समझौता नहीं कर के प्रधानमंत्री का पद गंवा दिया था। उस दौर में पार्टी के लिए सत्ता से बड़े सिद्धांत होते थे। मगर अब सब कुछ बदल गया है। आज के समय में सत्ता हासिल करना ही पार्टी का मुख्य उद्देश्य बन गया है।

2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने और अमित शाह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने उसके बाद से पार्टी में पुराने नेताओं, पुराने कार्यकताओं को धीरे-धीरे पीछे धकेला जाने लगा। उनके स्थान पर फाइव स्टार कल्चर के नए-नए लोगों को आगे बढ़ाए जाने जाने लगा। भाजपा के बारे में माना जाता था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का पार्टी पर पूरा नियंत्रण रहता है। संघ की इजाजत के बिना पार्टी में पत्ता भी नहीं हिल सकता है। मगर मौजूदा परिस्थितियों में लगता है कि संघ का पार्टी पर से नियंत्रण समाप्त हो गया है। संघ के पदाधिकारी भी आज मौन रहकर पार्टी के सत्ता लोलुप स्वरूप को देख रहे हैं। पार्टी की नीतियों में हस्तक्षेप करने की संघ में भी हिम्मत नहीं रह गई है। इसीलिए भाजपा के बड़े नेता मन मुताबिक फैसले लेकर काम कर रहे हैं।

आज भाजपा में दूसरे दलों से आए नेताओं का बोलबाला हो रहा है। पार्टी के शासन वाले बहुत से राज्यों में दूसरे दलों से आए नेताओं को मुख्यमंत्री, मंत्री बनाया गया है। ऐसे ही संगठन में दूसरी पार्टी से आए नेता प्रमुख पदों पर बैठे हुए हैं। हाल ही में पंजाब भाजपा के अध्यक्ष बनाए गए सुनील जाखड़ तो कुछ माह पूर्व ही भाजपा में शामिल हुए थे। कांग्रेस पार्टी में तवज्जो नहीं मिलने के चलते सुनील जाखड़ भाजपा में आ गए थे। पूर्व में वह पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसी तरह असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन वीरेंन सिंह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होकर राज कर रहे हैं। उन प्रदेशों में जो पार्टी कैडर के कार्यकर्ता थे उनका आज पता ठिकाना भी नहीं है कि वो लोग कहां गुमनामी में खो गए हैं।

भाजपा के मौजूदा नेतृत्व ने जब 2015 में जम्मू कश्मीर में जम्मू कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के मुफ्ती मोहम्मद सईद फिर उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती के साथ मिलकर सरकार बना ली थी उसी दिन से भाजपा के सभी सिद्धांत समाप्त हो गए थे। सत्ता के लिए मुफ्ती मोहम्मद सईद व महबूबा मुफ्ती जैसे भारत विरोधी विचारधारा के कट्टरपंथी नेताओं के साथ सरकार बनाना भाजपा द्वारा अपने सभी सिद्धांतों को तिलांजलि देने के समान था।

इसके साथ ही भाजपा जहां चुनाव नहीं जीत सकती वहां जोड़-तोड़ कर सरकार बनाना शुरू कर दिया। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर इसके पहले शिकार हुए। उसके बाद 2018 में कर्नाटक व मध्य प्रदेश में विधानसभा का चुनाव हार जाने के बाद भाजपा ने वहां दलबदल करवाकर अपनी सरकार बना ली थी। उसी का नतीजा है कि पिछले दिनो संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को कर्नाटक में करारी हार झेलनी पड़ी थी। इसी तरह महाराष्ट्र में भी भाजपा ने पहले शिवसेना में और अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में तोड़फोड़ करवा कर अपनी सरकार बनायी है।

हालांकि भाजपा के नेताओं को भी पता लग गया है कि जोड़-तोड़ कर बनाई सरकार को मतदाता स्वीकार नहीं करते हैं। मतदाताओं को जब भी कर्नाटक की तरह मौका मिलता है वह बुरी तरह हरवा देते हैं। इसी साल के अंत में मध्यप्रदेश विधानसभा के चुनाव होने हैं। मौजूदा परिस्थितियों से वहां भाजपा कि स्थिति सही नहीं लग रही है। इसी तरह महाराष्ट्र में भी एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में भाजपा सहित कई दलों की सरकार चल रही है। मगर सरकार में शामिल दलों कि आपसी खींचतान के चलते महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में बहुत से पद खाली पड़े हैं।

भाजपा आलाकमान ने यदि अपनी नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पार्टी के वफादार लोग पार्टी से दूर होते चले जाएंगे। फिर भाजपा में सिर्फ दलबदलू व मौकापरस्त लोगों का जमावड़ा रह जाएगा। जिनके बल पर भाजपा लंबे समय तक नहीं चल पाएगी। भाजपा के कमजोर होते ही दूसरे दलों से आए सत्यपाल मलिक, यशवंत सिन्हा, कीर्ति आजाद, नाना पटोले, यशपाल आर्य, मुकुल राय, स्वामी प्रसाद मौर्य, अवतार सिंह भडाना, हरीशचंद मीणा, दारासिंह चौहान, धरमसिंह सैनी, बाबुल सुप्रियो, सुदीपराय बर्मन, सुब्रह्मण्यम स्वामी जैसे दलबदलू नेता मौका पाकर भाजपा छोड़कर अपना नया ठिकाना ढूंढने लगेंगे।

ना भुतो, ना भविष्यति, इस्सयोग आध्यात्मिक क्राँन्ति

मै अपने को बड भागी मानता हुँ कि मुझे सद्गुरू के रूप में महात्मा सुशील कुमार व ममतामयी करूणा की जीती जागती मुर्ति माँ विजया जी मिली है। लेकिन श्रृष्टि के रचियता, पालन कर्त्ता के संदर्भ मे कुछ कहने या उनके संदर्भ मे कुछ लिपिबद्ध करना एक अति कठिन कार्य है, ठीक वैसे जैसे सम्पूर्ण विश्व को, अपने दिव्य प्रकाश से प्रकाशित करने वाले भुवन भास्कर को माचिस की एक छोटी सी प्रज्वलित तीली से प्रकाश दिखाने की तुच्छकोशिश है। आज मै अपने आप को असहाय पा रहा हुँ। धन्य वह धरा जहाँ पति पावनी गंगा सदियों से निरंतर निंविघ्न बह रही है। इस पवित्र को अनेक संत महापुरुषों नें विभिन्न युग में स्वयं अवतरित हो कर जगत का कल्याण कराया है। इसी क्रम में आज आप के समक्ष ऐसे महा पुरुष की चर्चा करने जा रहा हूँ जिन्होंने संपूर्ण मानव जाति को कल्याण हेतू एक सहज सरल सुगम पथ ना केवल निमार्ण किया बन्कि सम्पूर्ण मानव जाति को त्रितापों से त्राण दिलाने हेतु, इस्सयोग साधना पथ विना किसी भेद भाव आम आदमी सौगात स्वरूप उपलब्ध कराया है।

विनोद तकियावाला
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

आदि काल से ही हमारे यहाँ गुरु शिष्य की परम्परा है। इसी श्रंखला मे अपने जीवन के कुछ स्वर्णीम पल मुझे अपने सद्गुरू देव-माँ के सात्धिय में बिताने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यहाँ पर उल्लेख करना जरूरी है कि जब गुरु के रूप स्वयं सद्गुरु ही आप के समक्ष आपका हाथ थाम लेता है, तो बात ही कुछ अलग होती है। मै अपने को बड भागी मानता हुँ कि मुझे सद्गुरू के रूप में महात्मा सुशील कुमार व ममतामयी करूणा की जीती जागती मुर्ति माँ विजया जी मिली है। लेकिन श्रृष्टि के रचियता, पालन कर्त्ता के संदर्भ मे कुछ कहने या उनके संदर्भ मे कुछ लिपिबद्ध करना एक अति कठिन कार्य है, ठीक वैसे जैसे सम्पूर्ण विश्व को, अपने दिव्य प्रकाश से प्रकाशित करने वाले भुवन भास्कर को माचिस की एक छोटी सी प्रज्वलित तीली से प्रकाश दिखाने की तुच्छकोशिश है। आज मै अपने आप को असहाय पा रहा हुँ। धन्य वह धरा जहाँ पति पावनी गंगा सदियों से निरंतर निंविघ्न बह रही है। इस पवित्र को अनेक संत महापुरुषों नें विभिन्न युग में स्वयं अवतरित हो कर जगत का कल्याण कराया है। इसी क्रम में आज आप के समक्ष ऐसे महा पुरुष की चर्चा करने जा रहा हूँ जिन्होंने संपूर्ण मानव जाति को कल्याण हेतू एक सहज सरल सुगम पथ ना केवल निमार्ण किया बन्कि सम्पूर्ण मानव जाति को त्रितापों से त्राण दिलाने हेतु, इस्सयोग साधना पथ विना किसी भेद भाव आम आदमी सौगात स्वरूप उपलब्ध कराया है। एक दिव्य और चमत्कारिक शक्ति और औषधि देने वाले कोई साधारण संत नही बल्कि इस युग मे सद्गुरुदेव महात्मा सुशील कुमार जी के रूप अवतरित हुए।

जुलाई माह का आगमन हो गया है। यह माह हम इस्सयोगी भाई-बहन के लिए विशेष महत्व का मास है। यह परम चैत्यन का मास है। क्योकि 13 जुलाई का यानि आध्यात्मिक क्रान्ति के प्रेण्यता का महात्मा सुशील कुमार जी का अवतरण दिवस है !आप का जन्म बिहार प्रांत के भोजपुर ज़िला निवासी ब्रहमलीन महापुरुष श्री श्रीशचंद्र शास्त्री एवं कर्पूर कमला के एक मात्र पुत्र के रूप में 13जुलाई 1938 को हुआ था। इन्होंने 1961 में बी एस सी इंजीनियरिंग (सिविल) तथा 1971में ह्यबैचलर औफ लौह्ल की उपाधि प्राप्त की। आप बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग में विभागाध्यक्ष के पद से1998में सेवा निवृत हुए। सर्वोतकृष्ट कार्यों एवं उपलब्धियों के लिए, आपको ह्यइंदिरा गाँधी प्रिय दर्शिनी सम्मान 1997ह्ल से विभूषित भी किया गया था। महात्मा जी को अध्यात्म विरासत में मिला था। उनके पिता प्रातःस्मरणीय शास्त्री जी चारों वेदों के ज्ञाता और भाष्य-कार थे। वे कठोर कर्म-कांडी और सपत्नी पक्के आर्य समाजी थे। आर्य समाज के आचार्य के रूप में, उनकी समाज में बड़ी प्रतिष्ठा थी तथा वे भारत सरकार की ओर से विदेशों में (थाईलैंड, श्रीलंका आदि देशों में)संस्कृत एवं वेदों की शिक्षा देने हेतु सादर भेजे जाते थे। शास्त्री जी ने गभार्धान से लेकर महात्मा जी के आगे के सभी संस्कार वेदोक्त विधि से कराए थे। उनकी माता पूजनीयाँ कर्पूर कमला जी, सामाजिक सरोकारों से जुड़ीं विदुषी और तेजस्वीनी महिला थीं। अस्तु बाल्य काल से हीं, महात्मा जी में आध्यात्मिक संस्कार पड़ने लगे थे। शिशु पर वैदिक संस्कार पड़े, इस हेतु, पिताश्री किंचित लोभ देकर गायत्री मंत्र आदि रटाते थे। शास्त्री जी ने उन्हें कह रखा था कि, जबह्लगायत्री-मंत्रह्ल का पाठ किया जाता है, तो सभी इच्छित फल प्राप्त होते हैं। उन्हें किसी वस्तु की इच्छा होती थी तो उनसे यह कहा जाता था कि, ह्लआँखों को बंद कर ह्यगायत्री मंत्रह्ल का जप करो, तुम्हें वह अवश्य प्राप्त होगा।ह्व महात्मा जी तदनुसार करते थे, फिर उनके हाथों में वह वस्तु पड़ी मिलती। (इच्छित वस्तु पिताश्री तैयार रखा करते थे।)। वयस्क होने पर महात्मा जी में स्वतंत्र विचार आने लगे तथा उनका आध्यात्मिक- चिंतन बदलने और परिष्कृत होने लगा। वय और अनुभूतियों के बढ़ने के साथ-साथ, ह्यपरम-तत्त्वह्ल की खोज की अभिलाषा उत्कंठा बनती गयी और उन्होंने जीवन के कर्मों का निबटारा करते हुए ह्यसत्य की खोजह्ल जारी रखी। जैसा कि पूर्व में निवेदन किया जा चुका है कि, महात्मा जी ने सिविल अभियंत्रण में स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी, सो अपनी लौकिक वृति 1963 में बिहार सरकार के लोक निर्माण विभाग में अवर प्रमंडल पदाधिकारी के पद से प्रारम्भ की। 1963से 65तक वे बिहारशरीफ में रहे तथा1966 से69 तक राँची में। तब बिहार का विभाजन नही हुआ था। पटना-हाजीपुर को जोड़ने के लिए बनाए जा रहे गंगा सेतु (महात्मा गाँधी सेतु) के निर्माण में उन्होंने निमार्ता-कंपनी ह्यगैमन इंडियाह्ल के साथ अपना विशेष योगदान 1970-71 में दिया था। वर्ष 1972 से 74तक बोकारो में एच एस सी एल में जोनल इंजीनियर के पद पर उन्होंने कार्य किया और इस काल का उल्लेखनीय पक्ष यह था कि आप हीं के नेतृत्व में अत्यंत महत्वाकांक्षी ह्यकोल्ड रोलिंग मिल की कमीशनीगह्ल संपन्न हुई थी। इसके बाद से, 1979 तक आपने राजधानी (पटना)के विभिन्न कार्य-प्रक्षेत्रों में, अपना उल्लेखनीय योगदान दिया। इसके बाद आपको, आपके कुशल प्रशासनिक और प्रभावकारी व्यक्तित्व के महत्त्व को रेखांकित करते हुए आपको नक्सल प्रभावित उन क्षेत्रों में विशेष कार्यों के लिए भेजा गया, जहाँ से दूसरे अधिकारी और विशेषज्ञ परहेज रखना चाहते थे। लेकिन आप भला किससे भय रखते !आपने सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर अपने कर्तव्य पूरे किए तथा इस दौरान अनेक स्थानों पर हरिजन-छात्रावास एवं शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों को पूरा किया। 1998 में अपने विभाग के अध्यक्ष पद से सेवा निवृत होने से पहले आपने पटना क्षेत्रीय प्राधिकार के ट्रिब्यूनल में अपनी सेवाएँ दी। यह प्रमाणित हो कि महात्मा जी, जो कहते थे, वह अपने जीवन में पालन भी करते थे। उन्होंने संसार को पूरा जिया, और वहीं पूरी तरह विरक्त भी रहे। आध्यात्मिक धारा में बहते हुए भी, संसार छोड़ने की बात कभी नहीं की। वे कहा करते थे कि, सत्य की खोज और तत्त्व-ज्ञान के लिए संसार को छोड़ना अनावश्यक है। सच्चा मार्ग और सच्चा गुरु पाकर गृहस्थ जीवन में हीं आध्यात्मिक उपलब्धियाँ पायी जा सकती है। गृहस्थ-आश्रम साधना का श्रेष्ठ आश्रम है। इसी तरह उन्होंने, समय आने पर विवाह भी किया। वर्ष 1963 के 18मई को जब आपका विवाह संपन्न हुआ, उस समय आपकी नव-परिणीता आदरणीया विजया जी (माँ विजया जी)अभी-अभी इंटर की परीक्षा दी थीं।

जल प्रलय प्रकृति कम, गलत योजनायें व भ्रष्टाचार अधिक जिम्मेदार

निर्मल रानी

इस समय उत्तर भारत के दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और राजस्थान जैसे राज्य व केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ पिछले दिनों लगातार कई दिनों तक हुई मूसलाधार बारिश की वजह से अभूतपूर्व संकट का सामना कर रहे हैं। कई राज्यों में तो जल प्रलय जैसी स्थिति बनी हुई है। सैकड़ों लोग बाढ़, भूस्खलन की भेंट चढ़ चुके हैं। हजारों गांव पूरी तरह डूबे पड़े हैं। दर्जनों पुल ध्वस्त हो चुके हैं अनेक तटबंध टूट चुके हैं, दर्जनों राजमार्ग या तो बाढ़ के कारण कट चुके हैं या कई जगह जनता ने पानी निकालने के लिये स्वयं काट दिये हैं। न जाने कितने मकान होटल, व्यवसायिक केंद्र विभिन्न राज्यों में बह गये या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गये हैं। यह हालात इस समय उपरोक्त राज्यों में विशेषकर हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा व चंडीगढ़ जैसे देश के विकसित व संपन्न राज्यों में देखने को मिल रहे हैं। तमाम ट्रेन स्थगित हैं, मार्ग अवरुद्ध हो जाने के कारण अनेक रूटस की बस सेवाएं रद्द कर दी गयी हैं। तमाम जगहों पर तेज जल प्रवाह के चलते गाड़ियां बह गयीं। लोगों के घरों के अंदर पानी प्रवेश कर गया। यहां तक कि तमाम बहु मंज़िला इमारतों की निचली मंजिल तक डूब गयी। विभिन्न राज्यों में स्कूल कॉलेज अनिश्चित काल के लिये बंद कर दिये गए। मौसम विशेषज्ञों द्वारा बताया जा रहा है कि जहाँ इस भीषण वर्षा का कारण पहाड़ों पर वेस्टर्न डिस्टरबेंस है वहीं पंजाब और हरियाणा में साइक्लोनिक सकुर्लेशन भी इसका मुख्य कारण है। अत्यधिक मानसून ट्रफ मध्य भारत से चलकर पंजाब हरियाणा की ओर आया है। गोया तबाही का अभूतपूर्व दृश्य इस समय देखा जा रहा है। और आधुनिक संसाधनों पर अपना नियंत्रण रखने वाले करोड़ों लोग इस समय इस विपदा के आगे बेबस और लाचार नजर आ रहे हैं। निःसंदेह इस तबाही का असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। परन्तु लगभग प्रत्येक वर्ष देश के किसी न किसी राज्य व क्षेत्र में वर्षा के दौरान होने वाले जल प्रलय व बाढ़ के बाद इस बार भी यह सवाल कुछ अधिक ऊँचे स्वर में पूछा जाने लगा है कि इस तबाही की जिम्मेदार क्या केवल प्रकृति ही है? या फिर सरकार की गलत योजनायें और व्यवस्था में व्याप्त आकंठ भ्रष्टाचार भी इसके लिये जिम्मेदार है? उदाहरण के तौर पर देश में असम और बिहार जैसे राज्यों की गिनती निश्चित रूप से सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित राज्यों में की जाती है। असम और बिहार की भौगोलिक स्थिति भी ऐसी है कि नदी प

संक्षिप्त खबरें

बारिश से भर-भराकर गिरा मकान:मलबे में दबा घर का सामान, पीड़ित ने प्रशासन से मुआवजे की उठाई मांग

डिडौली। हफ्ता भर से लगातार हो रही बरसात से मजदूर का मकान भर भराकर गिर गया।मकान की दीवार गिरते ही परिवार के सभी लोग बाहर की ओर भाग आए।जिससे सभी लोग मकान के मलबे के नीचे दबने से बाल-बाल बच गए।हालांकि मकान के मलबे के नीचे घर का सारा सामान दब गया।जिससे पीड़ित को लाखों का नुकसान हुआ है। पीड़ित ने प्रशासन से मुआवजे की मांग उठाई है।गौरतलब है कि जनपद में लगभग एक सप्ताह से बरसात का सिलसिला जारी है।इस बरसात के चलते कई इलाकों में जलभराव है।बारिश से गरीब परिवारों को भी भारी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। इसी कड़ी में डिडौली कोतवाली इलाके के गांव हसनपुर कलां में मजदूर जबर सिंह का मकान गिर गया। घटना के वक्त परिवार के लोग बरसात के चलते घर के भीतर ही थे।लेकिन मकान की दीवार गिरते ही सभी लोग मकान के बाहर की ओर भाग आए और देखते ही देखते मकान का लिंटर भी भर भराकर गिर गया। परिवार के सभी लोग इस हादसे में बाल बाल बच गए। लेकिन घर के अंदर रखा सामान मकान के मलबे के नीचे दब गया। पीड़ित मजदूर जबर सिंह ने बताया कि इस घटना से लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। साथ ही उन्होंने प्रशासन से मुआवजे की मांग उठाई है।

गजरौला की केमिकल फैक्ट्री जुबिलेंट को बंद करने की मांग,सीएम को भेजा पत्र

गजरौला। हाइवे स्थित कैमिकल बनाने वाली एक फैक्ट्री को भाजपा नेता ने बंद कराने की मांग उठाई है। साथ ही सूबे के मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन भेजकर फैक्ट्री से होने वाले नुकसान का जिक्र करते हुए जनपद वासियों को जहरीली हवा से बचाने की बात कही है।साथ ही भाजपा नेता ने अपना एक वीडियो बनाकर भी सोशल मीडिया पर वायरल किया है। जिसमें फैक्ट्री को बंद कराने की मांग की है।दरअसल,भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अरमान तंवर ने गुरुवार को प्रदेश के सीएम योगी को ज्ञापन भेजा है। जिसमें लिखा है कि ह्लजनपद अमरोहा में तहसील मंडी धनोरा के नगर पालिका परिषद गजरौला में नेशनल हाईवे पर जुबिलेंट फैक्ट्री है।फैक्ट्री से निकलने वाला केमिकल और प्रदूषण में से निकलने वाला धुआं इतना जहरीला है कि पूरे जनपद के वासियों के लिए जहरीला साबित हो रहा है, इससे निकलने वाला जहरीला पदार्थ गंभीर रोगों को पैदा कर रहा है।जैसे कैंसर, दाद, खाज खुजली, आंखों की बीमारी और सांस लेने में फेफड़ों की गंभीर बीमारी पैदा कर रहा है, परंतु जिससे जनता का जनमानस खतरे में है और पर्यावरण भी प्रभावित हो रहा है। आगे लिखा कि मुख्यमंत्री इस फैक्ट्री को बंद करा कर जनता को गंभीर बीमारियों से बचने की कृपा करें।ह्व इसके साथ ही भाजपा मंडल अध्यक्ष ने प्रदूषण बोर्ड समेत कई अन्य विभागों में भी शिकायत करते हुए फैक्ट्री को बंद कराने की मांग उठाई है। साथ ही अपना एक वीडियो भी बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया है।

आनंदी बेन से मिलीं आरएमएल की निदेशक, छात्र और चिकित्सक

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से आज राजभवन में डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान की निदेशक डॉ. सोनिया नित्यानंद, संकायाध्यक्ष तथा दस अन्य चिकित्सा विद्यार्थियों ने मुलाकात की। आगंतुकों ने राज्यपाल एवं कुलाध्यक्ष से भेंटकर उनके दिशा-निर्देश में संस्थान को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) द्वारा एमबीबीएस की 150 सीट्स की मान्यता प्रदान कर दिए जाने पर अपनी हार्दिक प्रसन्नता और आभार व्यक्त किया। डॉ. सोनिया ने संस्थान की इस उपलब्धि पर राज्यपाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके बहुमूल्य दूरदर्शी विचार, प्रेरणा और मार्गदर्शन तथा प्रयासों से डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान को आगामी पाँच वर्षों के लिए यह उपलब्धि प्राप्त हो सकी है। उन्होंने बताया कि संस्थान को वर्ष 2017 में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए एनएमसी से एलओपी अनुमति प्राप्त होने पर 150 सीट्स पर शैक्षणिक कार्य प्रारम्भ हुआ था।

मुख्यमंत्री योगी ने तीन विभागों के 510 अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र

समीक्षा, सहायक समीक्षा अधिकारी 199, परिवहन के 183 और निर्वाचन के 128 कनिष्ठ सहायकों का हुआ चयन

लखनऊ, एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को यहां लोकभवन में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से चयनित 199 समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी (सचिवालय प्रशासन विभाग), परिवहन विभाग के 183 कनिष्ठ सहायक, निर्वाचन विभाग में 128 कनिष्ठ सहायक, कुल मिलाकर 510 नव चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुझे खुशी हो रही है कि आज नियुक्ति पाने वालों में गोण्डा, बिजनौर, अयोध्या और अंबेडकरनगर के हैं। पहले यह संभवन नहीं था। कुछ जिलों के लोग ही चयनित होते थे। पिछले छह साल में लगभग छह लाख सरकारी नौकरी दी गयी है। पिछले डेढ़ वर्ष की बात करें तो 16 नियुक्ति वितरण कार्यक्रम आयोजित किये गए। 54 हजार से अधिक सरकारी नौकरी देने में हम सफल हुए हैं। यह इस बात को साबित करता है कि जहां चाह वहां राह। पंचायत चुनाव में हिंसा को लेकर ममता सरकार पर हमला मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव आपने देखा है। जिस दिन मतदान था, उस दिन तो हिंसा के चलते लोगों की मौत हुई ही, मतगणना के दौरान भी लोग मारे गये। पंचायत चुनाव से लेकर निकाय के चुनाव हुए। लोक सभा चुनाव हुए। कोई हिंसा नहीं हुई। कोई उपद्रव नहीं। बूथ कैप्चरिंग की कोई गुंजाइश नहीं। वे लोग लोकतंत्र की बात करते हैं। सबसे अधिक लोकतंत्र का गला वे लोग ही घोंटते हैं जो लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए हल्ला करते हैं। मुख्यमंत्री योगी की युवाओं को सीख योगी ने चयनित युवाओं से कहा कि कुछ कर गुजरने की तमन्ना होनी चाहिए। प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि सामने आई चुनौतियों से घबरा जाने वाले कुछ नहीं कर सकते। उसका डटकर सामना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो व्यवहार हमें अच्छा नहीं लगता उसे किसी और के साथ नहीं करना चाहिए। शासन ने निर्णय लिया है कि किसी भी टेबल पर तीन दिन से अधिक कोई फाइल नहीं रुकनी चाहिए। मैं दौरों पर रहने के बावजूद वापस आते ही फाइलों का निपटारा करते हैं। कोई भी फाइल पेंडिंग नहीं रखता। अगर ऐसा नहीं करता तो उप्र की स्थिति इस प्रकार बदल पाने में सफल नहीं हो पाता। संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने नवचयनित युवाओं से कहा कि कल तक आप लोग सरकारी दफ्तरों में जाने पर कर्मचारियों, अधिकारियों से जो व्यवहार करते थे, अब आप से भी वही अपेक्षा होगी। दूसरी अपेक्षा लोग करते हैं कि उनका कार्य बिना लाग-लपेट के हो जाए। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद से आप सामान्य नागरिक नहीं रह गए। आप पर भी जिम्मेदारी है। उसे बेहतरी के साथ निभाईए। आपकी पारदर्शी तरीके से भर्ती हुई है। आज हर कोई चाहता है कि उसके प्रदेश का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हों। परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि पहले नौकरियों में लूट होती थी। आज योग्य युवाओं के घर नौकरी चल कर जाती है। पूरी पारदर्शिता के भर्ती प्रक्रिया अपनाई गयी है। यह सरकारी नौकरी की बात है, परिवहन विभाग में संविदा कर्मियों की भर्ती में भी इसी प्रकार की पारदर्शी व्यवस्था अपनाई गयी है। संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक डॉ. देवेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव एल वेकंटेश्वर लू समेत अन्य लोग मौजूद रहे। युवाओं मुख्यमंत्री ने दिया नियुक्ति पत्र दिव्या, रश्मि वर्मा, आशीष, अपर्णा मौर्या, अमित कुमार तिवारी, सचिवालय प्रशासन विभाग हनुमंत प्रसाद सिंह, वंदना वर्मा, दीप्ति यादव, शैलेन्द्र कुमार रावत जैसे अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से मंच पर नियुक्ति पत्र दिया। चयनित अभ्यर्थियों ने साझा किये अपने अनुभव सहायक समीक्षा अधिकारी हनुमंत प्रसाद ने कहा कि मैं पढ़ाई में अच्छा था। कई परीक्षाओं में साक्षात्कार तक गया, लेकिन चयन नहीं हो पाया। थक हार कर खेती करने लगा। योगी सरकार आई तो मेरे चाचा ने मुझे प्रोत्साहित किया। मैं पुनः तैयारी शुरू की। धीरे-धीरे परीक्षाओं में पास होने लगा। इस सरकार में मैंने चार परीक्षाएं पास की है। यह पारदर्शी प्रक्रिया की वजह से संभव हो पाया। इनके अलावा दीप्ति यादव, अपर्णा मौर्या, अमित कुमार तिवारी समेत अन्य चयनित अभ्यर्थियों ने अपने अनुभव साझा किया।

गांगा किनारे बसे ग्रामीणों को बाढ़ के प्रति करें जागरूक : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी के द्वारा बुलंद शहर हसनपुर सम्पर्क मार्ग पर बने सेतु के आस पास व अन्य गंगा के किनारे वाले ग्रामों में गंगा के जलस्तर बढ़ने से हो रहे कटान को रोकने के लिए बाढ़खंड के अधिकारियों द्वारा किए जा रहे आवश्यक प्रबंधन के कार्य का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बाढ़ खंड के अधिकारियों को गंगा के कटान वाले बिंदुओं पर प्रभावी कार्यवाही कर बेहतर प्रबंधन किए जाने के निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि जहां पर भी ज्यादा कटान हो रहा है अधिक से अधिक मजदूर लगाकर जल्द से जल्द आवश्यक कार्यवाही किया जाए।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी हसनपुर को निर्देशित करते हुए कहा कि जो भी गंगा के किनारे के गांव हैं उनको जागरूक किया जाए कि वह एक्टिव रहें जल स्तर गंगा का कभी भी बढ़ सकता है।कहा कि उन्हें अलग जगह पर शिफ्ट करने के लिए स्थान का चयन कर लिया जाए और जानवरो व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिये स्थान का चयन कर उन्हें जागरूक किया जाए।बाढ़ से बचाव की जानकारी भी लोगों को दिया जाय ताकि लोग बाढ़ आने पर अन्य जगह व्यवस्थित हो सके।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी मायाशंकर यादव, उप जिलाधिकारी हसनपुर सहित अन्य संबंधित अधिकारी व बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता सहायक अभियंता मौजूद रहे।

अदबी संस्था अंजुमन तरक्की उर्दू के तत्वावधान में हुआ डॉ नूर अमरोहवी का स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। पश्चिमी सभ्यता के बीच अपनी संस्था अलनुर इंटरनेशनल के तत्वधान में कराए जाने वाले विश्व स्तरीय मुशायरा और कवि सम्मेलन के लिए मशहूर अमरोहा के रहने वाले अमेरिकी मुकीम डॉक्टर नूर अमरोही इन दिनों अमरोहा के दौरे पर हैं इनकी अमरोहा आमद पर अदबी संस्था अंजुमन तरक्की उर्दू उत्तर प्रदेश के तत्वधान में एक स्वागत समारोह का आयोजन उपाध्यक्ष डॉक्टर सिराजुद्दीन हाशमी एडवोकेट की अध्यक्षता में हुआ,जहां अमेरिका से अमरोहा पहुंचे नूर अमरीका जोरदार स्वागत किया गया।मशहूर नौजवान शायर सैय्यद शीबान कादरी ने नूर अमरोही का परिचय प्रस्तुत किया और बताया कि इनकी संस्था अल नूर इंटरनेशनल ने बीती मई मैं अमेरिका के डैलास शहर में एक मुशायरा और कवि सम्मेलन आयोजित किया था।इस दौरान अमरोहा में हाशमी एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर सिराजुद्दीन हाशमी एडवोकेट को इनके शैक्षिक प्रसार सामाजिक कार्य और आदमी खिदमत के लिए सम्मान दिया गया था।अमेरिका के डैलास शहर में आयोजित इस मुशायरे में हिंदुस्तान के अलावा दूसरे मुल्कों से भी शायरों और कवियों ने शिरकत की थी।हाशमी मुकेश ग्रुप को अल नूर इंटरनेशनल की ओर से दिए जाने वाले सम्मान को डॉक्टर सिराजुद्दीन हाशमी एडवोकेट तक पहुंचाने के लिए डॉक्टर नूर अमरोही खास तौर पर अमरोहा दौरे पर आए हैं सिराजुद्दीन हाशमी ने डॉक्टर नूर अमरोही का स्वागत करते हुए कहा कि अमरोहा से चलकर अमेरिका की पश्चिमी सभ्यता के बीच अदबी तहजीब उर्दू अदब के प्रचार व प्रसार के लिए सरगर्म रहने वाले नूर अमरोहवी की अदबी सेवा किसी परिचय की मोहताज नहीं बोले हाशमी एजुकेशनल ग्रुप को अल्नुर इंटरनेशनल द्वारा दिया गया सम्मान हमारे लिए हर्ष का विषय है इसके लिए हम डॉक्टर नूर अमरोहवी का धन्यवाद करते हैं।मुख्य अतिथि डॉक्टर नूर अमरोहवी ने कहा कि अमरोहा ही मेरा सब कुछ है बोले अमरोहा को अमरीका में महसूस करने के लिए ही अलनुर इंटरनेशनल संस्था बनाई गई बोले पश्चिमी सभ्यता के बीच अदब का प्रचार कठिन था लेकिन वक़्त के साथ और लोगों के जुड़ने से सब आसान होता चला गया बोले डॉक्टर सिराज ऊद्दीन हाशमी दोस्त ही नहीं भाई हैं और इन्होंने हमेशा प्रेरित किया है डॉक्टर नूर अमरोहवी ने बताया कि अभी मई माह में अलनुर इंटरनेशनल द्वारा आयोजित मुशायरा में संस्था ने हाशमी एजुकेशनल ग्रुप को इनकी विभिन सेवाओं के लिए सम्मानित किया था यह सम्मान में खुद इनको देना चाहता था और इसके लिए ही अमरीका से अमरोहा आया हूँ।इस अवसर पर डॉक्टर जमशेद कमाल प्रंसिपल आई एम इंटर कॉलिज अमरोहा वसीम बेग इकबाल हैदर आदिल रशीद डॉक्टर महताब अमरोहवी सालार गाजी व अन्य सदस्त मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

सड़क सुरक्षा नियमों का हो पूरी तरह पालन:डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी आवश्यक जगहों पर रिफ्लेक्टर लगवाया जाए उसके साथ साथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध कट और ब्लैक स्पॉट बंद किए जाएं जहां पर आवश्यक हो वहां पर कट भी बनाया जाए।हाईवे पर जो भी अबैध कट हैं उन्हें तत्काल सही कर दिये जायें।अबैध कट ही प्रतिदिन होने वाली दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण हैं। जिलाधिकारी ने वाहनों की फिटनेस के लिये आवश्यक मानक पूर्ण कराने के निर्देश सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी को दिये।जिलाधिकारी ने कहा कि एंबुलेंस का जो रिस्पांस टाइम है उस टाइम पर ही दुर्घटना होने पर एंबुलेंस पहुंचना चाहिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न किया जाए।कहा कि जो विद्यालय में परिवहन सुरक्षा समिति बनाई जानी है वह बन जाय समिति न बनाने वाले विद्यालयों में पर कार्यवाही के लिए पत्र लिखा जाए। बच्चों की सुरक्षा से कोई भी खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए यह उनके जीवन से संबंधित है अधिक से अधिक लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाए। विद्यालय प्रबंधन विद्यालयों में प्रार्थना के समय बच्चों को ट्रैफिक के नियम और सड़क सुरक्षा के नियमों को बताएं प्रत्येक विद्यालय में चलने वाले वाहन की फिटनेस हो पोलूशन बोर्ड के भी मानक सही हों।संभागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि निर्धारित सीमा में वाहन न चलाने के कारण 139 का चालान किया गया और ओवर लोडिंग के संबंध में 122 का नशे की हालत में वाहन चलाने वालों दस के खिलाफ चालान किया गया है।इसी प्रकार चलाते समय मोबाइल का प्रयोग करने वालों का 125 चालान किया गया है बिना सीट बेल्ट और हेलमेट के वाहन चालकों के 619 का चालान किया गया है।और लाइसेंस निलंबन भी किया गया है।जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान लगातार चलना चाहिए बिना सीट बेल्ट हेलमेट वाहन चलाते समय मोबाइल और निर्धारित सीमा में वाहन न चलाने वाले चालको के खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही किया जाना चाहिए सड़क सुरक्षा के साथ खिलवाड़ न किया जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिये अभियान चलाकर लोगो को जागरूक करें। जनपद में जो भी अनरजिस्टर्ड और एक्पायर रजिस्टेज्शन वाले वाहन चल रहे हैं सघन चेकिंग कर पकड़ा जाये उन्हें बन्द कराया जाए।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्रा,अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी, संभागीय परिवहन अधिकारी महेश कुमार शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जोया में गोद भराई रस्म के दौरान दी गई हिदायत

गर्भावस्था के दौरान महिलाएं रखें सेहत का ख्याल

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा।ब्लॉक जोया के ग्राम रामपुर घाना में प्राथमिक विद्यालय में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र पर गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गर्भावस्था के दिनों में बेहतर पोषण की जरूरत के बारे में गर्भवती महिलाओं को अवगत कराना है।जिला कार्यक्रम अधिकारी संजीव सिंह ने बताया कि पोषण पखवाड़े के अंतर्गत जून में जनपद के सभी 1430 आंगनबाड़ी केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जोया के ग्राम रामपुर घाना में नेहा फात्मा और फरीना की गोद भराई की गई। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को बताया गया कि गर्भावस्था के दौरान आयरन और कैल्शियम की गोलियों का नियमित रूप से सेवन करना चाहिए। हरी सब्जियों बथुआ,पालक, सोया- मेथी, गुड़, प्रोटीनयुक्त पदार्थ जैसे अंकुरित दालें, चना, मौसमी सब्जियों और फलों- केला ,सेब,अनार, नारियल दूध या दूध से बने पदार्थों का नियमित रूप से सेवन करना चाहिए।दिन में दो घंटे नियमित रूप से आराम करना चाहिए। अगर एक साथ खाना नहीं खा पा रही हैं तो थोड़ा-थोड़ा करके खाना खाएं।जो स्थानीय खाद्य पदार्थ आसानी से उपलब्ध हों उनका ही सेवन करें।आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुनीता जैकब ने बताया कि मातृ-शिशु मृत्युदर में कमी लाने के उद्देश्य व गर्भवती माताओं को कुपोषण से बचाने के लिए कई जानकारियां भी दी गईं।उन्होंने बताया कि गोद भराई का मुख्य उद्देश्य गर्भावस्था के दिनों में बेहतर पोषण की जरूरत के बारे में अवगत कराना है। माता एवं गर्भस्थ शिशु के बेहतर स्वास्थ्य एवं प्रसव के दौरान होने वाली संभावित जटिलताओं में कमी लाने के लिए गर्भवती के साथ परिवार के लोगों को भी अच्छे पोषण पर ध्यान देना चाहिए। बेहतर पोषण एक स्वस्थ बच्चे के जन्म में सहायक होने के साथ गर्भवती महिलाओं में मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी भी लाता है।लाभार्थी नेहा फात्मा और फरीना ने बताया कि गोद भराई के अवसर पर आयरन की गोली, फल, सब्जी और दाल दी गई।उन्हें बताया गया कि गर्भावस्था में खानपान का हमेशा ध्यान रखना चाहिए। प्रतिदिन हरी साग-सब्जी, मूंग की दाल, सतरंगी फल, सूखे मेवे एवं दूध गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए लाभदायी है।

बंगाल में मतदान और मतगणना वाले दिन हुयी हिंसा में निर्दोष लोग मारे गये

लखनऊ, एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव में मतदान और मतगणना वाले दिन हिंसा हुई, जिसमें निर्दोष लोग मारे गए। इसके साथ ही योगी ने कहा कि लोकतंत्र का ढिंढोरा पीटने वाले लोग ही लोकतंत्र को सर्वाधिक नुकसान पहुंचा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने नागरिकों के साथ शासन की योजनाओं में और नौकरियों में भेदभाव करना सबसे बड़ा पाप है, जो सरकारें प्रदेश की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने से रोकतीं थी, जनता ने उन्हें सबक सिखा दिया है। एक बयान के मुतबिक मुख्य।मंत्री ने बृहस्पितिवार को लोकभवन में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित नव नियुक्त अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव में मतदान और मतगणना वाले दिन हिंसा हुई, निर्दोष लोग मारे गए। लोकतंत्र का ढिंढोरा पीटने वाले लोग लोकतंत्र को सर्वाधिक नुकसान पहुंचा रहे हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के अंदर आपने देखा होगा पंचायत, नगर निकाय, विधानसभा या किसी भी तरह का चुनाव हो, कोई हिंसा नहीं हुई। उन्होंने कहा, अभी तीन महीने पहले प्रदेश के अंदर चुनाव संपन्न हुए, कहीं कोई हिंसा नहीं हुई, मतदान केंद्र पर कोई कब्जा नहीं हुआ और कहीं भी किसी भी प्रकार की कोई धांधली नहीं हुई।

उन्होंकने कहा, यह वही प्रदेश है, जहां 2017 के पहले शांतिपूर्ण चुनाव कराना एक सपना हुआ करता था, लेकिन आज यह संभव हुआ है नेक नियति से जब कोई कदम उठाए जाते हैं तो उसके परिणाम भी सामने आते हैं। पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने यह व्यवस्था बनाई है कि चयन की प्रक्रिया से लेकर नियुक्ति प्रक्रिया तक किसी भी अभ्यर्थी के साथ भेदभाव न होने पाए। विगत छह वर्ष में छह लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने में हम सफल रहे हैं और आज उत्तर प्रदेश की नियुक्ति प्रक्रिया पर कोई उंगली नहीं उठा सकता है। उन्होंने कहा कि चुनौती से जो घबरा जाता है वह कुछ नहीं प्राप्त कर पाता, अगर चुनौती आपके सामने है तो इसका मतलब है कि आपके लिए कुछ नए अवसर आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि 2021 से 2023 के बीच में डेढ़ वर्ष के अंदर हमारी सरकार 21 नियुक्ति पत्र कार्यक्रम संपन्न करा चुकी है और इसके तहत लगभग 55,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी दर 19 फीसदी से ज्यादा थी और पिछले छह साल में हमारी सरकार प्रदेश में बेरोजगारी दर को कम करने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि दो करोड़ से अधिक युवाओं को हमलोगों ने स्वरोजगार के साथ जोड़ने का भी काम किया है।

तीन घंटे तक थाने में नहीं हुई सुनवाई तो पीड़ित ने काट ली गर्दन,घायल ने सुनाई आपबीती

प्रात : किरण संवाददाता

गजरौला।थाने में सर्जिकल ब्लेड से खुद की गर्दन पर वार करने वाले युवक ने इस घटना के पीछे का कारण साफ कर दिया है। उसने बताया कि उसे कुछ युवक पीटना चाहते थे। इसकी शिकायत लेकर थाने गया। तीन घंटे तक थाने में रहा मगर, सुनवाई नहीं हुई। इसलिए अपनी गर्दन पर वार किए।गांव चौहड़पुर माफी निवासी सुमित ने बुधवार की शाम गजरौला थाने जाकर खुद की गर्दन पर सर्जिकल ब्लेड से कई वार कर खुद को लहूलुहान कर लिया था। उसे गंभीर हालत में मेरठ के न्यूट्रिमा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। वहां उसका भाई विनीत भी काम करता है।कुछ दिन पहले तक घायल सुमित भी इसी हॉस्पिटल में बतौर वार्डब्वाय कार्यरत था। सुमित के भाई शीशपाल ने बताया कि सुमित का ऑपरेशन हो गया है। अस्पताल में होश आने पर उसने बताया कि उसे कुछ युवक पीटना चाहते हैं। वह इसी मामले में शिकायत करने थाने गया था।वहां वह तीन घंटे तक रहा मगर सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने सर्जिकल ब्लेड से अपने आपको लहूलुहान कर लिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी अरुण सिंह ने बताया कि थाने में उसने कोई शिकायत नहीं की। प्रकरण की जांच की जा रही है।घायल युवक की फेसबुक आइडी भी खंगाली जा रही है।

पांच बच्चों की मां को डेढ़ लाख रुपये में बेचा, खरीदने वाला बोला- चल मेरे साथ

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा।फैजाबाद से पांच बच्चों की मां की शादी के 16 साल बाद उनके शौहर, तहेरे भाई, चचेरे भाई और नंदोई ने बेरोजगार गांव के निवासी युवाओं को लाखों रुपये में बेच दिया। पुलिस ने चारों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।चांदपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 40 वर्षीय महिला का मायका फोटोग्राफर क्षेत्र है। उनके कथन 2007 में गजरौला थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवाओं के साथ किया गया था। उनका आरोप है कि शादी के बाद ही मुस्लिमों ने अपना प्रमोशन शुरू कर दिया। मगर वह नौकरानी सहन करती है। इस दौरान उनके पांच बच्चों का जन्म हुआ,लेकिन इसके बाद भी उनका प्रमोशन बंद नहीं हुआ।रिजर्व वाले नाव में बफेलो और बाइक की मांग करने लगे। असमर्थता जताने पर उनका प्रोत्साहन और बढ़ा। महिला का आरोप है कि उसे साल अप्रैल में शौहर ने थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवा उस्मान को लाखों रुपये में बेच दिया। उस्मान ने उसे औरत के घर ले आया और बोला कि तेरे शौहर ने उसे लाखों रुपए में बेच दिया है, इसलिए मेरे साथ चल। इस बीच शौहर व तहेरे साउदीउद्दीन ने उन्हें उस्मान के साथ मिलकर विस्थापित करने की कोशिश की। जिस पर उसने शोर मचा दिया। गांव के लोग इकट्ठे हो गए। इसके बाद उन्होंने अपना स्टार्टअप चला लिया।शौहर ने लाखों रुपये में शहीद होने की बात अपने माता-पिता को बताई। उसके खिलाफ मुकदमे की रिपोर्ट दर्ज की गई, लेकिन पुलिस ने मुकदमे दर्ज नहीं किए। जिस पर वह कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने उन्हें कचरे वाले शहर इसरार, तहेरे भगत, चचेरा भाई रियासत निवासी गजरौला थाना क्षेत्र और नंदोई अय्यम निवासी चिदविक गिरोह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के लिए कहा।पुलिस ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

भारी बारिश के बीच अधिशासी अधिकारी ने किया जलभराव एवं कावड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। बीते दिनों से निरंतर हो रही भारी वर्षा के कारण नगर में हुए जलभराव के निदान एवं कांवर मार्गो की साफ सफाई के दृष्टिगत नगर पालिका अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार द्वारा गुरुवार सुबह से ही नगर एवं कांवर मार्गो का निरीक्षण कर मार्गो पर हुए जलभराव का निस्तारण कराया गया तथा कांवर यात्रा मार्गो से जल भराव समाप्त कर सफाई करवा कर पैदल चलने योग्य करवाया गया। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि अमरोहा नगर में जल निकासी की समस्या काफी पुरानी है, वर्षा के समय समस्या और अधिक विकराल हो जाती है, इससे निपटने के लिए वर्षा ऋतु से पूर्व ही पालिका द्वारा इसकी तैयारी की। गई समस्त छोटे बड़े नालों की सफाई, सिल्ट का उठान, संकरे नालों के जोड़ की सफाई, बन्द पुलियों का पुनः निर्माण करवाया गया,वर्षा के समय वर्षा जल के त्वरित निस्तारण के लिए गुरुवार सुबह से ही अधिशासी अधिकारी द्वारा सफाई निरीक्षकों, सफाई नायकों व सफाई कर्मचारियों की टीम सहित समूर्ण नगर का निरीक्षण करके वर्षा जल की निकासी कराई गई।निचले स्थानों के जलभराव के निस्तारण हेतु मड पंप लगवाए गए।किशनगढ़ बिजनौर रोड कांवड़ यात्रा मार्ग पर वर्षा से भरे जल के त्वरित निस्तारण हेतु वैकल्पिक व्यवस्था करवा कर मार्ग को साफ व सुचारू कराया गया। नगर के नालों पर लोगो द्वारा स्थायी अतिक्रमण कर पक्का स्थायी स्लैब अथवा ऐसा निर्माण कर लिया गया है जिससे नालों के जल का प्रवाह अवरुद्ध होता है, ये भी जल भराव का बड़ा कारण है, ऐसे नागरिकों से अपील की जाती है कि वह सरकारी नाली नाले पर किए गए अतिक्रमण को स्वयं हटवा लें, सरकारी मार्ग से अपने घरों में जाने हेतु नाले पर लोहे की जाली अथवा सीमेंटेड हट सकने वाले स्लैब का प्रयोग करें। घरों का कूड़ा आदि पालिका के डोर टू डोर वाहन अथवा निर्धारित स्थान पर ही डाले कूड़े को कदापि नाले नालियों में न फेंके। अमरोहा को स्वच्छ व सुंदर बनाने में नगर पालिका परिषद अमरोहा का सहयोग करें।

अदालत ने दुष्कर्म पीड़िता को गर्भपात की अनुमति दी

प्रयागराज, एजेंसी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने चिकित्सकीय बोर्ड की राय को ध्यान में रखते हुए 12 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को गर्भपात कराने की अनुमति प्रदान की है। न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की पीठ ने दुष्कर्म पीड़िता की ओर से दायर एक याचिका पर बुधवार को यह आदेश पारित किया। लड़की मूक-बधिर है और उसने अपने 25 सप्ताह का गर्भ गिराने की अनुमति का अनुरोध किया था। पीठ ने चिकित्सकीय रिपोर्ट पर गौर करने के बाद कहा, ह्यह्लतथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए और चिकित्सा रिपोर्ट को देखते हुए गर्भपात का आदेश देना उचित होगा। इसके बाद, अदालत ने बुलंदशहर के जिला मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता (नाबालिग लड़की) अपनी मां के साथ बृहस्पतिवार सुबह 10 बजे ज

संक्षिप्त खबरें

72 लीटर शराब के साथ शाराब कारोबारी गिरफ्तार

मुंगेर। मंगलवार के देर शाम वाहन चेकिंग के दौरान पांच नंबर रेलवे गुमटी के निकट 72 लीटर महुआ शराब के साथ तीन शराब कारोबारी को पूरब सराय ओपी पुलिस ने गिरफ्तार किया। पूरब सराय ओपी पुलिस ने जिन तीन शाराब कारोबारी को गिरफ्तार किया उसमें मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कल्याण चक गांव निवासी मंगल उर्फ गोलू कुमार बरियारपुर थाना क्षेत्र के चिरैया वाद गांव निवासी गौरव कुमार और साहिल कुमार शामिल है। इस संबंध में ओपी प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान इन तीनों शराब कारोबारी को एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया है जबकि दो शराब कारोबारी भागने में सफल रहा। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। इस मामले में उत्पाद अधिनियम के तहत सभी पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है।

9 सूत्री मांगों को लेकर गुरुवार को भी जारी रहा धरना प्रदर्शन

टेटिया बंबर। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आशा कार्यकताओं गुरुवार को भी अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन जारी रखा। आशा कार्यकर्ता द्वारा अपनी नौ सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल बुधवार से धरना पर बैठे हुए हैं। धरनार्थियों ने अपनी मांगों को लेकर कहा कि पूर्व के बकाए मानदेय का भुगतान लंबित पड़ा हुआ है और आशा कार्यकताओं को राज्य कर्मियों का दर्जा देने हेतु हड़ताल किए गए हैं मौके पर उपस्थित आशा फैसिलिटेटर आशा देवी रेनू देवी अंजूदेवी एवं सभी आशा कार्यकताओं ने सरकार से अपनी मांग मनवाने को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। टेटिया बंबर प्रखंड के आशा कर्मियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने से स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई है।

अवैध हथियार के साथ दो कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

पूर्णिया। जिले के बनमनखी थाना अंतर्गत अवैध हथियार के साथ दो कुख्यात अपराधकर्मी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। अपराधी के पास से एक देसी हथियार भी बरामद किया गया है। घटना की जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक पूर्णिया आमिर जावेद के द्वारा जिले के सभी थानाध्यक्ष, ओपी प्रभारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को अपराध नियंत्रण एवं अवैध शराब बरामदगी हेतु प्रभावी गस्ती करने का निर्देश दिया गया है। दिए गए निर्देश के आलोक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बनमनखी हुलाश कुमार के नेतृत्व में थानाध्यक्ष बनमनखी एवं अन्य पुलिस बल के सहयोग से गस्ती के क्रम में राजहाट के पास संदेह के आधार पर दो व्यक्तियों की तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में उक्त व्यक्ति के पास से, एक लोडेड देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया गया है। दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

नवनियुक्त 40 अमीनों को डीएम ने विभिन्न कार्यालयों में किया पदस्थापित

पूर्णिया। नवनियुक्त 40 अमीनों को जिला पदाधिकारी कुन्दन कुमार द्वारा जिला पदाधिकारी कार्यालय वेश्म में सॉफ्टवेयर रेंडमाइजेशन के द्वारा विभिन्न अंचलों एवं भूमि सुधार उप समाहर्ता के कार्यालय में पदस्थापित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा सभी नवनियुक्त अमीनो को समाहरणालय सभाकक्ष में नियुक्ति सह पदस्थापन पत्र हस्तगत कराया गया। मौके पर उपस्थित सभी नवनियुक्त अमीनो को जिलाधिकारी द्वारा निष्पक्ष एवं इमानदारी पूर्वक अपने कर्तव्य एवं दायित्व का निर्वहन करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी द्वारा सभी अमीनो को बिचौलियों से सावधान रहने के साथ-साथ उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दिए। मौके पर अपर समाहर्ता केडी प्रौज्ज्वल, प्रभारी पदाधिकारी स्थापना राजीव रंजन, निर्देशक डीआरडीए -सह-गोपनीय प्रभारी नीरज नारायण पांडेय एवं संबंधित पदाधिकारी मौजूद थे।

डीएम ने नगर आयुक्त एवं कार्यपालक अभियंता के साथ किया बैठक

पूर्णिया। पथ निर्माण विभाग द्वारा जीरोमाइल से मरंगा तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य नगर निगम क्षेत्र में कराया जा रहा है। जिसमें स्ट्रीट लाइट का प्रोविजन नहीं दिया गया है। जिलाधिकारी द्वारा कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग पथ प्रमंडल पूर्णिया को स्ट्रीट लाइट का प्रोविजन कराने का निर्देश दिया गया था। लेकिन इसमें स्ट्रीट लाइट का प्रावधान नहीं किया गया। इसे गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी कुन्दन कुमार द्वारा नगर आयुक्त नगर निगम पूर्णिया एवं कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग के साथ अपने कार्यालय वेश्म में बैठक कर आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके पश्चात जिलाधिकारी द्वारा कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग को निर्देशित किया गया कि स्ट्रीट लाइट का प्रावधान शहरी क्षेत्र में आवश्यक है। फोर्ड कंपनी से मरंगा तक स्ट्रीट लाइट के अधिष्ठापन हेतु प्राक्कलन तैयार कर अधीक्षण अभियंता नगर निगम के द्वारा तकनीकी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

64 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया

समारोह को लेकर हुआ भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। टीएमबीयू का 64वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. जवाहरलाल ने किया। कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त शिक्षकेतर कर्मचारियों के साथ-साथ वर्तमान में बेहतर काम करने वाले कर्मियों को भी सम्मानित किया गया है।

वही कार्यक्रम की शुरूआत के पूर्व तिलकामांझी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। उसके बाद कुल ध्वजारोहण किया गया, साथ ही उपस्थित अतिथियों के द्वारा सामूहिक रूप से विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रति कुलपति एवं पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से विधिवत दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। वही कार्यक्रम के दौरान कुलगीत, स्वागत गान के साथ आगन्तु अतिथियों का सम्मान एवं स्वागत भाषण की प्रस्तुति की, साथ ही मंचासीन अतिथियों ने अपने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में जो स्थिति विश्वविद्यालय की रही हैं। उसे जल्द से जल्द सुदृढ़ करने की तैयारियां की जा रही हैं। समय के साथ शिक्षा के क्षेत्र में थोड़ी परेशानी रही हैं लेकिन उसे जल्द ही पटरी पर लाने की कोशिश की जा रही हैं। वही कार्यक्रम के क्रम में कुलपति प्रो जवाहर लाल ने कहा कि अवकाश प्राप्त कर्मचारियों का हमेशा सहयोग मिलता रहा है, जिसके लिए उनको विश्वविद्यालय की ओर से हमेशा सहयोग मिलता रहेगा, उनके ही कर्तव्यों का परिणाम है कि आज हम सभी एक साथ होकर विश्वविद्यालय की स्थापना समारोह का हिस्सा बन पाये है। वही अवकाश प्राप्त कर्मचारियों को कुलपति ने सम्मानित किया, साथ ही श्रेष्ठ कर्मचारियों का भी पुष्प गुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया गया। वही कार्यक्रम के क्रम में नवनिर्वाचित अधिसद सदस्य का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह किया गया। इसके बाद कुलपति द्वारा अध्यक्षीय भाषण से कार्यक्रम की शुरूआत हुई कार्यक्रम के दौरान कुलसचिव डॉ. गिरिजेश नंदन कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कुलपति ने अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय के इतिहास से लेकर बजट और शैक्षणिक सत्र की कई जानकारियां दी, एवं विश्वविद्यालय को और सुदृढ़ और विकासशील बनाने के लिए कई बातें कही गई। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के 64वें स्थापना दिवस पर लगभग सभी महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने एक से बढ़कर एक नृत्य गीत संगीत की प्रस्तुति देकर लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ./प्रो. जवाहर लाल, कुलसचिव डॉ. गिरिजा नंदन कुमार, छात्र कल्याण के अध्यक्ष प्रो./डॉ. योगेंद्र के अलावे सभी विश्वविद्यालय के प्रशासनिक पदाधिकारी कर्मी सहित दर्जनों छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

कोसी नदी का रौद्र रूप में कटाव होता देख ग्रामीण हुए भयभीत

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला अंतर्गत इन दिनों लगातार हो रही बारिश के कारण कोसी नदी ने अपना रौद्र रूप धारण कर लिया है। नवगछिया पुलिस जिले के खरीक प्रखंड क्षेत्र स्थित सिंहकुण्ड गांव का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। मामले को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मिली जानकारी के तहत बताया जा रहा है कि कोसी नदी में जल स्तर अत्यधिक वृद्धि के साथ नदी बहाव की धारा गाँव की ओर मुड़ गई है और कटाव की रफ्तार तेज हो गई है। तेज रफ्तार से हो रही कटाव और कोसी के विकराल रूप को देखते हुए इलाके में रहने वाले ग्रामीण भयभीत चल रहे हैं। वहीं कोसी नदी में तेज रफ्तार से हो रही कटाव को लेकर ग्रामीणों के बीच में राज्य सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रति आक्रोशित दिखाई दे रहा है। क्षेत्र इलाके में वर्षों से हो रही कोसी नदी में कटाव लगातार जारी है। वही गाँव आवागमन का एक ही मात्र संसाधन मार्ग शेष नाव रह गया है, लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधि सुध लेने तक ग्रामीणों के बीच नही पहुंच पा रहे हैं। अभी कोसी के जलस्तर में बढ़ोतरी होना शुरू ही हुआ है और हालात बिगड़ने लगी है। जलस्तर में तेजी से हो रही बढ़ोतरी के बाद हालात और भी बद से बदत्तर स्थिति में पहुंच गया है जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के बीच घर मकान कटाव की भेंट चढ़ने का खतरा सताने लगा है। वही ग्राउंड जीरो स्तर पर हालात डराने वाली स्थिति में ही देखने को मिल रही हैं। ज्ञात हो कि विगत कुछ साल पूर्व भी यही हालत बनी हुई थी जिसे लेकर स्थानीय प्रशासन की अनदेखी के कारण कई गांव के लोगों का घर मकान कटाव की भेंट चढ़ गया था जिसके बाद राज्य सरकार के नेतृत्व में कई हजार करोड़ रुपये की लागत से कटाव रोधी कार्य शुरू कराया गया था लेकिन विचौलियों और भ्रष्टाचार की जद्दोजहद में उक्त कटावरोधी कार्य पुनः पानी में समाहित होने की कगार पर पहुंच गया है।

कंप्यूटर व अन्य कलाकृति प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत : मेयर

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। मां आनंदी संस्था द्वारा बरसों से महिला उत्थान, महिला सशक्तिकरण एवं अन्य सामाजिक कार्यों को लेकर कार्य करते आ रही है। वही संस्था ने कई असहाय और जरूरतमंद लोगों को स्वरोजगार की ओर अग्रसर कर रोजगार मुहैया करने का सराहनीय कार्य किया है। इसी कड़ी में संस्था ने निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण, ब्यूटीशियन कोर्स सिलाई कढ़ाई कोर्स के साथ-साथ अन्य कई प्रकार के प्रशिक्षण दिये जाने की शुरूआत की है। वही प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मेयर डॉ. वसुंधरा लाल, पूर्व मेयर डॉ. बिना यादव, रेणु सिंह एवं मां आनंदी संस्था की संस्थापिका प्रिया सोनी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस मौके पर प्रशिक्षण ले रही महिलाओं को मुख्य अतिथि मेयर डॉ. वसुंधरा लाल ने कहा कि मां आनंदी संस्था की यह पहल समाज को एक नई दिशा देगी। इस कार्य के लिए में संस्था के संस्थापक प्रिया सोनी को धन्यवाद देती हूं और ऐसे कार्य के लिए मैं उन्हें प्रोत्साहन भी करती रहूंगी। वहीं संस्था के संस्थापिका प्रिया सोनी ने कहा कि आज के दौर में समाज की स्थिति को देखते हुए मैंने इस निशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रोग्राम की शुरूआत की है, जिससे हमारा समाज शिक्षित हो और स्वरोजगार कर आत्मनिर्भर बने और सशक्त बनाने के साथ मजबूत हो, और जब हमारा समाज मजबूत होगा, तब राज्य मजबूत होगा और जब राज्य मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा। इसी उद्देश्य को लेकर आज एक निशुल्क प्रशिक्षण सेंटर का शुभारंभ हुआ है। वही इस कार्यक्रम में बारी बारी से सभी वार्डों में निशुल्क प्रशिक्षण सेंटर की शुरूआत कर लोगों को प्रशिक्षित करने के साथ स्वरोजगार के लिए प्रेरित करूंगी, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर हो सशक्त बनाने में सहायक हो सके।

ट्रक चालक पति की तलाश में पत्नी काट रही, थाने के चक्कर

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला परिक्षेत्र स्थित खरीक थाना क्षेत्र अन्तर्गत ध्रुवगंज के रहने वाले संतोष दास विगत 10 दिनों से लापता चल रहा है। लापता ट्रक ड्राइवर की तलास में परिजन लगातार इर्दगिर्द भटकते नजर आ रहे हैं। वही मामले को लेकर लापता ट्रक चालक संतोष की पत्नी सविता देवी ने अपने पति की खोजबीन की गुहार स्थानीय खरीक थाने से लेकर भागलपुर के लोदीपुर थाने के साथ-साथ जिले के वरीय पुलिस अधिकारियों के कार्यालय का चक्कर काट रही है, लेकिन ना तो पुलिस ने मामला दर्ज किया और ना ही उनके पति ट्रक चालक की खोजने की कोई मुहिम शुरू की है। वही मामले को लेकर पीड़ित पत्नी का कहना है कि उनका पति ट्रक चालक है और एक प्राइवेट ट्रांसपोर्ट की गाड़ी चलाता है। वही पीड़ित पत्नी ने शंका जताई है कि लोदीपुर थाना क्षेत्र में एक ढाबा चलाने वाली संजू नाम की महिला से उसके पति संतोष की बात लगातार मोबाइल फोन पर होती थी। वही उन्होंने शंका जाहिर करते हुए कहा कि उसके पति को गायब करने में उक्त महिला का हाथ है, लेकिन वरीय पुलिस अधिकारियों के कार्यालय का चक्कर काटने के बावजूद भी लापता होने के 10 दिन बीत जाने के बावजूद आज तक थाने में मामला दर्ज नहीं किया जा सका है। वही लापता ट्रक चालक के परिजन किसी अनहोनी की आशंका से परेशान है। अब देखने वाली बात है कि पुलिस जहां लोगों के प्रति जागरूक रहने की हमेशा ढोलकी वाहवाही लूटने का काम करते रही हैं क्या लापता ट्रक चालक की बरामदगी कर पाने में सफल हो पाती हैं ये सबसे बड़ा सवाल बन गया है क्या पीड़िता की फरियाद अनसुनी कर दी जायेगी, पुलसिंग कार्रवाई को लेकर ये सवाल खड़े हो रहे।

मेले में कांवरियों की दे रहे भरपूर सहयोग सेवा कार्य

शाहकुंड (भागलपुर)। सुल्तानगंज नगर परिषद क्षेत्र में आयोजित मेला की शुरूआत के बाद से ही लगातार प्रत्येक दिन लाखों कांवरिया अजगैबीनाथ धाम गंगा तट से जल भर कर देवघर स्थित बाबा नगरी के लिए रवाना हो रहे हैं। वही कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन ने काफी पुख्ता इंतजाम किये हैं, चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे के साथ साथ अतिरिक्त पुलिस बल के साथ क्षेत्र निगरानी व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सात जगहों पर अस्थाई थाने बनाए गए हैं, सभी कांवड़िया कांवर उठाने से पहले गंगा नदी में स्नान करने के साथ गंगाजल भर कर पूजा अर्चना के साथ बाबा धाम के यात्रा पर रवाना होते हैं, इसी क्रम में किसी तरह की घटना ना हो इसके लिए एसडीआरएफ की टीम लगातार मुस्तैदी से अपना काम कर रही है। विगत दिन पूर्व दो कांवड़िया पटना से चलकर सुल्तानगंज पहुंचे थे, जहां जल भरने के दौरान डूबने लगे थे, वही एसडीआरएफ की टीम ने अपनी तत्परता दिखाते हुए दोनों कांवरिया को डूबने से बचा लिया गया। वही देखा गया कि एसडीआरएफ की बोट के इंजन में कुछ गड़बड़ हो गई हैं वही जब मामले को लेकर एसडीआरएफ टीम के नेतृत्वकर्ता कमांडर गणेश ओझा से पूछा गया तो उन्होंने बताया यह इंजन जल्द ही दुरुस्त कर दिया जाएगा।

रिजल्ट को लेकर छात्र-छात्राओं ने किया हल्ला बोल प्रदर्शन

टीएमबीयू परिसर पहुंच छात्र छात्राओं ने कॉपी दिखाये जाने की मांग

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। टीएमबीयू परिसर में आगामी कुछ दिन पूर्व पीएचडी के लिए एंट्रेंस परीक्षा आयोजित की गई थी। उक्त परीक्षा का परिणाम विगत 1 जुलाई को घोषित किया गया था। वही जब पेट के परीक्षार्थी अपने परीक्षा परिणाम के प्रोग्रेस रिपोर्ट को देखने के लिए विश्वविद्यालय परिसर पहुंचे, तो उन्हें रिजल्ट कहीं भी नहीं दिखाया गया ना ही टीएमबीयू साइट पर जारी किया गया था, उसके बाद उक्त परीक्षा का प्रोग्रेस के रिजल्ट घोषित रिपोर्ट को विगत 3 जुलाई को प्रकाशित किया गया। वही परीक्षा में शामिल हुए जितने भी पेट के परीक्षार्थी थे, वह काफी आक्रोशित दिखाई दे रहे थे, उनका साफ तौर पर कहना था कि रिजल्ट में घोर धांधली हुई है, जिसके चलते कई विद्यार्थियों का रिजल्ट के परिणाम अच्छे नहीं निर्गत किये गए है, कई वर्षों से परीक्षा के कॉपी दिखाएं जाते थे, लेकिन इस बार नहीं दिखाए जा रही हैं, हमें परीक्षा की कॉपी दिखाई जाय अन्यथा यह समझा जाएगा कि विश्वविद्यालय में रिजल्ट को लेकर धांधली हुई है। जबतक विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा हम लोगों की मांगे नहीं पूरी की जाती है, तबतक हम लोग प्रदर्शन यू ही जारी रखेंगे। वहीं प्रदर्शन के दौरान दर्जनों छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन के परीक्षा नियंत्रण कक्ष के सामने हल्ला बोल प्रदर्शन करते दिखे है। वही स्थानीय विश्वविद्यालय थाना पुलिस छात्रों के जारी प्रदर्शन को देखते हुए भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी है।

अपनी मांगों को लेकर आशा कार्यकर्ता दूसरे दिन भी सदर अस्पताल के मुख्य द्वार पर किया धरना प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

सदर मुंगेर। अपनी नौ सूत्री मांगों को लेकर बिहार राज्य आशा संघ के आह्वान पर गुरुवार के दिन भी जिले के सभी आशा अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटी रही।

हड़ताल का नेतृत्व सदर अस्पताल में बिहार राज्य आशा कार्यकर्ता संघ गोपगुट की अध्यक्ष उषा देवी एवं जिला सचिव जुली कुमारी कर रही थीं। आशा कार्यकर्ता सैकड़ों की संख्या में सदर अस्पताल पहुंच कर ओपीडी एवं टीकाकरण कार्य को बाधित की ,इमरजेंसी सेवा छोड़ कर अन्य सेवा भी बाधित करने का प्रयास किया। जिला सचिव जुली कुमारी ने कहा कि सरकार सरकारी पत्र में पारितोषिक राशि को बदल कर मानदेय राशि भुगतान करे। संध की अध्यक्ष ने बताया अपने हक और अधिकार को लेकर कर्मियों की हड़ताल की है। आशा कर्मी को स्थाई कर्मचारी का दर्जा देकर नियुक्ति पत्र, न्यूनतम 21000 मानदेय व कोरोना संकट के दौरान लॉकडोंउन अवधि से आशा कर्मियों को 1000 मासिक अलग से दिए जाने सहित 9 सूत्री मांग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल के दौरान सदर अस्पताल के मुख्य द्वार पर धरना-प्रदर्शन किया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष कल्याणी कुमारी, सचिन रंजना कुमारी मीना सरकार,सुनीता कुमारी, प्रीति कुमारी,शीला देवी, शोभा देवी, सुजाता कुमारी,फुलबती देवी, रंजन बानो, आशा फैसलेटर लक्ष्मी कुमारी क्षेत्र की सभी आशा उपस्थिति रही।

फर्जी जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी करने वाले शिक्षक को किया गया सेवामुक्त

मई में फर्जी शिक्षक के वेतन पर लगाया गया था रोक, अब गयी नौकरी

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया/बड़हरा कोठी। प्रखंड अंतर्गत पंचायत शिक्षक नियोजन इकाई ग्राम पंचायत राज मुलकिया द्वारा जालसाजी कर फर्जी जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी करने वाले शिक्षक जुबैर इमाम को सेवामुक्त कर दिया गया है। जानकारी देते हुए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बड़हरा कोठी ने बताया कि पंचायत नियोजन इकाई द्वारा पारित आदेश की कॉपी प्राप्त हो चुका है। इससे पूर्व 4 मई 2023 को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बड़हरा कोठी द्वारा पीठासीन पदाधिकारी जिला अपीलीय प्राधिकार पूर्णिया के आदेश के आलोक में पंचायत शिक्षक नियोजन इकाई के फलाफल निर्णय तक मध्य विद्यालय मुड़बल्ला में कार्यरत शिक्षक जुबैर इमाम का वेतन स्थगित करते हुए विद्यालय संचालन पर रोक लगाया गया था। बताते चलें कि मध्य विद्यालय मुड़बल्ला में 2003 से नियोजित शिक्षक मो जुबैर इमाम के द्वारा शिक्षक की नौकरी पाने में किये गए जालसाजी के संबंध में ग्रामीण कमलेश्वरी प्रसाद यादव द्वारा वर्ष 2019 में ही जिला अपीलीय प्राधिकार में वाद दायर किया गया था कि मो जुबैर इमाम पिता अताउल हक और मो जुबैर आलम दोनों एक ही व्यक्ति है जो अलग अलग वर्ष में अलग अलग नाम से भिन्न भिन्न जन्म तिथि डाल कर मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण किये हैं। जिला अपीलीय प्राधिकार के निर्देश पर फरवरी 2020 में तत्कालीन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बड़हरा कोठी द्वारा परिवादी के साक्ष्य और उपलब्ध अभिलेख के जांच के क्रम में शिकायत कर्ता का आरोप सत्य पाया गया। जांच के क्रम में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा वर्ष 1983 में निर्गत प्रमाण पत्र में नाम मो जुबैर आलम जन्म तिथि 08 जनवरी 1966 तथा वर्ष 2001 में निर्गत प्रमाण पत्र में नाम मो जुबैर इमाम जन्मतिथि 31 दिसंबर 1981 पाया गया। जांच के क्रम में पाया गया कि मो जुबैर इमाम वर्ष 2001 के वार्षिक परीक्षा के प्रमाण पत्र के आधार पर शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं जबकि इन्होंने वर्ष 1983 के वार्षिक परीक्षा में ही उत्तीर्णता प्राप्त कर लिया था। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बड़हरा कोठी द्वारा जिला अपीलीय प्राधिकार को सौंपे जांच प्रतिवेदन में उद्धृत किया गया कि वर्ष 1983 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण हुए व्यक्ति जिनकी जन्मतिथि 08 जनवरी 1966 है वह व्यक्ति बाद में वर्ष 1981 में जन्म नहीं ले सकता। स्पष्ट रूप से शिक्षक द्वारा जानबूझ कर जालसाजी का काम किया गया है। इसके लिए आवश्यक कार्यवाही आवश्यक है।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के जांच प्रतिवेदन के आधार पर जिला अपीलीय प्राधिकार द्वारा आदेश पारित कर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को उचित कार्यवाही का निर्देश दिया गया था। लेकिन कोई कार्यवाही नही होने पर परिवाद द्वारा पुनः 2023 में बाद दायर किया गया। 2023 के दायर बाद पर प्राधिकार द्वारा 03 अप्रैल को सुनवाई के क्रम में 2019 में दायर परिवाद संख्या 02/2019 में पारित आदेश का अनुपालन करते हुए प्रतिवेदन समर्पित करने का आदेश प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बड़हरा कोठी को दिया गया।

डीएम के निदेशों का हुआ अवहेलना कच्ची कांवरिया पथ पर खुलेआम बिक रहा, कई प्रकार के नशीले पदार्थ

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर(मुंगेर)। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला का रंग अब धीरे धीरे कच्ची काँवरिया पथ पर चढ़ने लगा हैं। सुलतानगंज से लेकर बाबा बैधनाथ धाम देवघर तक केसरिया रंगों से पट चुका है। बोलबम का नारा हैं बाबा एक सहारा हैं। बाबा नगरिया दूर हैं जाना जरूर हैं सहित हर हर महादेव के नारे से सम्पूर्ण वातावरण गुंजायमान हो रहा हैं। ध्वनि विस्तारक यंत्र पर बज रहे काँवर भजन से पूरे कच्ची काँवरिया पथ सहित देवघर सुलतानगंज सड़क मार्ग में भोलेनाथ की भक्ति की बयार बह रही हैं। परंतु भोलेनाथ के भक्त कच्ची काँवरिया पर अनेक असुविधायों को नजरअंदाज कर भक्ति एवं आस्था के इस पावन पर्व में बाबा का नाम लिए कांधे पर गंगा जल और मुख में बोलबम का नारा लगाते हुए आगे बढ़े जा रहें हैं। बुधवार को प्रखंड के 12 किलोमीटर कच्ची काँवरिया पथ में अनेकों प्रशासनिक कुव्यवस्था देखने को मिला। कच्ची काँवरिया पथ के विभिन्न जगहों पर नियुक्त दंडाधिकारी सहित पुलिस कर्मी मूकदर्शक बनी हुई हैं। प्रखंड के मनिया स्थित सरकारी धर्मशाला के आगे कावरियों की वाहन इस कदर जाम किया हुआ हैं कि धर्मशाला के अंदर काँवरिया को प्रवेश करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता हैं। बिहार के समस्तीपुर जिला से काँवर यात्रा पर निकले प्रमोद शर्मा सुधांशु सिंह अशोक झा आदि ने बताया कि धर्मशाला से आगे इस प्रकार घंटों तक वाहन का ठहराव किये जाने से कावरियों को काँवर लेकर धर्मशाला के अंदर जाने में जल वाहन में सट जाता हैं। जो पवित्रता के दृष्टिकोण से सही नहीं हैं। वहीं जब कच्ची काँवरिया पथ होते हुए गोविंदपुर पहुँचा तो वहाँ लगे दुकान जिला पदाधिकारी के आदेश कर खुलेआम धज्जियां उड़ाते देखा गया जहां जिलाधिकारी द्वारा कच्ची काँवरिया पथ पर पूरी तरह से नशीले पदार्थ के बिक्री और सेवन की बात को बर्जित रहने की बात कही गई थी। वही इसके विपरीत कच्ची काँवरिया पथ पर लगे पान के दुकान पर कई प्रकार के गुटखा एवं पान मसाला दुकान की शोभा बढ़ाते पाया गया। फिलवक्त कच्ची काँवरिया पथ पर तमाम प्रशासनिक कुव्यवस्थाओं को झेलते हुए कांवरिया बोल बम का नारा है बाबा एक सहारा है का नारा लगाते हुए आगे बढ़े जा रहे हैं।

समान नागरिक संहिता को किसी ने बताया देशहित में तो किसी ने विध्वंसकारी

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया। एक देश एक कानून अर्थात समान नागरिक संहिता को लागू करने को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा जैसे ही आह्वान किया गया, पूरे देश में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति शुरू हो गयी। समान नागरिक संहिता के मुद्दे को लेकर सत्ता पक्ष पूरी तरह गोरबंद दिखाई पड़ रहे हैं, वही आम आदमी पार्टी को छोड़ विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर पुरजोर विरोध कर रहे हैं। हालांकि सर्वोच्च अदालत ने इस मुद्दे को लेकर हरी झंडी दे दी है, इसके बावजूद विरोधी खेमे के लोग इस मुद्दे को भाजपा का राजनीतिक एजेंडा बताकर जोरदार विरोध कर रही है। समान नागरिक संहिता सचमुच देश हित में है या नहीं साथ ही विरोधी खेमे के द्वारा इसकी पुरजोर विरोध को देखते हुए समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दे पर लॉ कमीशन ने आम लोगों से राय मांगी है।

इस मुद्दे को लेकर आइए जानते हैं की आम लोगों की क्या राय है। समान नागरिक संहिता को लेकर डॉक्टर प्रोफेसर सतीश कुमार साहा ने कहा कि समान नागरिक संहिता के लागू होने से सामाजिक व्यवस्था में समरूपता आएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति तभी संभव है जब एक राष्ट्र एक कानून होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बातों का समर्थन करते हुए कहा कि जब एक घर में दो कानून व्यवस्था नहीं हो सकती है, तो फिर एक देश में दो कानून व्यवस्था कैसे चलेगी। उन्होंने कहा कि एक देश में दो कानून व्यवस्था देश की कामयाबी और प्रगति के मार्ग पर रोड़ा उत्पन्न कर सकती है। कुल मिलाकर समान नागरिक संहिता राष्ट्र हित में है। वहीं समान नागरिक संहिता को लेकर विश्वविद्यालय बनाओ संघर्ष समिति के संस्थापक आलोक राज ने कहा कि यह कानून अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन है। केंद्र सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए इस तरह के अशांतिरुपी कानून लाकर जनहित से जुड़े मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाना चाह रही है। उन्होंने कहा कि इस कानून से देश में अराजकतावादी व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होगी जिससे एक साफ सुथरी लोकतांत्रिक वादी छवि पूरी दुनिया में धूमिल होगी।

विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गयी आशा कार्यकर्ता

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया/बड़हरा कोठी। प्रखंड क्षेत्र के आशा कार्यकताओं ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का आगाज करते हुए बड़हरा कोठी पीएचसी परिसर में धरना दिया। धरना का नेतृत्व करते हुए आशा संघ के प्रखंड अध्यक्ष माला कुमारी ने बताई की बिहार राज्य आशा एवं आशा फेसिलेटर संघ के आह्वान पर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू किया गया है। मांगों के संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताई कि सर्वप्रथम हमलोगों को राज्य निधि से देय 1000 रुपया मासिक संबंधी राशि को सरकारी संकल्प में अंकित पारितोषिक शब्द को बदलकर मासिक मानदेय किया जाय और इसे बढ़ाकर दस हजार रुपये किया जाय। आशा कार्यकताओं एवं फेसिलेटरों का सारा बकाया राशि जल्द से जल्द भुगतान किया जाय तथा भुगतान में पारदर्शिता एवं एकरूपता लायी जाय। आशाओं के भुगतान में व्याप्त भ्रष्टाचार कमीशनखोरी पर रोक लगाया जाए। कोरोना काल मे ड्यूटी के लिए सभी आशा कार्यकताओं फेसिलेटरों को 10 हजार रुपया कोरोना भत्ता भुगतान किया जाय।

आशा कार्यकताओं को देय पोषाक में साड़ी के साथ ब्लाउज, पेटीकोट एवं ऊनी कोट की व्यवस्था की जाय एवं इसके लिए अद्यतन भुगतान किया जाय साथ ही फेसिलेटरों का पोषक निर्धार

पहली बार वकील के किरदार में दिखेंगी काजोल

काजोल की वेब सीरीज- द ट्रायल- प्यार, कानून, धोखा 14 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होने जा रही है। इसे सुपर्ण एस वर्मा ने डायरेक्ट किया है। इस सीरीज के जरिए काजोल पहली बार ओटीटी पर न सिर्फ एंट्री कर रही हैं, बल्कि पहली बार वकील की भूमिका में नजर आएंगी। सीरीज में उनके अपोजिट जिशु सेनगुप्ता हैं।

आप पहली बार वकील की भूमिका निभा रही हैं, इस पर क्या कहेंगी?

अवसर मिला नहीं। बीच में दो-तीन स्क्रिप्ट आई थी, लेकिन किसी का स्क्रीनप्ले पसंद नहीं आया तो किसी में डायरेक्टर पसंद नहीं आया। अलग-अलग चीजें हैं, जिसकी वजह से मैंने न कह दिया। वकील की भूमिका के लिए इस बार तीनों चीजें अच्छे से बैठ गई। मुझे स्क्रिप्ट, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर पसंद आया, सो कर लिया।

वकील की भूमिका निभाने के लिए तैयारी कैसे की?

मैंने स्क्रिप्ट सुनी, तब पाया कि यह बहुत अच्छी तरह से लिखा गया है। यहां तक कि लॉयर बनने का तरीका, उसे क्या और कैसे बोलना है, यह सब लिखा गया था। सलाह के लिए हमारे सेट पर प्रिया हिमानी और उनकी टीम होती थी। उनसे हर वक्त पूछा जा रहा था कि इसे करना चाहिए या नहीं करना चाहिए। किस तरह से कास्टयूम पहनना चाहिए, जज से किस तरह से बात करना चाहिए। हम सब बहुत कुछ सर्च-रिसर्च और सोच-समझकर सेट पर आए। वकील के कैरेक्टर के लिए हमें ज्यादा काम नहीं करना पड़ा, क्योंकि बड़े खूबसूरत ढंग से लिखा गया था। फिर भी बोलने का एक तरीका और रिदम होता है, उस पर जरूर काम करना पड़ा।

क्या किसी सीन को शूट करने में दिक्कत आई?

मुझे दरवाजा खोलने में बहुत ज्यादा दिक्कत आई। उसके काफी सारे रीटेक हुए, क्योंकि एक हाथ में बैग और दूसरे में फोन पर बात करना होता था। इस बीच बैग से चाबी निकालकर दरवाजा खोलना और बंद करना है। इसके बीच डायलॉग बोलना और रिएक्शन भी देना था। कोई और आ गया, तब उसको भी हाय-हैलो बोलना है। इसके बाद बैग में फोन बैग में रखना है और बैग को टेबल पर रखना था। उसके बाद चाभी को टेबल की साइड में रखना है। इसके बावजूद डायरेक्टर का कहना था कि इस सीन को एक शार्ट में लेना है और सबके रिएक्शन भी आना चाहिए। अब पूरा सीन खत्म भी हो गया, तब वापस दरवाजा खोलना है।

क्या फिल्म और सीरीज में कुछ अंतर भी लगा?

एक्टर के लिए तो दोनों एक ही है। लेकिन हां, यह जरूर लगा कि एडजस्ट होने में थोड़ा टाइम लगा। ऐसा लगता है कि तीन पिक्चर्स एक साथ शूट कर रही हूं। एक ही किरदार है, लेकिन वह कहां से कहां तक जाता है। उसके बारे में पूरे विस्तार से बताया जाता है। उसका एक आर्ट है। इसमें एडजस्ट होने में वक्त लगता है। लेकिन बतौर एक्टर कैमरा के सामने जाकर एक्टिंग करनी है, तब उसमें कोई अंतर नहीं लगता।

अपकमिंग प्रोजेक्ट के बारे में बताइए?

अभी 'द ट्रायल- प्यार, कानून, धोखा' वेब सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 14 जुलाई को रिलीज हो रही है। इसे लेकर बहुत खुश और साथ में एक्साइटेड भी हूं, क्योंकि ट्रेलर के लिए लोगों का बहुत अच्छा रिएक्शन मिला है। लोगों को बहुत पसंद आया है, इसके लिए उनका धन्यवाद। अभी धर्मा प्रोडक्शन की एक ही फिल्म कर रही हूं। मेरे ख्याल से वह अगले साल रिलीज होगी। रिलीज डेट के बारे में अभी कुछ पता नहीं है, लेकिन उसकी शूटिंग अभी खत्म हुई है।

लखनऊ की लड़की की कहानी कहना चाहती हैं नुसरत भरूचा

प्यार का पंचनामा, सोनू के टीटू की स्वीटी और जनहित में जारी जैसी फिल्मों से नुसरत भरूचा ने अपनी बेहतरीन एक्टिंग का परिचय दिया। अपने किरदार से पहले कहानी के बारे में सोचने वाली 'ड्रीम गर्ल' को अभी उनके सपनों का राजकुमार नहीं मिला है। उनका मानना है कि ऐसा नहीं है कि किसी भी फिल्म का रीमेक बना लो और वो चल जाएगी। हिट होने के लिए फिल्म का अच्छा होना जरूरी है। अदाकारा पर्दे पर लखनऊ की लड़की की भूमिका निभाना चाहती हैं। बीते दिनों वह शहर आईं, तो उन्होंने ढेर सारी बातें कीं।

किरदार के बजाए स्क्रिप्ट पर ध्यान देती हूं

स्क्रिप्ट के चुनाव से पहले मैं कहानी और डायरेक्टर भी देखती हूं। अगर स्टोरी अच्छी हो और डायरेक्टर सही ना हो तो वो खराब हो जाती है। अगर डायरेक्टर अच्छा हो और कहानी ठीक-ठीक हो तो भी वह उसे बेहतरीन बना देता है। इस वजह से मैं इन दोनों चीजों पर खासा ध्यान देती हूं। मैं यही मानती हूं कि आप जो करने आए हैं, उसे ईमानदारी के साथ निभाइए। जो भी काम मेरे पास आ रहा है, सबसे पहले मुझे अच्छा लगना चाहिए। फिर मैंने अगर तय कर लिया कि मुझे फिल्म करनी है तो मैं किसी के बारे में नहीं सोचती। मैं अपने किरदार की बजाए स्क्रिप्ट पर ध्यान देती हूं। अगर मैं अपने किरदार के बारे में सोचती तो बहुत ऐसी फिल्में हैं, जो मैं नहीं करती।

लोग भूल जाएं तो नया रास्ता चुन लें

हम ऐक्टर्स भी भावुक होते हैं। ऐसा नहीं है कि हम सिर्फ पर्दे पर ही इमोशन दिखाते हैं। कोई भी फिल्म बनाने में बहुत मेहनत लगती है। आपकी जिंदगी में कुछ असल में होता है तो इमोशन आते हैं, जबकि पर्दे पर हमें वह इमोशन क्रिएट होता है, जो कि मुश्किल है। उसके बाद अगर आपकी फिल्म को लोग नाकार देते हैं, पसंद नहीं आती या बॉयकॉट हो जाती है तो काफी दुख होता है। शायद, ऐसा कुछ है, जो हमें बदलना चाहिए। इंडस्ट्री ने मुझे बहुत कुछ दिया है। इतने समय में मैंने जो एक चीज सीखी है कि आप आज हो तो कल गायब भी हो सकते हो। लोगों का प्यार आज आपके पास है, कल हो सकता है वो आपको भूल जाएं। ये हर ऐक्टर के साथ होता है तो ऐसे में जब तक आप हैं एंजॉय करिए, काम करिए, खुश रहिए, जिस दिन लोग आपको भूल जाएं, अपने लिए नया रास्ता चुन लेना।

मेरा किसी से अफेयर नहीं चल रहा

बॉलीवुड रीमेक पर निर्भर होता जा रहा है। इस पर नुसरत ने कहा कि फिल्मों में ऐसा ट्रेंड आता ही है। जैसे अगर कोई फिल्म चल गई तो पांच-दस प्रोड्यूसर वैसी ही फिल्में बनाने में लग जाएंगे। एक रीमेक चल गई तो सबने सोचा कि वैसी ही फिल्में बनानी चाहिए। ऐसा नहीं है कि आप किसी भी फिल्म का रीमेक बना लो और वो चल जाएगी। हिट होने के लिए फिल्म का अच्छा होना जरूरी है। अदाकारा ने अपने अफेयर की चर्चाओं पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मेरा अभी किसी से अफेयर नहीं चल रहा है। किसी का भी हाथ पकड़कर आने-जाने से ये तय नहीं हो जाता कि हम साथ हैं। लोगों का काम है, बोलना वो कुछ ना कुछ बोलते रहेंगे।

कोरोना के समय ओटीटी ने ही बचाया था

ओटीटी से फिल्मों को खूब चुनौती मिल रही है। ये इतनी बड़ी परेशानी हो गई है, जिसे हम अभी समझ ही नहीं पा रहे लेकिन अभी इसका हल किसी को नहीं पता। कोरोना के समय में हमें बचाया भी ओटीटी ने ही था क्योंकि उस समय इसी प्लैटफॉर्म पर ही लोगों ने घर बैठे सिनेमा देखा। अब ओटीटी की जो ऑडियंस बन गई है, उसे अब मिटा तो नहीं सकते। अब ये संतुलन कैसे बनेगा कि ओटीटी भी चलता रहे और दर्शक सिनेमाघर भी आएं तो इस बारे में जरूर विचार करना होगा। बाकी हमें भी थोड़ा स्थिर होने में वक्त लगेगा।

ओरिजिनल वर्जन देखती हूं

मैं जब रीमेक करती हूं तो ये अभ्यास करती हूं कि मुझे ओरिजिनल वर्जन नहीं देखना है। अगर आपने उसका पिछला वर्जन देखा होगा तो बतौर ऐक्टर उसके हिसाब से ही आपके दिमाग में विचार आते हैं, जिस वजह से आप कुछ नया सोच या कर नहीं पाते। बाकी नर्वस तो मैं हर फिल्म के लिए होती हूं।

फिल्म भाग मिल्खा भाग मेरे करियर में सबसे अहम

रॉक ऑन, दिल धड़कने दो और जिंदगी ना मिलेगी दोबारा जैसी फिल्मों के लिए मशहूर बॉलीवुड अभिनेता-निर्देशक-निर्माता फरहान अख्तर की फिल्म भाग मिल्खा भाग को 10 साल पूरे हो गए। इसमें उन्होंने भारतीय खेल के दिग्गज मिल्खा सिंह का किरदार निभाया था। भाग मिल्खा भाग एक दशक पहले रिलीज़ हुई थी और इस फिल्म में भारतीय खेल दिग्गज मिल्खा सिंह की कहानी बताई गई थी जिन्होंने एशियाई खेलों के परचम लहराया था। वह राष्ट्रमंडल खेलों में 400 मीटर में स्वर्ण जीतने वाले एकमात्र एथलीट है। उन्होंने 1958 और 1962 के एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक जीते। राकेश ओमप्रकाश मेहरा द्वारा निर्देशित फिल्म की 10वीं वर्षगांठ पर फरहान ने सोशल मीडिया पर अपना आभार व्यक्त किया है। स्क्रीन पर अपने किरदार के जीवन के विभिन्न चरणों को साझा करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, एक फिल्म की रिलीज को 10 साल हो गए हैं, जिसका मेरे करियर और मेरे जीवन में बहुत महत्व है। बात यह है कि यह आपके दिलों में भी स्थान रखती है। मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनाने के लिए राकेश ओमप्रकाश मेहरा को एक बार फिर से तहे दिल से धन्यवाद। फिल्म को 61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में दो खिताबों से सम्मानित किया गया।

लंदन में हर दिन दस किलोमीटर पैदल चल रहे हैं मनोज बाजपेयी

इन दिनों राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और पद्मश्री से सम्मानित अभिनेता मनोज बाजपेयी परिवार के साथ लंदन में छुट्टियां बिता रहे हैं। इसी बीच एक्टर ने एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उन्होंने बताया है कि वो परिवार के साथ हर दिन 10 किलोमीटर पैदल चलते हैं। अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पत्नी शबाना, बेटी अवा नायला के साथ एक फोटो शेयर किया। इसके कैप्शन में अभिनेता ने लिखा, लंदन को 12 साल के बच्चे की आंखों से देखना बहुत मजेदार रहा। मैं यहां कई बार आया हूं, लेकिन एक पर्यटक के रूप में यह मेरा पहला मौका है। हम हर दिन कम से कम दस किलोमीटर चल रहे हैं। उनकी फोटो पर सत्या फिल्म के संपादन करने वाले और अलीगढ़ के सह लेखक अपूर्वा असरानी ने कमेंट किया- सुंदर। कोहिनूर लेकर आना।

शाहरुख के साथ जवान में नजर आएंगी सान्या मल्होत्रा

सान्या मल्होत्रा बॉलीवुड में दंगल गर्ल के नाम से जानी जाती हैं। सान्या अपनी फिटनेस का काफी ख्याल रखती है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना एक वर्कआउट वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह जिम में एक्सरसाइज करती हुई नजर आ रही हैं। सान्या के इस वीडियो को सोशल मीडिया पर फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। सान्या मल्होत्रा ने अपने करियर की शुरुआत आमिर खान की फिल्म दंगल से की थी। इस फिल्म में उन्होंने पहलवान का रोले निभाया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। अब वह जल्द ही शाहरुख खान की फिल्म जवान में नजर आएंगी।

आगामी स्ट्रीमिंग रिलीज कालकूट में पुलिसकर्मी की भूमिका निभा रहे हैं विजय वर्मा

डार्लिंग्स, दहाड़ और लस्ट स्टोरीज 2 जैसी अपनी हालिया रिलीज से उत्साहित अभिनेता विजय वर्मा आगामी स्ट्रीमिंग रिलीज़ कालकूट में नजर आएंगे जिसमें वो एक नई नई भर्ती वाले पुलिसकर्मी की भूमिका निभा रहे हैं। क्राइम ड्रामा के प्रोमो का बुधवार को अनावरण किया गया, जिसमें विजय को एक पुलिसकर्मी के रूप में सामाजिक चुनौतियों और वैवाहिक दबाव से जूझते हुए दिखाया गया है। उसे लगातार अपने वरिष्ठों की बुलिंग और दबाव का सामना करना पड़ता है, साथ ही उसे शादी करने के लिए अपनी मां और समाज की अपेक्षाओं से भी जूझना पड़ता है। उनके आस-पास की दुनिया गहरे रहस्यों से भरी हुई है। पहले लुक से संकेत मिलता है कि उनकी मां द्वारा उनके लिए चुनी गई लड़की का किरदार श्वेता त्रिपाठी ने निभाया है। सुमित सक्सेना द्वारा निर्देशित कालकूट 27 जुलाई से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है।

आईएमडीबी की भारतीय हस्तियों की सूची में तमन्ना भाटिया ने शाहरुख को पछाड़ा

तमन्ना भाटिया लगातार दो रिलीज, जी करदा और लस्ट स्टोरीज 2 की सफलता से ऊंची उड़ान भर रही हैं। पैन-इंडिया अभिनेत्री का उनकी तमिल फिल्म जेलर, कवाला का हालिया फुट-टैपिंग नंबर भी कई उपयोगकर्ताओं द्वारा रील्स पोस्ट करने के साथ लहरें पैदा कर रहा है। वायरल गाने पर खुद डांस करते हुए। इस गाने में उनके साथ ओजी थलायीवा रजनीकांत भी हैं, और प्रशंसक हाल ही में इसकी मोहक धुनों और आकर्षक हुक स्टेप के दीवाने हो गए हैं। अब तमन्ना ने एक और उपलब्धि हासिल की है क्योंकि उन्होंने हाल ही में आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय सेलिब्रिटी सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया है। तमन्ना भाटिया ने बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान को पछाड़ दिया है, जो सूची में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने सूची में टॉप स्थान हासिल करने के लिए मृणाल ठाकुर, कियारा आडवाणी, राम चरण, रणवीर सिंह और थलपति विजय सहित अन्य को भी पीछे छोड़ दिया। एक अभिनेत्री के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा तमन्ना को अलग करती है। उन्होंने विभिन्न शैलियों में विविध प्रकार के किरदारों को सहजता से निभाया है। अभिनेत्री ने विभिन्न फिल्म उद्योगों और भाषाओं के बीच भी सहजता से बदलाव किया है, जो उनकी अभूतपूर्व अभिनय क्षमता का प्रमाण है। जैसे-जैसे तमन्ना अपनी यात्रा पर आगे बढ़ रही हैं, उनके पाइपलाइन में कई परियोजनाएं जैसे मलयालम में बांद्रा, तमिल में जेलर और अरनमनई 4 और तेलुगु में भोला शंकर शामिल है।

महंगाई के मोर्चे पर झटका, जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.81 प्रतिशत पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य उत्पादों की कीमतें बढ़ने से जून में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर तीन महीनों के उच्चस्तर 4.81 प्रतिशत पर पहुंच गई। सरकार ने बुधवार को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी किए। मई में खुदरा मुद्रास्फीति 4.31 प्रतिशत रही थी जबकि साल भर पहले जून, 2022 में यह सात प्रतिशत थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जून में खाद्य उत्पादों की मुद्रास्फीति 4.49 प्रतिशत रही जबकि मई में यह 2.96 प्रतिशत थी। सीपीआई में खाद्य उत्पादों का भारांक लगभग आधा होता है। जून में खुदरा मुद्रास्फीति की दर बढ़ने के बावजूद यह भारतीय रिजर्व बैंक के छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर के नीचे है।

सरकार ने रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत घट-बढ़ के

साथ चार प्रतिशत तक सीमित रखने का दायित्व सौंपा हुआ है। रिजर्व बैंक खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े को ध्यान में रखते हुए द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा करता है। रिजर्व बैंक ने पिछले महीने की मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर कायम रखा था। इसके साथ ही उसने अप्रैल-जून तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति के 4.6 प्रतिशत पर रहने का अनुमान जताया था।

देश का औद्योगिक उत्पादन मई में 5.2 प्रतिशत बढ़ा है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आधार पर मापा जाने वाला औद्योगिक उत्पादन पिछले साल मई में 19.7 प्रतिशत बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन इस साल मई में 5.7 प्रतिशत बढ़ा। आंकड़ों के अनुसार, खनन क्षेत्र के उत्पादन में आलोच्य महीने में 6.4 प्रतिशत और बिजली उत्पादन में 0.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

टमाटर की बढ़ती कीमतों के बीच केंद्र ने उठाया बड़ा कदम, कम होंगी कीमतें

टमाटर की कीमतें जल्द ही कम हो सकती है। इसके लिए केंद्र सरकार ने सुपर प्लान तैयार कर लिया है। सरकार ने अपने इस प्लान में नेशनल एग्रीकल्चारल कॉरपोरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन यानी नेफेड और नेशनल कॉरपोरेटिव कंज्यूमर फोरम यानी एनसीसीएफ को भी शामिल कर दिया है। दोनों संगठनों को सरकार की ओर से आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र की मंडियों से टमाटर खरीदने और उन्हें उन प्रमुख कंज्यूमर सेंटर्स में डिस्ट्रीब्यूट करने का निर्देश दिया है, जहां रिटेल सेल ज्यादा होती है। कंल्यूमर मामलों के डिपार्टमेंट ने बयान में कहा कि पिछले एक महीने में कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि देखने को मिली है। 14 जुलाई तक दिल्ली-एनसीआर एरिया में कंज्यूमर्स को सस्ती दरों पर रिटेल दुकानों के माध्यम से टमाटर डिस्ट्रीब्यूट किए जाएंगे।

सरकार के अपने आंकड़ों के मुताबिक, पिछले एक महीने में टमाटर की कीमतें 326.13 फीसदी बढ़ी हैं। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में लगातार बारिश के कारण स्थिति खराब हो गई है, जो राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में रसोई के प्रमुख सामान और अन्य सब्जियों का प्राइमरी स्पलायर है। टमाटर उन क्षेत्रों में डिस्ट्रीब्यूट किए जाएंगे जहां पिछले एक महीने में खुदरा कीमतें ऑल इंडिया एवरेज से ऊपर हैं।

इन महीनों में सबसे ज्यादा होती है कटाई

भारत में टमाटर का उत्पादन अलग-अलग मात्रा में लगभग सभी राज्यों में होता है। सबसे ज्यादा प्रोडक्शन भारत के दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में होता है, जिनका कुल प्रोडक्शन में योगदान 56 फीसदी से 58 फीसदी के आसपास है। दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्र में सरप्लस प्रोडक्शन की वजह से प्रोडक्शन सीजन के बेस पर देश के दूसरे बाजारों में सप्लाई करते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में प्रोडक्शन सीजन भी अलग-अलग होते हैं। सबसे ज्यादा टमाटर की कटाई दिसंबर से फरवरी तक होती है। विभाग ने एक बयान में कहा कि जुलाई-अगस्त और अक्टूबर-नवंबर के दौरान टमाटर का प्रोडक्शन कम होता है।

प्रेस्टीज ग्रुप ने 704 करोड़ रुपये में 2.3 एकड़ जमीन खरीदी

डीबी रियल्टी फर्म ने अपना कर्ज चुकाने के लिए जमीन बेची है

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रेस्टीज ग्रुप ने डीबी रियल्टी फर्म से 704 करोड़ रुपये में 2.3 एकड़ जमीन खरीदी है। यह जमीन मुंबई में खरीदी गई है। यहां पर कंपनी की ओर से फ्लैट बनाए जाएंगे। जानकारों के मुताबिक, जब जमीन इतनी महंगी खरीदी गई है तो इसपर बनने वाले फ्लैटों की कीमत करोड़ों में हो सकती है। रियल एस्टेट डेटा एनालिटिक्स फर्म सीआरई मैट्रिक्स द्वारा उपलब्ध कराए गए पंजीकरण दस्तावेजों के मुताबिक, डीबी रियल्टी की सहायक कंपनी ने भूमि पर एक आवासीय परियोजना विकसित करना शुरू

कर दिया था, लेकिन इसे मुंबई नगर निगम द्वारा अप्रूव नहीं किया गया था। कंपनी ने संपत्ति पर एडलवाइस एसेट कंस्ट्रक्शन, रेयर एसेट कंस्ट्रक्शन और एडलवाइस फिनवेस्ट जैसे लैंडर्स से लोन लिया था। ऐसे में कर्ज चुकाने और अपने बकाया को कम करने के लिए कंपनी ने जमीन बेच दी है। इस तरह से जुटाए गए रुपयों का इस्तेमाल लोन को चुकाने के लिए किया जा रहा है।

बता दें कि इस परियोजना में करीब 20 फ्लैट बेचे गए थे, लेकिन खरीद रद्द कर दी गई है और फ्लैट धारकों को एकत्र की गई राशि वापस कर दी गई है। डीबी रियल्टी ने बैंकों का कर्ज चुकाने में देर की है। पिछले सप्ताह एक्सचेंजों को दी गई जानकारी में कंपनी ने अपना कुल बकाया लोन 1,000 करोड़ रुपये बताया था।

बीते मई महीने में प्रेस्टीज एस्टेट्स ने मुंबई में दो ज्वाइंट कमर्शियल प्रोजेक्ट्स में डीबी रियल्टी की हिस्सेदारी 1,176.5 करोड़ रुपये में खरीदी थी। ये परियोजनाएं बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स और महालक्ष्मी के व्यावसायिक जिले में हैं।

प्रेस्टीज एस्टेट्स ने 2021 में मुंबई में इंट्री की थी। एफवाय23 में रिपोर्ट की गई 13,000 करोड़ रुपये की बिक्री में से लगभग 21 प्रतिशत का योगदान मुंबई से था। ग्रुप को उम्मीद है कि आगे चलकर मुंबई में और ज्यादा बिक्री हो सकती है। इसी के चलते प्रेस्टीज एस्टेट्स अपनी दो परियोजनाएं मुंबई में लॉन्च के लिए आ रही हैं। इसमें मुलुंड में एक मौजूदा परियोजना का अगला चरण है।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस का 7वां संस्करण 27 से 29 अक्टूबर तक होगा

नयी दिल्ली एजेंसी। एशिया की प्रीमियर डिजिटल टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के सातवें संस्करण का आयोजन इस साल नयी दिल्ली के प्रगति मैदान में 27 से 29 अक्टूबर के बीच दूरसंचार विभाग और सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) की संयुक्त मेज़बानी में किया जाएगा।

ष्लोबल डिजिटल इन्नोवेशनष् थीम के साथ आईएमसी उद्योग, सरकार, अकादमिक क्षेत्र और प्रौद्योगिकी पारितंत्र में अन्य प्रमुख भागीदारों के लिए एक आदर्श मिलन बिंदु और प्रदर्शन केंद्र है। इस प्रतिष्ठित आईएमसी 2023 आयोजन में एक लाख से अधिक भागीदार, 5000 से अधिक सीएक्सओ स्तर के प्रतिनिधि, 350 से अधिक वक्ता और 400 से अधिक प्रदर्शनी लगाने वाले शामिल होंगे। वर्ष 2017 में अपनी शुरूआत के बाद से ही आईएमसी ने भारत की स्थिति उन्नत की है और भारत की अगुवाई में डिजिटल नवप्रवर्तन की अगली लहर डिजाइन करने के लिए वैश्विक चिंतकों के लिए एक प्रमुख मंच के तौर पर काम किया है। पिछले वर्ष, आईएमसी को उद्योग की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी जहां माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में 5जी लांच किया था।

इस वर्ष, प्रमुख कार्यक्रम 6जी, 5जी नेटवर्क में उन्नति, दूरसंचार में एआई के बढ़ते उपयोग और अन्य क्षेत्रों जैसे एज कंप्यूटिंग, इंडस्ट्री 4.0 एवं इंडिया स्टैक के उद्भव पर प्रकाश डालेंगे। आईएमसी 2023 एलेसिना, आईईएसए, इस्पा, डीएफआई जैसे विभिन्न संगठनों के साथ साझीदारी के जरिये प्रसारण, सैटकॉम, विनिर्माण, सेमीकंडक्टर्स जैसे टेक्नोलॉजी क्षेत्रों का विस्तार भी करेगा। आईएमसी 2023 ने कई बी2जी और बी2बी फोरम और उद्योग गोलमेज बैठकें भी शुरू करने की योजना बनाई है जहां बड़े विश्वविद्यालय के विद्यार्थी और ग्लोबल बायर फोरम भी होंगे। सीओएआई के चेयरमैन श्री पीके मित्तल ने इस अवसर पर एकत्र हुए लोगों का स्वागत किया और आश्वासन दिया कि इस साल का एशिया का सबसे बड़ा दूरसंचार आयोजन भारत के तेजी से बढ़ रहे टेक्नोलॉजी उद्योग के लिए मील का पत्थर साबित होगा। दूरसंचार विभाग (डॉट) के अपर सचिव श्री वी.एल. कांता राव ने कहा, श्आईएमसी इस उद्योग और सरकार के लिए एक प्रतिष्ठित आयोजन है। पिछले आईएमसी से अब तक काफी काम हुआ है। इस साल हम उम्मीद कर रहे हैं कि बड़ी संख्या में विश्व से लोग आएंगे और अन्य उद्योगों को भी इसमें शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है। इस साल हम उस चीज़ को बहुत अधिक महत्व देने का प्रयास कर रहे हैं जो हमारा देश 5जी के मोर्चे पर कर रहा है जिसमें उपयोग मामले शामिल हैं और हम विभिन्न राज्यों और मंत्रालयों को भी व्यापक स्तर पर इसमें शामिल करना भी सुनिश्चित करेंगे। पिछले वर्ष आईएमसी में प्रधानमंत्री ने 5 जी क्रांति की शुरूआत की थी और मुझे विश्वास है कि इस बार अक्टूबर में देश आईएमसी 2023 में एक अन्य क्रांति के लिए तैयार है।

बाबा रामदेव 18 फीसदी डिस्काउंट पर बेच रहे अपनी कंपनी के शेयर, 14 जुलाई तक का है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि फूड्स ने ऑफर फॉर सेल लॉन्च करने का ऐलान किया है। इस ऑफर फॉर सेल के तहत कंपनी के प्रमोटर अपनी 9 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। इस हिस्सेदारी को इसके मौजूदा बाजार भाव से करीब 18.36 फीसदी कम भाव पर एक हजार रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचा जाएगा। बाबा रामदेव की अगुवाई वाली पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड शेयर बाजारों में अपनी समूह की कंपनी पतंजलि फूड्स लिमिटेड के 2.53 करोड़ शेयर या सात प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। कंपनी यह कदम सूचीबद्धता जरूरतों को पूरा करने के लिए उठाने जा रही है। खाद्य तेल और अन्य खाद्य उत्पाद कंपनी पतंजलि फूड्स के शेयर की बिक्री ओएफएस के जरिए होगी। इस ऑफर फॉर सेल की न्यूनतम कीमत 1,000 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। यह पेशकश 13 जुलाई को खुलकर 14 जुलाई को बंद होगी।

शेयरों में आई गिरावट

शेयर बाजारों को भेजी सूचना में पतंजलि फूड्स ने कहा है कि न्यूनतम कीमत पर वह इस शेयर बिक्री से कम से कम 2,530 करोड़ रुपये जुटा सकेगी। बीएसई पर बुधवार को पतंजलि फूड्स का शेयर मामूली बढ़त के साथ 1,228.05 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 44,454.78 करोड़ रुपये रहा। ओएफएस लॉन्च करने के ऐलान के बीच पतंजलि फूड्स लिमिटेड के शेयरों में भारी गिरावट देखी जा रही है। आज पतंजलि फूड्स के शेयर 5 फीसदी की गिरावट के साथ लोअर सर्किट पर ट्रेड कर रहे हैं। अभी पतंजलि फूड्स के शेयर 1,165.10 रुपये के भाव पर हैं। कल तक यह 1241 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहे थे। वहीं पिछले एक महीने की बात करें तो पतंजलि फूड्स के शेयरों में 11 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया है।

ट्रेडिंग के लिए अलग विंडो खुला

बता दें कि पतंजलि फूड्स प्रमोटर की ओर से न्यूनतम शेयर होल्डिंग नियमों के मानदंडों को पूरा करने के लिए ओएफएस ला रही है। 13 जुलाई से शेयर बाजार में एक अलग ट्रेंडिंग विंडो खुल गया है। हालांकि पहले दिन यानी 13 जुलाई को सिर्फ गैर-रिटेल निवेशक ही इसके लिए बोली लगा सकते हैं।

टाटा के शेयर ने 1 लाख को बनाया 7 करोड़, एक्सपर्ट बोले- अब 3200 के पार जाएगा शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप टाटा ग्रुप के शेयरों पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आप टाइटन के शेयर पर फोकस रख सकते हैं। ब्रोकरेज के मुताबिक, टाइटन के शेयर में तेजी आने वाली है और इसकी कीमत 3200 रुपये के पार जा सकती है। टाइटन के शेयर आज गुरुवार को मामूली तेजी के साथ 3,109.65 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। टाइटन के शेयरों पर 3242 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। उन्होंने लिखा है, हम संरचनात्मक रूप से सकारात्मक बने हुए हैं, लेकिन हाल ही में स्टॉक की कीमत में बढ़ोतरी के बाद हमारी रेटिंग को खरीदें से घटाकर एक्युमुलेट कर दिया गया है। टाटा समूह की कंपनी- टाइटन के शेयर पर ग्लोबल ब्रोकरेज मॉर्गन स्टेनली ने डाउनग्रेड दिया है। कंपनी ने स्टॉक की रेटिंग को अधिक वजन से घटाकर समान वजन कर दिया और टारगेट प्राइस 3,207 रुपये तय किया।

कंपनी के शेयरों का हाल

टाइटन के शेयर आज 3,109.65 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। पिछले पांच दिन में यह शेयर 2.74 प्रतिशत गिरा है। इस साल यह शेयर 21.10 प्रतिशत चढ़ा है। सालभर में टाइटन के शेयरों में 47.16 प्रतिशत की तेजी है। पांच साल में यह शेयर 270.48 प्रतिशत चढ़ा है। टाइटन के शेयर का मैक्सिमम रिटर्न 72,668.15 प्रतिशत का है। 23 साल में इसकी कीमत 4.27 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई है। यानी इस दौरान एक लाख का निवेश बढ़कर 7.28 करोड़ रुपये हो जाती।

कंपनी का फ्यूचर प्लान

टाटा समूह की कंपनी टाइटन चालू वित्त वर्ष के दौरान अपने आभूषण ब्रांड तनिष्क के 18 नए अंतरराष्ट्रीय स्टोर खोलने की तैयारी कर रही है। इनमें से ज्यादातर स्टोर खाड़ी क्षेत्र में खोले जाएंगे। इससे कंपनी के अंतरराष्ट्रीय स्टोर की संख्या 25 पर पहुंच जाएगी। टाइटन कंपनी लि. की सालाना रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ नए क्षेत्रों में स्टोर खोलने की परिचालन जटिलताओं के बावजूद कंपनी ने खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) और अमेरिकी बाजार में तनिष्क ब्रांड के आभूषणों की उपभोक्ता मांग के मद्देनजर 'आक्रामक तरीके' से विस्तार की रणनीति बनाई है। टाइटन ने कहा, ''कंपनी वित्त वर्ष 2023-24 के अंत तक 25 अंतरराष्ट्रीय स्टोर का लक्ष्य लेकर चल रही है।'' तनिष्क ने वित्त वर्ष 2022-23 में अपने अंतरराष्ट्रीय तनिष्क स्टोर की संख्या को दो से बढ़ाकर सात कर ली है।

सेबी बिशाल ग्रुप ऑफ कंपनीज, एनवीडी सोलर की 22 संपत्तियों की नीलामी करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को कहा कि वह 14 अगस्त को बिशाल ग्रुप ऑफ कंपनीज और एनवीडी सोलर की 22 संपत्तियों की नीलामी करेगा। इसके जरिए निवेशकों से अवैध तरीके से जुटाए गए धन की वसूली की जाएगी। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के एक एक सार्वजनिक नोटिस के मुताबिक, इन संपत्तियों की नीलामी लगभग 37 करोड़ रुपए के आरक्षित मूल्य पर की जाएगी। इन 22 संपत्तियों में 17 बिशाल ग्रुप ऑफ कंपनीज (बिशाल अबासन इंडिया लिमिटेड, बिशाल डिस्टिलर्स लिमिटेड, बिशाल एग्री-बायो इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बिशाल हॉर्टिकल्चर एंड एनिमल प्रोजेक्ट्स लिमिटेड) की हैं और पांच एनवीडी सोलर की हैं। इन संपत्तियों में पश्चिम बंगाल स्थित भूखंड, फ्लैट और एक आवासीय भवन शामिल हैं। एड्रोइट टेक्निकल सर्विसेज को ई-नीलामी सेवा प्रदाता के रूप में नियुक्त किया गया है।

टीसीएस का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 16.83 प्रतिशत बढ़कर 11,074 करोड़ रुपए पर

मुंबई एजेंसी। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 16.83 प्रतिशत बढ़कर 11,074 करोड़ रुपए रहा है। टाटा समूह की कंपनी का शुद्ध लाभ एक साल पहले इसी तिमाही में 9,478 करोड़ रुपए था। जबकि इससे पिछली तिमाही जनवरी-मार्च में कंपनी ने 11,392 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा कमाया था। टीसीएस की परिचालन आय सालाना आधार पर चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 12.55 प्रतिशत बढ़कर 59,381 करोड़ रुपए रही। यह पिछली मार्च तिमाही के 59,162 करोड़ रुपए के मुकाबले मामूली अधिक है। कंपनी का कुल व्यय आलोच्य तिमाही में बढ़कर 45,789 करोड़ रुपए रहा जो एक साल पहले 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही में 40,771 करोड़ रुपए था।

बच्चों के इलाज के लिए अपोलो ने लॉन्च किया देश का सबसे एडवांस नेटवर्क

नयी दिल्ली एजेंसी। देश की भावी पीढ़ी को बेहतर उपचार मुहैया कराने के लिए अपोलो ने अपनी 40 साल से भी ज्यादा पुरानी विरासत को आगे बढ़ाया है दुनिया के सबसे बड़े एकीकृत स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले अपोलो ने आज देश का सबसे एडवांस नेटवर्क अपोलो चिल्ड्रेन्स लॉन्च किया जहां विभिन्न बीमारियों को लेकर बच्चों की देखभाल जांच उपचार और एक बेहतर भविष्य दिया जा सकता है देश में मौजूद 40 से ज्यादा अस्पताल इस नेटवर्क का हिस्सा होंगे यहां 25 से ज्यादा विशिष्ट देखभाल के लिए 400 से ज्यादा विशेषज्ञ डॉक्टर अपने अनुभव और ज्ञान के जरिए बाल चिकित्सा को एक नए मुकाम पर लेने जाने का प्रयास करेंगे 900 से ज्यादा बिस्तरों की क्षमता वाले इस नेटवर्क में सातों दिन 24 घंटे बच्चों के लिए बेहतर चिकित्सा उपलब्ध होगी। इतना ही नहीं आपातकालीन सेवाएं भी संचालित होगीं।

इस अवसर पर देश में बच्चों से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं में बदलाव पर जोर देते हुए अपोलो के अध्यक्ष डॉ. प्रताप सी रेड्डी ने कहा बाल चिकित्सा देखभाल की बात करें तो पिछले 40

वर्ष में अपोलो एक शानदार प्रतिष्ठा बनाने में सक्षम रहा है। हमारे प्रयासों के चलते अपोलो में न केवल भारत बल्कि 50 से अधिक देशों के बच्चों को विश्व स्तरीय देखभाल दी जा रही है। हमारे कुशल बाल रोग विशेषज्ञों के साथ अपोलो चिल्ड्रेन्स को एक वन-स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में डिजाइन किया है जहां बच्चों को उनके स्वास्थ्य के सभी पहलुओं में उच्चतम गुणवत्ता वाली देखभाल मिलेगी। बच्चों के विकास के पूरे स्पेक्ट्रम को कवर करने की आवश्यकता है। इसलिए हमारा लक्ष्य बच्चों को बहुआयामी और सबसे उन्नत देखभाल प्रदान करना है ताकि नए मानक स्थापित किए जा सकें।

वहीं, अपोलो की कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. प्रीता रेड्डी ने कहा अपोलो में हम जो भी मेहनत करते हैं उसका मूल केंद्र रोगी और उसकी देखभाल रहती है। बाल रोग विशेषज्ञों की सबसे बड़ी संख्या, हमारी विरासत और सर्वोत्तम तकनीक के साथ भारत में बाल चिकित्सा देखभाल के क्षेत्र में एक क्रांति लाने के लिए हम पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने यहां तक कहा है कि अपोलो चिल्ड्रेन्स में अलग अलग बीमारियों के विशेषज्ञ होंगे और एक ऐसा बुनियादी ढांचा होगा जहां बच्चे और उनके माता पिता की चिकित्सा यात्रा को आसान बनाते हुए भारत की बेहतरीन स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं होगीं। अपने व्यापक दृष्टिकोण, अत्याधुनिक तकनीक और परिवार-केंद्रित देखभाल पर जोर देते हुए हम देश में सर्वोत्तम बाल चिकित्सा देखभाल प्रदान करने में सबसे आगे बने रहेंगे।

अपोलो की प्रबंध निदेशक सुश्री सुनीता रेड्डी ने कहा, हमारा प्राथमिक उद्देश्य बच्चों के अनुकूल माहौल को बढ़ावा देना है जो व्यक्तिगत ध्यान और उच्चतम स्तर की देखभाल सुनिश्चित करता है। हम मामूली सर्दी-जुकाम से लेकर बड़ी सर्जरी तक, हर कदम पर व्यापक बाल चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम भारत और अन्य देशों के बाल चिकित्सा नैदानिक उत्कृष्टता के लिए प्रयास करते हैं। हम सभी मामलों को संभालने के लिए क्षमता रखते हैं, जिनमें बहु-विषयक विशेषज्ञता, उपचार और बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है। हमारा विशेष दृष्टिकोण बच्चों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करता है और हम अपने युवा रोगियों को विश्व स्तरीय देखभाल के लिए निपुण चिकित्सा पेशेवरों व अत्याधुनिक सुविधाओं का लाभ उठाना जारी रखेंगे।

अपोलो हॉस्पिटल्स के दक्षिणी क्षेत्र की सीओओ सिन्दूरी रेड्डी ने कहा अपोलो चिल्ड्रेन्स प्राथमिक, माध्यमिक, तृतीयक और चतुर्धातुक सभी स्तर ही चिकित्सा देखभाल प्रदान करेगा, जिससे यह 24'7 बाल चिकित्सा देखभाल के लिए सबसे पसंदीदा स्थान बन जाएगा। अपोलो चिल्ड्रेन्स 25 से अधिक विशिष्टताएं हैं जिनमें बाल चिकित्सा एंड्रोक्रायनोलॉजी, बाल हृदय प्रत्यारोपण, बाल गहन देखभाल, बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी, बाल चिकित्सा रोबोटिक्स, यूरोलॉजी, नियोनेटोलॉजी इत्यादि शामिल हैं।

अपोलो हॉस्पिटल्स के ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और वरिष्ठ पीडियाट्रिक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. अनुपम सिब्बल ने कहा बाल चिकित्सा को लेकर अपोलो का अपना एक इतिहास रहा है। मरीज और उनके परिजनों से मिले विश्वास के दम पर ही अपोलो आज बाल चिकित्सा देखभाल में अग्रणी है। दिल्ली का अपोलो इंद्रप्रस्थ अस्पताल साल 1998 में सफल बाल लिवर प्रत्यारोपण करने वाला देश का पहला अस्पताल बना। तब से लेकर अब तक 500 से ज्यादा बच्चों के लिवर प्रत्यारोपण किए जा चुके हैं। अत्यधिक जटिल बाल चिकित्सा रोबोटिक, बाल चिकित्सा और नवजात हृदय सर्जरी, बोनमैरो प्रत्यारोपण, किडनी प्रत्यारोपण के कई दुर्लभ मामलों में अपोलो अस्पताल ने सफलता हासिल की है जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित किया गया। अपोलो चिल्ड्रेन्स के लॉन्च के साथ हमें विश्वास है कि हम देश में समग्र नवजात शिशु, बाल चिकित्सा और किशोर देखभाल प्रदान करने के तरीके पर गहरा प्रभाव डालेंगे। जानकारी के अनुसार, अपोलो चिल्ड्रेन को जो बात अलग बनाती है, वह है 24/7 बाल चिकित्सा आपातकालीन और बाल गहन देखभाल सेवाओं के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता। समर्पित आपातकालीन विभाग विशेषज्ञ बाल रोग विशेषज्ञों से सुसज्जित है और यहां उन्नत जीवन रक्षक उपकरण मौजूद हैं जो बाल चिकित्सा आपात स्थिति का तत्काल और कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करता है। माता-पिता भरोसा कर सकते हैं कि उनके बच्चों को अचानक बीमारी, चोट या किसी अन्य चिकित्सीय आपात स्थिति के समय त्वरित और विशेषज्ञ देखभाल मिलेगी।

विश्व चैम्पियनशिप में

भारतीय अभियान की अगुआई करेंगी मीराबाई चानू

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)

स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू सितंबर में सऊदी अरब के रियाद में होने वाली विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में फिर भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। दो बार की पदक विजेता चानू (49 किग्रा) के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता बिंदियारानी देवी (55 किग्रा) और अचिंता शेयुली (73 किग्रा), शुभम टोडकर (61 किग्रा) और नारायण अजीत (73 किग्रा) भी इस विश्व प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। टोडकर को छोड़कर यही टीम एशियाई खेलों में भाग लेगी। मई में एशियाई चैम्पियनशिप में छठे स्थान पर रहने के बाद यह तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चानू की पहली प्रतियोगिता होगी। चानू और बिंदियारानी इस समय पूर्व भारोत्तोलक से फिजियोथेरेपिस्ट और 'स्ट्रेंथ एंव कंडिशनिंग कोच बने डा आरोन होर्शिग के मार्गदर्शन में 65 दिन के शिविर के लिए अमेरिका में हैं। राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा भी इस वक्त अमेरिका में हैं, उन्होंने पीटीआई से कहा, ''मीरा चोटिल नहीं है, हम उसके मजबूत पक्षों पर काम कर रहे हैं। वह विश्व चैम्पयनशिप और एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगी। विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के बीच काफी कम समय का अंतर है। विश्व चैम्पियनशिप आमतौर पर साल के अंत में नवंबर और दिसंबर में कराई जाती है, लेकिन इस बार यह चार सितंबर से शुरु हो रही है और एशियाई खेल 20 दिन के अंदर चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से शुरु होंगे। एशियाई खेल 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट नहीं है और चानू के पदकों में केवल एशियाड पदक की कमी है। पूर्व विश्व चैम्पियन चानू पिछले साल दिसंबर में विश्व चैम्पियनशिप के पिछले चरण में एक रजत पदक जीता था। लेकिन 2024 ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियम के अंतर्गत 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2024 विश्व कप में हिस्सा लेना अनिवार्य है। इन दोनों के अलावा एक भारोत्तोलक को 2022 विश्व चैम्पियनशिप, 2023 महाद्वीपीय चैम्पियनशिप, 2023 ग्रां प्री 1, 2023 ग्रां प्री 2 और 2024 महाद्वीपीय चैम्पियनशिप में से तीन में शिरकत करना होता है। भारतीय टीम ~महिला ~मीराबाई चानू (49 किग्रा), बिंदियारानी देवी (55 किग्रा) पुरुष ~अचिंता शेयुली (73 किग्रा), शुभम टोडकर (61 किग्रा) और नारायण अजीत (73 किग्रा)।

दिलीप ट्राफी फाइनल

खिताबी मैच में फ्लॉप हुए सूर्यकुमार यादव, पृथ्वी शॉ ने खेली धमाकेदार पारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। दुलीप ट्रॉफी 2023 के फाइनल मैच के दूसरे दिन सूर्यकुमार यादव पहली पारी में फ्लॉप होते नजर आए। वेस्ट जोन की तरफ से खेलने वाले सूर्यकुमार से इस मैच में बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह सस्ते में आउट हो गए। हालांकि, सूर्यकुमार ने अपनी पारी की शुरूआत छक्का लगाते हुए की। लेकिन इसके बाद वह 6 गेंदों में 8 रन बनाकर कैच आउट हो गए।

पृथ्वी शॉ ने खेली धमाकेदार पारी – वहीं पृथ्वी शॉ ने ओपनिंग करते हुए धमाकेदार पारी खेल साउथ जोन के खिलाफ टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई। पृथ्वी अपने खराब फॉर्म के चलते सवालों के घेरे में थे, लेकिन उन्होंने 101 गेंदों में 65 रनों की पारी खेली, जिसमें 9 चौके शामिल रहे। पृथ्वी जब आउट हुए तो उन्होंने टीम का स्कोर 3 विकेट के नुकसान पर 101 पहुंचा दिया था। वहीं मैच की बात करें तो साउथ जोन की टीम ने पहली पारी में सिर्फ 213 रन बनाए। उनके लिए कप्तान हनुमा विहारी ने सर्वाधिक 63 रनों की पारी खेली। वहीं तिलक वर्मा ने 40 तो मयंक अग्रवाल ने 28 रनों का योगदान दिया। वाशिंगटन सुंदर ने नाबाग 22 रन बनाकर टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाने का काम किया। वेस्ट जोन के लिए गेंदबाजी में शाम्स मुलानी ने 3, जबकि नगवासवल्ला, चिंतन गजा, डीए जडेजा ने 2-2 विकेट लिए। ए शेथ को 1 विकेट मिला। वहीं वेस्ट जोन की आधी टीम महज 116 रनों पर पवेलियन चली गई।

चेन्नईयिन एफसी ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी जोर्डन मरे के साथ किया करार

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम चेन्नईयिन एफसी ने 2023-24 सत्र से पहले ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉलर जोर्डन मरे के रूप में पहले विदेशी खिलाड़ी के तौर पर करार किया। जोर्डन (27 वर्ष) पिछले सत्र में थाईलैंड के क्लब नाखोन रातचासिमा एफसी की ओर से खेले थे। वह पहले भी आईएसएल में खेल चुके हैं। जोर्डन ने 2020-21 सत्र में केरला ब्लास्टर्स एफसी की ओर से खेलते हुए आईएसएल में डेब्यू किया था और फिर वह 2021-22 सत्र में जमशेदपुर एफसी के लिये खेले थे जिसमें उन्होंने आईएसएल शील्ड भी जीती थी। आईएसएल के इन दो सत्र में उन्होंने 34 मैचों में 11 गोल दागे थे।

अमरीकी ओपन सुपर 300

सिंधु और लक्ष्य पहले दौर में जीते, साई प्रणीत हारे

काउंसिल ब्लफ्स (अमरीका) (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने यहां अमरीकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के क्रमश~महिला और पुरुष वर्ग के पहले दौर में जीत दर्ज की।

सिंधु ने भारतीय मूल की अमरीकी खिलाड़ी दीक्षा गुप्ता को महज 27 मिनट में 21-15, 21-12 से पराजित किया तो सेन ने फिनलैंड के काले कोलजोनेन को 30 मिनट के अंदर 21-8, 21-16 से हरा दिया। पुरुष एकल के एक अन्य मैच में एस एस सुब्रमण्यम ने पहले दौर में आयरलैंड के प्रतिद्वंद्वी नहाट एनगुएन को 44 मिनट में 21-11, 21-16 से शिकस्त दी।

बी साई प्रणीत को हालांकि दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी लि शि फेंग से तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। एक घंटे 14 मिनट तक चले मैच में चीन के दूसरे वरीय शि फेंग ने प्रणीत को 16-21, 21-14, 21-19 से हराया। एक अन्य महिला एकल मैच में भारत की 61वीं रैंकिंग की रूतविका शिवानी को हार मिली।

मंगलवार को राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैम्पियन पी कश्यप अपने दूसरे मैच में रिटायर्ड हो गए थे। उन्होंने पहले मैच में इंग्लैंड के रोहन मिधा को हराया था। कृष्णा प्रसाद गारागा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला की पुरुष युगल जोड़ी भी पहले दौर की बाधा पार नहीं कर सकी, उन्हें चीनी ताइपे के लिन यु चिए और सु लि वेई से सीधे गेम में 14-21, 14-21 से हार मिली।

भारत-वेस्टइंडीज पहला टेस्ट

रवि अश्विन को मिले 5 विकेट, वेस्टइंडीज 150 पर ऑलआउट

डोमिनिका (एजेंसी)। डोमिनिका के मैदान पर टीम इंडिया खिलाफ खेलते हुए विंडीज की टीम पहले टेस्ट के पहले ही दिन 150 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। इसके बाद टीम इंडिया ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 80/0 का स्कोर बनाया और रोहित शर्मा (30) व ओपनर यशस्वी जायसवाल (40) क्रीज पर टिके हैं। टीम इंडिया के लिए रविचंद्रन अश्विन पांच विकेट निकालने में सफल रहे। इससे पहले विंडीज कप्तान क्रेग ब्रेथवेट ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। लेकिन भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इसे गलत साबित कर दिया। अश्विन ने सबसे पहले तेगनारायण चंद्रपाल को पवेलियन की राह दिखाई जोकि तेगनारायण मशहूर विंडीज प्लेयर शिवनारायण चंद्रपाल के बेटे हैं।

अश्विन इसी के साथ टेस्ट फार्मेट में बाप और बेटे की विकेट लेने वाले पहले प्लेयर भी बन गए। अश्विन यही नहीं रुके। उन्होंने विंडीज कप्तान क्रेग ब्रैथवेट को 20 रन पर रोहित के हाथों कैच आऊट कराया। शार्दुल ठाकुर ने जहां रीफर को 2 रन पर आऊट किया तो वहीं, रविंद्र जडेजा ने खतरनाक नजर आ रहे ब्लैकवुड को पवेलियन लौटाया। लंच तक विंडीज की टीम ने 28 ओवरों में चार विकेट गंवाकर 68 रन बना लिए थे।

लंच के बाद भी अश्विन ने विंडीज प्लेयरों को चैन की सांस नहीं लेने दी। दूसरे छोर पर जडेजा ने कसी हुई गेंदबाजी की। विंडीज मध्यक्रम में जोशुआ डीसिल्वा 2, जेसन होल्डर 18 तो अल्जारी जोसेफ 4 रन बनाकर आऊट हो गए। एलिक अथानाज़े ने 99 गेंदों पर 47 रन बनाकर विंडीज टीम को 100 स्कोर के पार पहुंचाया। विंडीज को पुछल्ले बल्लेबाजों में सिर्फ रहकीम कॉर्नवाल का सहारा मिला। कॉर्नवाल ने 34 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 19 रन बनाए और टीम का स्कोर 150 तक ले गए। वह अंत तक नाबाद रहे। जबकि केमर रोच और जोमल वेरीकेन 1-1 रन बनाकर आऊट हुए।

बता दें कि भारतीय टीम 12 साल बाद डोमिनिका में विंडीज टीम के खिलाफ टेस्ट खेल रही है। विंडीज कप्तान क्रेग ब्रैथवेट ने कहा कि वह घरेलू परिस्थितयों का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। वहीं, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनके गेंदबाज लय में हैं, यह अच्छा टेस्ट होने की उम्मीद है। बता दें कि इस टेस्ट से भारत की ओर से दो डैब्यू हो रहे हैं। यशस्वी जायसवाल के अलावा विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ईशान किशन को दी जा रही है।

श्रेयस नेट्स पर लौटे, वर्ल्ड कप खेलने की उम्मीद बढ़ी

एशिया कप से पहले फिटनेस टेस्ट होगा, पास हुए तो टीम में मिल सकती है जगह

बेंगलुरु (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर अक्टूबर से भारत में होने वाला वनडे वर्ल्ड कप खेल सकते हैं। उन्होंने मंगलवार को बेंगलुरु की नेशनल क्रिकेट एकेडमी में नेट प्रैक्टिस की। नेट्स में बैटिंग का उनका वीडियो वायरल हो रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अय्यर वर्ल्ड कप से पहले ही 100 प्रतिशत फिट हो जाएंगे और टूर्नामेंट का हिस्सा भी बन सकते हैं।एशिया कप से पहले भी अय्यर का फिटनेस टेस्ट होगा। अगर वे इस टेस्ट को भी पास कर लेते हैं तो वह इस चैंपियनशिप में भी खेल सकते हैं। एशिया कप 31 अगस्त से शुरू होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में चोटिल हुए थे, आईपीएल नहीं खेला – सफल सर्जरी के बाद श्रेयस अय्यर। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट के दौरान चोटिल हुए थे। सफल सर्जरी के बाद श्रेयस अय्यर। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट के दौरान चोटिल हुए थे। श्रेयस अय्यर इसी साल में मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में चोटिल हो गए थे। चोट के कारण वह टेस्ट मैच में भारत की ओर से दूसरी पारी में बैटिंग करने भी नहीं उतरे थे। अप्रैल में अय्यर ने लंदन में पीठ की सर्जरी कराई। सर्जरी के कारण अय्यर ने आईपीएल सीजन में कोलकाता से एक भी मैच नहीं खेला और वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में भी भारत का हिस्सा नहीं हो सके। वह एनसीए में फिटनेस पर काम करते रहे और वेस्टइंडीज दौरे पर भी टीम का हिस्सा नहीं बन सके।

बुमराह की आयरलैंड के खिलाफ वापसी संभव – 15 अप्रैल को तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सर्जरी हुई, 28 जून को उन्होंने भी नेट्स में गेंदबाजी करनी शुरू कर दी थी। वह नेट प्रैक्टिस में तब हर दिन 7 ओवर गेंदबाजी कर रहे थे। रिपोर्ट्स में कहा गया था कि वह जुलाई में कुछ प्रैक्टिस मैच भी खेलेंगे। श्रेयस अय्यर की सर्जरी 21 अप्रैल को हुई थी और अब 11 जुलाई को उनके भी नेट प्रैक्टिस करने के विजुअल्स सामने आ गए।

रिपोर्ट्स के अनुसार, बुमराह आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से वापसी कर सकते हैं। भारत आयरलैंड के खिलाफ 18, 21 और 23 अगस्त को 3 टी-20 खेलेगा। बुमराह अगर फिट रहे तो उन्हें 31 अगस्त से शुरू होने वाले वनडे एशिया कप का हिस्सा भी बनाया जा सकता है।

अय्यर के आने से नंबर-4 की समस्या खत्म होगी –श्रेयस अय्यर के फिट होने से भारत को नंबर-4 पर किसी और बैटर की तलाश नहीं करनी पड़ेगी। टीम इंडिया में युवराज सिंह और सुरेश रैना के बाद से इस पोजिशन पर कोई दमदार खिलाड़ी नहीं आया। यही समस्या टीम को 2015 और 2019 के वर्ल्ड कप में भी आई।

अय्यर ने 2019 के बाद से ही टीम इंडिया में जगह पक्की की और नंबर-4 पर बैटिंग कर इस पोजिशन को अपना बना लिया। 2019 वनडे वर्ल्ड कप के बाद उन्होंने इस पोजिशन पर 22 मैचों में 805 रन बनाए। उनसे ज्यादा रन इस पोजिशन पर कोई और भारतीय बैटर नहीं बना सका।

यूरोप दौरे के लिए रवाना हुई भारतीय महिला हाकी टीम

कप्तान सविता को अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेलों की तैयारी के लिए यूरोपीय दौरे पर रवाना हो गई। सविता पूनिया की टीम सबसे पहले तीन मैचों की सीरीज के लिए जर्मनी के लिए उड़ान भरेगी, जिसके बाद वह स्पेन हॉकी फेडरेशन की 100वीं वर्षगांठ के लिए स्पेन जायेगी। जर्मनी में भारत का अभियान लिंबर्ग में 16 जुलाई को चीन के खिलाफ शुरू होगा। इसके बाद सविता की टीम 18 और 19 जुलाई को वीसबेडन और रसल्सहाइम में मेज़बान जर्मनी से भिड़ेगी। इसके बाद भारतीय टीम स्पेनिश हॉकी फेडरेशन 100वीं वर्षगांठ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिये 20 जुलाई को स्पेन के टेरासा के लिये उड़ान भरेगी। भारत अपने अभियान की शुरुआत 25 जुलाई को मेजबान स्पेन के खिलाफ करेगा, जबकि उसका अगला मुकाबला 27 जुलाई को दक्षिण अफ्रीका से होगा। भारत का आखिरी ग्रुप मैच 28 जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ होगा। भारतीय टीम अभी तक बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में प्रशिक्षण ले रही थी। भारतीय टीम के रवाना होने से पहले कप्तान सविता ने कहा, ''हम वास्तव में इस दौरे का इंतजार कर रहे हैं।

2027 के बाद कम हो सकता है वनडे क्रिकेट

एमसीसी का सजेशन– द्विपक्षीय सीरीज का मतलब नहीं, लेकिन वर्ल्ड कप जरूरी

दुबई (एजेंसी)। 2027 में वनडे वर्ल्ड कप के बाद से 50 ओवर का क्रिकेट कम किया जा सकता है। मेरीलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के 13 सदस्यों ने एक मीटिंग के बाद वनडे मैच कम करने का सजेशन दिया। मीटिंग में कहा गया कि द्विपक्षीय वनडे सीरीज का अब कोई मतलब नहीं। टीमों को सिर्फ वर्ल्ड कप से एक साल पहले ही 50 ओवर की द्विपक्षीय सीरीज खेलनी चाहिए। एमसीसी क्रिकेट के नियम बनाने वाली संस्था है। इसी की वर्ल्ड क्रिकेट कमेटी के मेंबर्स ने ऐशेज सीरीज का दूसरा टेस्ट खत्म होने के बाद लंदन में मीटिंग की।

फ्रेंचाइजी क्रिकेट के साथ चलना जरूरी

एमसीसी मेंबर्स की मीटिंग में फैसला हुआ कि बहुत ज्यादा फ्रेंचाइजी टी-20 क्रिकेट होने से वनडे क्रिकेट का महत्व कम होता जा रहा है। फ्रेंचाइजी क्रिकेट तो रहेगा, लेकिन इसके लिए किसी एक फॉर्मेट के मैच कम करने पड़ेंगे। टेस्ट के मैच वैसे ही कम होते हैं, ऐसे में वनडे मैच ही कम किए जा सकते हैं।

महिला क्रिकेट

भारत ने सीरीज पर किया 2-1 से कब्जा पर आखिरी मैच बांग्लादेश से हार गया

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम तीन टी20आई मैचों की सीरीज के आखिरी मैच में बांग्लादेश से 4 विकेट से हार गई है। भारत ने 103 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे बांग्लादेश ने 10 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया। हालांकि, भारत ने सीरीज पर 2-1 से कब्जा किया।

भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 41 गेंद में 40 रन बनाये जिसके बाद अंतिम ओवरों में बल्लेबाजी क्रम चरमराने से भारत ने 11 रन के अंदर छह विकेट गंवा दिये। लेग स्पिनर राबिया खान ने बांग्लादेश के लिये सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, उन्होंने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट झटके। ऑफ स्पिनर सुल्ताना खातून ने पावरप्ले में प्रभावित किया, उन्होंने शेफाली वर्मा (11 रन) और स्मृति मंधाना (01) की सलामी जोड़ी को आउट किया। मारूफा अख्तर ने भी दो विकेट हासिल किये।

इस कम स्कोर वाली पूरी श्रृंखला के दौरान पिच काफी पेचीदा रही है जिसे देखते हुए हरमनप्रीत ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। शेफाली और मंधाना की सलामी जोड़ी एक बार फिर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाने में विफल रही जिससे छह ओवर में टीम का स्कोर दो विकेट पर 27 रन हो गया। जेमिमा रोड्रिग्स (26 गेंद में 28 रन) और हरमनप्रीत ने तीसरे विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी निभाकर पारी आगे बढ़ायी। लेकिन लेग स्पिनर शोर्ना अख्तर ने रोड्रिग्स की पारी खत्म कर इस भागीदारी को तोड़ा। रोड्रिग्स ने अपनी पारी के दौरान सकारात्मक जज्बा दिखाया और स्पिनरों के खिलाफ अपने पैरों का अच्छा इस्तेमाल किया। हरमनप्रीत के 17वें ओवर में स्टंप आउट होने के बाद लगातार विकेट गिरते रहे जिससे भारतीय बल्लेबाज बाउंड्री नहीं लगा सकीं।

अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में बनाया अनोखा रिकॉर्ड, ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने

रोसेउ (डोमिनिका) (एजेंसी)। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन बुधवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट में अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। अश्विन टेस्ट क्रिकेट में पिता और पुत्र दोनों को आउट करने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गए। बुधवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के पहले टेस्ट के पहले दिन अश्विन 12 (44) ने टैग्नारिन चंद्रपॉल का विकेट हासिल करके रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले उन्होंने टैग्नारिन के पिता और वेस्ट इंडीज के दिग्गज शिवनारायण चंद्रपॉल का विकेट लिया था।

अश्विन के अलावा इयान बॉथम ने भी पिता-पुत्र की जोड़ी लांस और क्रिस केर्न्स को आउट कर इस सूची में जगह बनाई। पाकिस्तानी तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने भी अपने करियर में इसी जोड़ी का विकेट लिया था। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज मिचेल स्टार्क और साइमन हार्मर ने शिवनारायण और टैगनारिन चंद्रपॉल के विकेट भी लिए हैं।

इसके साथ ही भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन 700 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज भी बन गए। उन्होंने डोमिनिका में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती टेस्ट मैच में दो विकेट लेकर पहले दिन के पहले सत्र में अपना दबदबा बनाया। मेजबान टीम के पतन में इसने प्रमुख भूमिका निभाई क्योंकि वेस्टइंडीज 150 के स्कोर पर ढेर हो गई।

मेजबान टीम के कुल स्कोर के जवाब में भारत के सलामी बल्लेबाजों ने पारी की सकारात्मक शुरुआत की। रोहित के खिलाफ कुछ शुरुआती अपील के बावजूद तीसरे सत्र में भारत के शुरुआती स्टैंड में कोई समस्या नहीं आई। यशस्वी जयसवाल ने अपना खाता खोलने में समय लिया लेकिन जैसे ही उन्होंने खुद को पिच की परिस्थितियों के अनुरूप ढाला, उन्होंने आत्मविश्वास के साथ गेंदबाजों का सामना करना शुरू कर दिया। उन्होंने चौका लगाने के लिए एक खूबसूरत शॉट के साथ अपना खाता खोला। उन्होंने एक बार फिर से एक और शॉट लगाकर बाउंड्री लगाने की कोशिश की लेकिन फील्डर ने उन्हें बैक-टू-बैक बाउंड्री लगाने से रोक दिया। दूसरी ओर, रोहित तीसरे सत्र के अधिकांश समय में अपने शॉट चयन और रक्षात्मक दृष्टिकोण से आश्वस्त दिखे। दूसरी ओर वेस्टइंडीज के गेंदबाज अपनी लाइन और लेंथ में निरंतरता लाने के लिए संघर्ष करते रहे।

संक्षिप्त समाचार

संस्कृत प्राचीन सभ्यता और उसकी मूल्य प्रणाली की संरक्षक रही : आरिफ मोहम्मद खान

तिरुपति, एजेंसी। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा है कि संस्कृत प्राचीन सभ्यता और उसकी मूल्य प्रणाली की संरक्षक रही है तथा संस्कृत के बिना भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है, क्योंकि इसकी संस्कृति का आधार संस्कृत ही है। श्री खान ने साहित्य अकादेमी एवं राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति और संस्कृति फाउंडेशन मैसूर के संयुक्त तत्त्वावधान में तिरुपति में राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन 'संस्कृत समुन्मेषः' को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की संस्कृति का आधार संस्कृत है। संस्कृत के बिना भारतीय संस्कृति की कल्पना भी संभव नहीं है। संस्कृत साहित्य में ही भारतीय संस्कृति और सभ्यता संरक्षित रही है। सम्मेलन की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और मां सरस्वती के आवाह्न से हुई। श्री खान ने कहा कि इस तरह के सम्मेलन से आम लोगों और विद्वानों के बीच जागरूकता आयेगी। उन्होंने संस्कृत विज्ञान प्रदर्शनी, पांडुलिपि गैलरी, वर्णमाला गैलरी और पुस्तक प्रदर्शनी आदि का अवलोकन भी किया। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति एन. गोपालस्वामी, संस्कृति मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव और वित्त सलाहकार रंजना चोपड़ा, संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव उमा नंदूरी तथा तिरुमला तिरुपति देवस्थानम् के कार्यकारी अधिकारी ए.वी. धर्म रेड्डी उपस्थित रहे। इस तीन दिवसीय इस सम्मेलन में आठ सत्रों में अष्टावधानम् , संस्कृत एवं योग, संस्कृत एवं भारतीय संगीत, संस्कृत एवं नृत्य एवं संस्कृत नाटकों पर विभिन्न सत्रों के अलावा कवि सम्मेलन, छात्रों का कथा वाचन, रामायण के सुंदरकांड पर केंद्रित सत्र होंगे एवं विभिन्न प्रस्तुतियाँ भी होंगी।सम्मेलन में संस्कृत के लगभग 60 प्रमुख लेखक एवं विद्वान सहभागिता कर रहे हैं।

चंद्रयान-3 चांद पर नयी संभावनाओं का द्वार खोलेगा : डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ.जितेंद्र सिंह ने कहा है कि चंद्रयान-3 विश्व के लिए चांद पर नयी संभावनाओं का द्वार खोलेगा। चंद्रयान-3 को शुक्रवार को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से छोड़ा जाएगा। डॉ. सिंह ने कहा है कि भारत का पहला मिशन चंद्रयान-1 ने चांद के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। इस मिशन से विश्व को पहली बार चांद की सतह पर पानी के मौजूद होने के साक्ष्य मिले। इकोनॉमिक टाइम्स को दिये एक साक्षात्कार में डॉ. सिंह ने कहा कि पूरी दुनिया चंद्रयान-3 को बड़ी आशा के साथ देख रही है। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 मिशन चांद के एक कदम और करीब जाने का संकेत है। यह मिशन इस सत्य का भी परिचायक है कि भारत अन्य देशों से पीछे नहीं है। चंद्रयान-3 न केवल चांद से चांद का अवलोकन करेगा, बल्कि यह चांद से पृथ्वी पर भी नजर रखेगा। यह इस मिशन की अद्भुत विशेषता है। डॉ. सिंह ने कहा कि 424 विदेशी उपग्रहों को अब तक भारत ने प्रक्षेपित किया है। इनमें से 389 उपग्रह इस सरकार द्वारा पिछले नौ वर्षों में प्रक्षेपित किये गये हैं।

12वें दिन 9 हजार से अधिक तीर्थयात्री अमरनाथ पहुंचे

श्रीनगर, एजेंसी। अमरनाथ यात्रा के 12वें दिन 9,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में पवित्र शिव लिंग के दर्शन किए, जबकि 9,241 भक्तों का एक और जत्था गुरुवार को जम्मू से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। तीर्थयात्रियों का नया जत्था 306 वाहनों के काफिले में गुरुवार सुबह भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा, 9,241 तीर्थयात्रियों में से 3,206 बालटाल आधार शिविर जा रहे हैं, जबकि 6,035 पहलगाम बेस कैंप की ओर जा रहे हैं। इस साल की अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई को शुरू होने के बाद से अब तक 19 तीर्थयात्रियों की प्राकृतिक कारणों से मौत हो चुकी है। यात्री हिमालय गुफा मंदिर तक या तो पारंपरिक पहलगाम मार्ग से पहुंचते हैं, जिसमें 43 किमी की चढ़ाई शामिल होती है या उत्तरी कश्मीर बालटाल बेस कैंप से, जिसमें 13 किमी की चढ़ाई शामिल होती है।

इटावा लायन सफारी में 5 में से 3 शेर शावकों की मौत

इटावा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में स्थित इटावा लायन सफारी में पांच दिनों के भीतर शेरनी सोना के पैदा हुए पांच शावकों में से तीन की मौत हो गई है। एक वन अधिकारी ने यह जानकारी दी। सफारी के अधिकारियों ने बुधवार तक इस खबर को गुप्त रखा, जब प्रधान मुख्य वन संरक्षक ममता एस. दुबे ने मौतों की पुष्टि की। 6 जुलाई को पहले शावक के जन्म के बाद, सोना ने चार और बच्चों को जन्म दिया - 9 जुलाई को तीन और 10 जुलाई को एक। अब 6 जुलाई को पैदा हुआ शावक और 9 जुलाई को पैदा हुए तीन में से एक जीवित है। दुबे ने कहा, दो शावक मृत पैदा हुए थे और एक बहुत कमजोर था और जीवित नहीं रह सका।

जेपी नड्डा ने लोकसभा की 160 कमजोर सीटों के लिए बनाया एक्शन प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी।
भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी के लिए कमजोर माने जाने वाली 160 लोकसभा सीटों पर चुनावी तैयारियों को लेकर बुधवार को लोकसभा प्रवास योजना की समीक्षा बैठक की। बैठक में लोकसभा की इन 160 सीटों के लिए बनाए गए लोकसभा प्रवास योजना के प्रदेश संयोजक और सह संयोजकों सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में भाजपा मुख्यालय के केंद्रीय कार्यालय विस्तार में हुई इस मैराथन बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल, राष्ट्रीय

महासचिव विनोद तावड़े, राष्ट्रीय सचिव हरीश द्विवेदी और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा सहित लोकसभा प्रवास योजना से जुड़े कई अन्य नेता मौजूद रहे।

सूत्रों के मुताबिक, बैठक में नड्डा ने इन कमजोर 160 लोक सभा सीटों के लिए बनाए गए क्लस्टर प्रभारियों, प्रदेश संयोजकों और सह संयोजकों को अपने प्रयास में और तेजी लाते हुए लोकसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर तक लोगों से खासकर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने वाले लाभार्थियों से मुलाकात कर मोदी सरकार की उपलब्धियों को उन लोगों तक पहुंचाने का निर्देश दिया है। नड्डा ने इन 160 लोकसभा सीटों पर खासतौर पर मतदाताओं के हर वर्ग तक पहुंचकर उन्हें भाजपा से जोड़ने, क्षेत्र के प्रभावशाली और लोकप्रिय लोगों से मुलाकात कर उन्हें सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताने को कहा है, ताकि विपक्ष का मजबूत गढ़ माने जाने वाली इन 160 लोकसभा सीटों में से भी ज्यादातर सीटों पर 2024 में भाजपा जीत हासिल करें और जो सीटें भाजपा पिछली बार बहुत कम अंतर से जीती थी, उन सीटों पर इस बार जीत का अंतर बड़ा करे।

भाजपा ने उन खास लोकसभा सीटों की एक विशेष लिस्ट बनाई हुई है, जिन पर 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हार मिली थी। इस लिस्ट में खासतौर से उन लोकसभा सीटों को शामिल किया गया है, जिन सीटों पर भाजपा पिछले चुनाव में नंबर 2 पर रही थी या फिर बहुत ही कम अंतर से जीती थी। पहले इस लिस्ट में 144 सीटों को शामिल किया गया था। बाद में इन सीटों की संख्या को बढ़ाकर 160 कर दिया गया। इन सीटों को कलस्टरों में बांटकर इन पर केंद्रीय मंत्रियों एवं पार्टी के दिग्गज नेताओं को अहम जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश स्तर पर पार्टी ने प्रदेश संयोजक और सह संयोजकों भी बनाए हैं। इसके साथ ही पार्टी स्वयंसेवक और पूर्णकालिक विस्तारक तैनात कर इन सभी 160 लोकसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर तक जाकर मतदाताओं से संपर्क करने की विशेष रणनीति पर काम कर रही है। बुधवार की बैठक में जेपी नड्डा ने पार्टी नेताओं के साथ इस मुहिम के द्वारा अब तक हासिल की गई उपलब्धियों की समीक्षा कर आने वाली महीनों की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया और अभियान से जुड़े पार्टी नेताओं को कई अहम निर्देश भी दिए।

खड़गे ने पार्टी सांसद दीपक बाजी को छत्तीसगढ़ का नया प्रमुख नियुक्त किया

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में चुनावी तैयारियों पर चर्चा के लिए यहां एक बैठक की, जिसके कुछ दिनों बाद पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को सांसद दीपक बाजी को राज्य इकाई का प्रमुख नियुक्त किया।कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने एक बयान में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष ने तत्काल प्रभाव से छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में सांसद दीपक बैज की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम, विधायक के योगदान की सराहना करती है। खड़गे की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी, छत्तीसगढ़ राज्य प्रभारी कुमारी शैलजा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव और कई अन्य नेता भी शामिल हुए।

नकली दवा बनाने वाली कंपनियों पर कार्रवाई करने विशेष दल गठित

नई दिल्ली, एजेंसी। रसायन और उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भारत के औषधि महानियंत्रक को निर्देश दिया है कि वें नकली दवाएं बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि देश में दवाइयों के निर्माण की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। डॉ. मांडविया ने कल नई दिल्ली में दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों से भेंट की। उन्होंने बताया कि औषधि बनाने वाली कंपनियों के निरीक्षण के लिए विशेष दल बनाये गये हैं और नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि उत्पादों की गुणवत्ता के आधार पर ही औषधि क्षेत्र में भारत की वैश्विक स्थिति निर्धारित होती है।

डॉ. मांडविया ने कहा कि दवा उत्पादों की उच्चतम गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियामक प्राधिकारियों ने जोखिम आधारित निरीक्षण और संयंत्रों की जांच का काम शुरू किया है। 137 कंपनियों का निरीक्षण किया गया और 105 के खिलाफ कार्रवाई की गई। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि कैंसर और दुर्लभ बीमारियों के इलाज में काम आने दवाओं के सस्ता होने से आम लोगों को लाभ मिलेगा। श्री मांडविया ने एक ट्वीट में कहा कि दवाओं पर वस्तु एवं सेवाकर घटाने से गरीब और मध्यम वर्ग को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, कैंसर से संबंधित दवाओं, दुर्लभ बीमारियों की दवाओं और विशेष चिकित्सा उद्देश्यों के लिए खाद्य उत्पादों की जीएसटी दर शून्य करने के लिये प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतरमण का हार्दिक आभार। स्वास्थ्य भारत में सेवा है।

यात्रियों की कमी के कारण पश्चिम रेलवे ने 20 ट्रेनें की रद्द

प्रयागराज, एजेंसी।
पश्चिम रेलवे ने कम यात्रियों के कारण 20 विशेष ट्रेनें रद्द कर दी हैं। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) हिमांशु शेखर उपाध्याय ने कहा कि जिन 20 विशेष ट्रेनों को विशेष अवधि के लिए रद्द किया गया है, उनमें 09183 मुंबई सेंट्रल-वाराणसी साप्ताहिक ट्रेन भी शामिल है, जिसे 19 जुलाई से 30 अगस्त के बीच रद्द कर दिया गया है। अन्य ट्रेनों में 09184 बनारस-मुंबई साप्ताहिक, 21 जुलाई से 1 सितंबर के बीच रद्द कर दी गई है। इसी प्रकार 09417 अहमदाबाद-पटना साप्ताहिक (24 जुलाई और 28 अगस्त), 09418 पटना-अहमदाबाद साप्ताहिक (25 जुलाई-29 अगस्त), 09421 अहमदाबाद-दरभंगा साप्ताहिक (17 जुलाई-28 अगस्त), 09422 दरभंगा-अहमदाबाद साप्ताहिक (जुलाई 19-अगस्त 30) और 09413 अहमदाबाद-समस्तीपुर साप्ताहिक (18 जुलाई और 29 अगस्त) को भी रद कर दिया गया है।

इसी तरह 09414 समस्तीपुर-अहमदाबाद साप्ताहिक 20 जुलाई से 31 अगस्त), 09005 वापी-इज्जतनगर द्वि-साप्ताहिक (16 जुलाई-27

अगस्त) तक नहीं चलेगी। इसके अलावा, 09006 इज्जतनगर-वापी द्वि-साप्ताहिक इज्जतनगर 17 जुलाई से 28 अगस्त के बीच, 09025 वलसाड-दानापुर साप्ताहिक (24 जुलाई - 28 अगस्त), 09026 दानापुर-वलसाड साप्ताहिक 25 जुलाई - 29 अगस्त के बीच, 09097 और दानापुर-जम्मू तवी साप्ताहिक 17 जुलाई से 28 अगस्त तक रद्द रहेगी। इसके अलावा 09098 जम्मू तवी-दानापुर को 18 जुलाई से 29 अगस्त, 09343 डॉ. अंबेडकर नगर-पटना साप्ताहिक (21 जुलाई - 25 अगस्त), 09344 पटना-अंबेडकर नगर साप्ताहिक (22 जुलाई और 26 अगस्त), 09117 सूरत सूबेदारगंज साप्ताहिक (21 जुलाई और 25 अगस्त), और 09321 इंदौर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा साप्ताहिक (26 जुलाई-30 अगस्त), जबकि 09322 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-इंदौर साप्ताहिक (जुलाई 28-सितंबर 1) को रद्द कर दिया गया है।

पंजाब में बारिश से नुकसान पर मुआवजा देगी सरकार : भगवंत मान

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को ऐलान किया कि सरकार राज्यभर में भारी और लगातार बारिश के कारण लोगों को हुए नुकसान की भरपाई करेगी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि वह राज्यभर से नियमित अपडेट लेकर स्थिति पर हर पल नजर रख रहे हैं। पानी के स्तर और जिलों में किए जा रहे राहत उपायों के संबंध में जिला प्रशासन के माध्यम से नियमित संपर्क रखा जा रहा है। भगवंत मान ने कहा कि गंभीर संकट की इस घड़ी में लोगों की मदद करना सरकार का कर्तव्य है और इस नेक काम के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुदूरवर्ती क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति तक भी सहायता पहुंचायी जा रही है। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में राहत सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है ताकि लोगों को किसी भी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी बांध सुरक्षित हैं और पानी खतरे के निशान से नीचे बह रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बुधवार शाम तक राज्य की स्थिति में हर तरह से काफी सुधार हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले से ही सभी कैबिनेट मंत्री, विधायक और अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में हैं और गंभीर संकट की इस घड़ी में जरूरतमंद लोगों तक पहुंच रहे हैं। पानी के बढ़ते स्तर से लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए एक विस्तृत तंत्र बनाया गया है।

पाकिस्तानी सेना पर बलूचिस्तान में बड़ा हमला

4 जवानों की मौत ; 5 बुरी तरह जख्मी

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तानी सेना पर बलूचिस्तान में बुधवार को बड़ा आतंकी हमला हुआ है। इस हमले में चार पाकिस्तानी जवानों की मौत हो गई, जबकि पांच सैनिक घायल हो गए। यह हमला बुधवार तड़के उत्तरी बलूचिस्तान इलाके में पाक सेना के कैंप पर हुआ। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशन ने अपने बयान में कहा कि आतंकी कैंप में घुसने की कोशिश में थे, जब सैनिकों की उन पर नजर गई।

आईएसपीआर ने कहा, भारी गोलीबारी के बाद आतंकवादियों को सीमा पर एक छोटे से क्षेत्र में सीमित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अब तक तीन भारी हथियारों से लैस आतंकवादी मारे जा चुके हैं। बयान में कहा गया, शेष दो आतंकवादियों को भी पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा अभियान जारी है। आगे कहा गया है, सुरक्षा बल शांति को नष्ट करने के ऐसे सभी भयानक प्रयासों को विफल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, झोब जिला आयुक्त (डीसी) अज़ीम काकर ने भी जानकारी दी थी कि झोब में छावनी क्षेत्र पर हमला हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि गोलीबारी में फंसने से एक महिला नागरिक की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य नागरिक घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि गंभीर रूप से घायलों को

क्वेटा रेफर किया जा रहा है। डीसी कक्कड़ ने बताया कि डेरा इस्माइल खान से आ रही एक यात्री बस भी गोलीबारी की चपेट में आ गई। उन्होंने कहा कि हमलावरों की संख्या के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता और कहा कि सभी विभाग अलर्ट पर थे और एक ऑपरेशन चल रहा था। पिछले साल नवंबर में प्रतिबंधित टीटीपी द्वारा सरकार के साथ संघर्ष विराम समाप्त करने के बाद, विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है। इस महीने की शुरुआत में, बलूचिस्तान के धाना सार इलाके में पुलिस और लेवी चेकपोस्ट पर हमले के बाद चार सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी, जबकि एक आतंकवादी भी मारा गया था। इस महीने थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वर्ष के आधे हिस्से में आतंकवादी और आत्मघाती हमलों में लगातार और चिंताजनक वृद्धि देखी गई, जिसमें पाकिस्तान भर में 389 लोगों की जान जा चुकी है। जून में बलूचिस्तान के तुरबत में एक पुलिस वैन पर आत्मघाती हमले में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य घायल हो गए थे। उसी महीने की एक पूर्व घटना में, पाकिस्तान-ईरान सीमा पर केच जिले में सुरक्षा बलों की चेकपोस्ट पर हमले के बाद दो सैनिक की जान चली गई थी।

नेपाल ने चीन का बीआरआई के तहत पोखरा एयरपोर्ट बनाने का दावा किया खारिज

काठमांडू, एजेंसी।
नेपाल के विदेश मंत्री एनपी सऊद ने मंगलवार को चीनी राजदूत के उस दावे को खारिज कर दिया कि नेपाल में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत एक हवाई अड्डा बनाया गया है। चीन का दावा है कि एक विशिष्ट परियोजना बीआरआई के तहत है, जबकि नेपाल का कहना है कि ऐसा नहीं है। विदेश नीति विशेषज्ञों के मुताबिक, इस भ्रम से नेपाल को कोई फायदा नहीं होगा। एफएम सऊद ने अंतर्राष्ट्रीय संबंध और पर्यटन समिति को संबोधित करते हुए दावों को खारिज कर दिया कि बीआरआई परियोजना को नेपाल में क्रियान्वित नहीं किया गया है। दरअसल चीनी राजदूत बार-बार दावा करते रहे हैं कि पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण बीआरआई ढांचे के तहत किया गया था। सऊद ने समिति की बैठक को संबोधित करते हुए चीनी राजदूत के दावे का खंडन करते हुए कहा कि नेपाल ने केवल समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और अब तक कोई ठोस योजना या पहल लागू नहीं की गई है। इस सप्ताह की शुरुआत में, चीन का यह बयान कि बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत नेपाल में पोखरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा उसकी प्रमुख परियोजना है। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार चीन द्वारा बीआरआई के तहत नेपाल में एक के बाद एक परियोजनाओं को एकतरफा सूचीबद्ध करने के बाद नेपाल के राजनयिक हलकों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। 22 जून को, नेपाल में चीनी राजदूत चेन सॉन्ग ने ट्विटर पर एक पोस्ट में लिखा, नेपाल में वीचैट पे क्रॉस-बोर्ड भुगतान सेवा के उद्घाटन के लिए हार्दिक बधाई।इससे पहले, पिछले हफ्ते भी प्रतिनिधि सभा को संबोधित करते हुए नेपाल के विदेश मंत्री एनपी सऊद ने स्पष्ट करते हुए कहा थाञ।

कुरान जलाए जाने पर यूएन में भिड़े मुस्लिम और यूरोपीय देश, पास हो गया पाकिस्तान का लाया प्रस्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी।
संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) ने बुधवार को स्वीडन में कुरान जलाए जाने के मद्देनजर धार्मिक नफरत पर एक विवादित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। प्रस्ताव को लेकर पश्चिमी देशों में चिंता बढ़ गई। इन देशों का कहना है कि यह प्रस्ताव मानवाधिकारों की सुरक्षा में लंबे समय से चली आ रही प्रथाओं को चुनौती देता है। प्रस्ताव का पास होना अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों की बड़ी हार का संकेत है।

यह प्रस्ताव 57 देशों वाले इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की ओर से पाकिस्तान ने पेश किया था। प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख से धार्मिक घृणा पर एक रिपोर्ट प्रकाशित करने और देशों से अपने कानूनों की समीक्षा करने व उन कमियों को दूर करने का आह्वान किया गया है जो धार्मिक घृणा के कृत्यों की रोकथाम में बाधा डाल सकते हैं।

अमेरिका और यूरोपीय संघ ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया था। पश्चिमी देशों ने कहा कि यह मानवाधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उनके दृष्टिकोण के विपरीत है। कुरान को जलाने की निंदा करते हुए, इन देशों ने तर्क दिया कि मुस्लिम देशों (ओआईसी) की पहल मानवाधिकारों के बजाय धार्मिक प्रतीकों की रक्षा के लिए है। स्वीडन में एक इराकी आप्रवासी ने पिछले महीने स्टॉकहोम मस्जिद के बाहर कुरान जलाई थी, जिससे मुस्लिम दुनिया में आक्रोश फैल गया और मुस्लिम देशों ने कार्रवाई की मांग की है। बाद में मुस्लिम देशों का प्रस्ताव पास कर दिया गया। प्रस्ताव पर हुई वोटिंग के

बाद आए नतीजे पश्चिमी देशों के लिए एक बड़ी हार का प्रतीक हैं। यह दिखाता है कि ओआईसी का परिषद में अभूतपूर्व दबदबा है। यूएनएचआरसी दुनिया भर में मानवाधिकारों की रक्षा के लिए सरकारों से बना एकमात्र निकाय है।

28 देशों ने पक्ष में मतदान किया, 12 ने विरोध में मतदान किया, और सात देश अनुपस्थित रहे। प्रस्ताव पारित होने के बाद कुछ देशों के प्रतिनिधियों ने तालियां बजाईं। जिनेवा स्थित यूनिवर्सल राइट्स ग्रुप के निदेशक मार्क लिमोन ने कहा कि परिणाम से पता चलता है कि पश्चिम मानवाधिकार परिषद में पूरी तरह से पीछे हट गया है।

मतदान के बाद, संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि, खलील हासमी ने पश्चिमी देशों पर धार्मिक घृणा को रोकने की अपनी प्रतिबद्धता के प्रति जुबानी दिखावा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कमरे में मौजूद कुछ लोगों का विरोध दिखाता है कि वे पवित्र कुरान या किसी अन्य धार्मिक पुस्तक के सार्वजनिक अपमान की निंदा करने के इच्छुक नहीं हैं। उनके पास इस कृत्य की निंदा करने के लिए राजनीतिक, कानूनी और नैतिक साहस की कमी है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अड़े पश्चिमी देशत्न इससे पहले प्रस्ताव पर बहस के दौरान इस्लामिक देश और पश्चिमी देश अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर आमने-सामने आ गए थे। ईरान, पाकिस्तान, सऊदी अरब सहित कई मुस्लिम देशों ने कहा कि यह घटना धार्मिक नफरत को बढ़ाने का काम करती है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ऐसी घटनाओं को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता। वहीं, पश्चिमी देशों ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब कभी-कभी असहनीय विचारों को सहना भी होता है। प्रस्ताव पर बहस के दौरान जर्मनी की राजदूत कैथरीना स्टैश ने कुरान में आग लगाने को भयंकर उकसावे की कार्रवाई बताकर उसकी निंदा की लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब कभी-कभी ऐसे विचारों को भी सहना होता है जो लगभग असहनीय लग सकती हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129